



विश्व केसरी

सिर्फ पत्रकारिता...

@ खेल शेफाली-चरण 'आईसीसी विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ' ... @ विचार बेहतर विकल्प एवं जरूरी मुद्दों का अभाव ही विपक्ष ... @ व्यापार सेंसेक्स 685 अंक उछला...

स्वर्ण झरोखा

भूपेश बघेल के खिलाफ
याचिका पर फैसला सुरक्षित



रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी के नेता विजय बघेल की ओर से दाखिल चुनाव याचिका पर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में अहम सुनवाई हुई। मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता विजय बघेल ने व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित होकर अपनी गवाही दर्ज कराई। इसके साथ ही, पूर्व मुख्यमंत्री की ओर से मामले में अतिरिक्त मुद्दे तय करने के संबंध में पेश आवेदन पर दोनों पक्षों की विस्तृत बहस सुनने के बाद हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रखते हुए 13 अक्टूबर 2026 को आदेश जारी करने के लिए मामला सूचीबद्ध कर दिया।

वायुसेना के नए प्रमुख बने आशुतोष दीक्षित

नई दिल्ली। सरकार ने वायुसेना के वाइस चीफ एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित को 31 अक्टूबर 2026 से एयर चीफ मार्शल के पद पर नियुक्त किया है। वे भारतीय वायुसेना के 29वें चीफ ऑफ एयर स्टाफ होंगे। एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित मौजूदा एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह की जगह लेंगे, जो 31 अक्टूबर को सेवानिवृत्त हो रहे हैं।

सिंगापुर से छत्तीसगढ़ को निवेश की बड़ी सौगात

छत्तीसगढ़ में 43,600 करोड़ के निवेश प्रस्ताव

संवाददाता ■ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सिंगापुर यात्रा के अंतिम दिन छत्तीसगढ़ ने कौशल विकास और निवेश के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं। प्रदेश के युवाओं को उद्योगों की जरूरत के अनुरूप प्रशिक्षण देने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार और सिंगापुर की ITE Education Services के बीच तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण को लेकर समझौता हुआ। वहीं एग्रो एवं फूड प्रोसेसिंग क्षेत्र में 350 करोड़ के नए निवेश प्रस्ताव के साथ सिंगापुर यात्रा के दौरान छत्तीसगढ़ को मिले एफडीआई निवेश प्रस्तावों की कुल राशि बढ़कर 43,600 करोड़ हो गई।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि निवेश से उद्योग आते हैं और कुशल युवा उन उद्योगों की ताकत बनते हैं। सिंगापुर के सफल कौशल विकास मॉडल से सीख लेकर छत्तीसगढ़ में उद्योग आधारित प्रशिक्षण को बढ़ावा दिया जाएगा। इससे उद्योगों की जरूरत के मुताबिक पाठ्यक्रम तैयार करने, प्रशिक्षकों को बेहतर प्रशिक्षण देने और युवाओं के लिए रोजगार के



नए अवसर पैदा करने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री और प्रतिनिधिमंडल ने ITE कॉलेज का दौरा कर वहां के प्रशिक्षण मॉडल को समझा। सिंगापुर में Cisco, BYD और Singapore Airlines जैसी

कंपनियां ITE कॉलेजों के साथ मिलकर पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण और तकनीकी संसाधन उपलब्ध कराने में सहयोग करती हैं। इसी अनुभव को छत्तीसगढ़ में लागू करने की योजना है।

किसानों की उपज को मिलेगा

नया बाजार

मुख्यमंत्री साय ने सिंगापुर की Valency International Pte Ltd को छत्तीसगढ़ में 7350 करोड़ के निवेश का आमंत्रण दिया। कंपनी प्रदेश में इटीग्रेटेड एग्रो एवं फूड प्रोसेसिंग और

एक्सपोर्ट हब स्थापित करेगी। यहां काजू, तिल, दलहन और मूंगफली की प्रोसेसिंग की जाएगी। इससे किसानों की उपज का स्थानीय स्तर पर मूल्य संवर्धन होगा, नए बाजार मिलेंगे और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

सिंगापुर के विदेश मंत्री से मुलाकात

साय ने सिंगापुर के विदेश मंत्री डॉ. विवियन बालाकृष्णन से मुलाकात कर निवेश, कौशल विकास, तकनीक और शहरी नियोजन में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। इसके अलावा 15 से अधिक वैश्विक कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ सीईओ राउंडटेबल में निवेश की संभावनाओं पर बातचीत हुई।

GFTN के साथ बैठक में छत्तीसगढ़ के युवाओं को ड्यू और डिजिटल फाइनेंस में प्रशिक्षण देने, स्टार्टअप को वैश्विक निवेशकों से जोड़ने और टेक लैब स्थापित करने पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री की सिंगापुर यात्रा से प्रदेश के लिए निवेश, रोजगार, कौशल और वैश्विक साझेदारी के नए अवसर खुले हैं।

छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ में 7 आईईडी बरामद पुलिस-आईटीबीपी के ज्वाइंट ऑपरेशन में बड़ी सफलता



तीन गाड़ियों की चाबी खोलने की मशीन शामिल हैं। बुराद विस्फोटकों को बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वाड ने मौके पर ही सुरक्षित तरीके से नष्ट कर दिया। यह कारवाई सख्त सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत की गई। स्क्वाड का नेतृत्व असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर मोहन ने किया।

अधिकारियों ने बताया कि यह सफलता अबूझमाड़ क्षेत्र में पुलिस और आईटीबीपी की लगातार सतर्कता, करीबी समन्वय और संयुक्त प्रयासों का नतीजा है। सुरक्षा बल संदिग्ध गतिविधियों और विस्फोटक सामग्री का पता लगाने और उसे निष्क्रिय करने के लिए लगातार सघन तलाशी अभियान चला रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि इस संयुक्त कार्रवाई से इलाके में सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत हुई है, जिससे आम जनता की सुरक्षा और शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने में मदद मिलेगी। तैयार आईईडी और उन्हें बनाने वाले औजारों की बरामदगी से पता चलता है कि अबूझमाड़ के दूरदराज के जंगली इलाकों में छिपे विस्फोटक खतरों की चुनौती अब भी बनी हुई है।

संवाददाता ■ रायपुर/नारायणपुर छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ क्षेत्र में सुरक्षा बलों की बड़ी सफलता मिली है। नारायणपुर पुलिस और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) की 29वीं बटालियन की संयुक्त टीम ने सचें ऑपरेशन के दौरान 7 आईईडी बरामद किए हैं। इनमें 6 प्रेशर कुकर आईईडी और एक पाइप बम आईईडी शामिल है।

इस ऑपरेशन का नेतृत्व पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार पटेल, आईटीबीपी बटालियन कमांडेंट अभिषेक सुद और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) अश्वय साबद्रा ने किया। सुरक्षा बलों ने

रायनार कैप से लेकर मक्सोली-भटबेड़ा-रायनार बेल्ट तक पूरे इलाके में सघन तलाशी और एरिया सैनिटाइजेशन अभियान चलाया। तलाशी के दौरान भटबेड़ा इलाके में जवानों को संदिग्ध वस्तुएं दिखाई दीं। तुरंत मौके को सुरक्षित किया गया और आसपास के इलाके में रहन तलाशी ली गई। इसी दौरान एक संदिग्ध डंप से 6 प्रेशर कुकर आईईडी और पाइप बम बरामद हुए। इसके साथ ही आईईडी बनाने में इस्तेमाल होने वाला सामान भी जब्त किया गया। इसमें एक मल्टीमीटर, एक स्क्रूड्राइवर, एक सोल्डरिंग वायर, एक सोल्डरिंग आयरन और

अमेरिका के साथ ईमानदार रहे कनाडा, भविष्य में समझौता तभी संभव: डोनाल्ड ट्रंप



एजेंसी ■ वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उन्हें कनाडा के साथ व्यापार वार्ता दोबारा शुरू करने की कोई जल्दी नहीं है। उन्होंने कनाडा पर अमेरिका के साथ खराब व्यवहार करने का आरोप लगाया और कहा कि भविष्य में कोई भी समझौता तभी हो सकता है, जब कनाडा अमेरिका के साथ 'ईमानदार' रहे।

पत्रकारों ने पूछा था कि क्या वह अमेरिका में होने वाले मिडटर्म चुनाव से पहले कनाडा के साथ व्यापार वार्ता फिर से शुरू करेंगे।

इस पर ट्रंप ने कहा कि मुझे नहीं पता। कनाडा अमेरिका के साथ बहुत खराब व्यवहार करता है, इसलिए मुझे नहीं पता। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने हम पर कई ऐसे टैरिफ लगाए, जिनके बारे में मेरे अलावा किसी को पता नहीं था। आखिरकार मामला सुलझ जाएगा, लेकिन मुझे इसकी कोई जल्दी नहीं है। हालांकि उन्होंने साफ नहीं किया कि वह कनाडा के किन टैरिफ की बात कर रहे थे। उनकी बातों से संकेत मिला कि कनाडा के साथ जल्द बातचीत शुरू करना फिलहाल उनकी प्राथमिकता नहीं है। हालांकि, उन्होंने कहा कि आखिरकार दोनों देशों के बीच व्यापार विवाद सुलझ जाएगा। ट्रंप ने दोनों देशों के बीच व्यापारिक रिश्तों में असंतुलन होने का भी दावा किया। उन्होंने कहा, 'कनाडा अपना लगभग सारा कारोबार हमारे साथ करता है, जबकि हम उनके साथ बहुत कम कारोबार करते हैं।'

इंद्रावती जल बंटवारे पर छत्तीसगढ़ में राजनीति गरमाई: कांग्रेस और भाजपा आमने-सामने

संवाददाता ■ रायपुर

इंद्रावती नदी के जल बंटवारे और बाढ़ की स्थिति पर छत्तीसगढ़ में राजनीति गरमा गई है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने जल वितरण को लेकर सरकार से स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। उन्होंने बारिश के समय ओडिशा द्वारा छोड़े जाने वाले पानी और गर्मी में बस्तर को मिलने वाले जल की वास्तविक स्थिति सार्वजनिक करने को कहा। इसके जवाब में भाजपा प्रवक्ता शिवनारायण पांडेय ने पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस शासनकाल में हुए समझौतों की वजह से ही इंद्रावती नदी की आज यह हालत हुई है।

जल बंटवारे और समझौतों पर तकरार कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने जगदलपुर में संवाददाता सम्मेलन के दौरान इंद्रावती नदी के



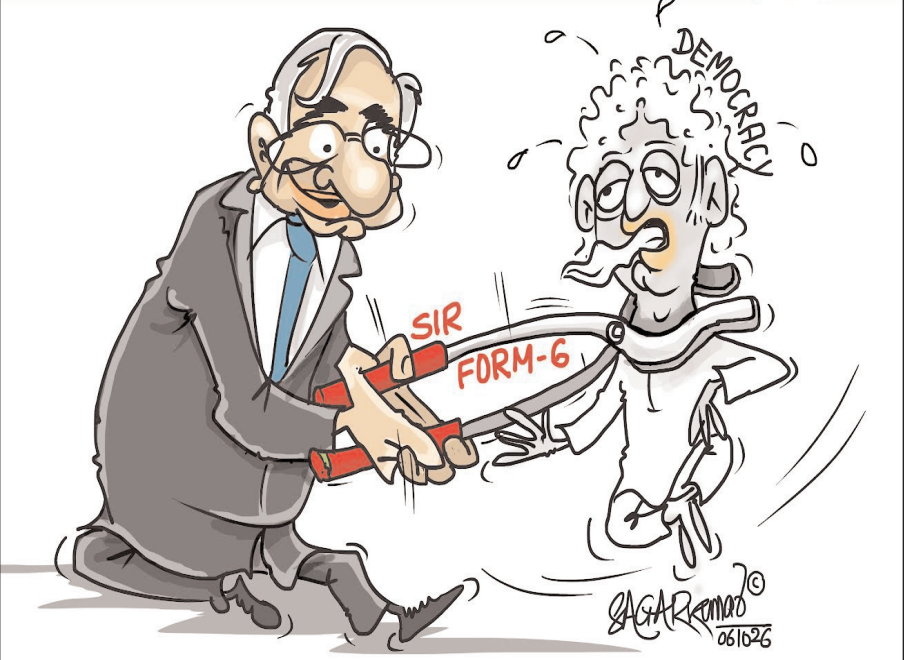
जल बंटवारे पर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि वर्षाकाल में ओडिशा से आने वाले जल और ग्रीष्मकाल में बस्तर को मिलने वाले पानी का ब्योरा सार्वजनिक किया जाना चाहिए। इस पर भाजपा प्रवक्ता शिवनारायण पांडेय ने कहा कि दीपक बैज को सवाल उठाने से पहले पूर्व मुख्यमंत्री नंदीनी सत्युथी और प्रकाश चंद्र सेठी के दौर के समझौतों की जानकारी लेनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि अतीत गलत समझौतों के कारण ही इंद्रावती जल संकट झेल रही है।

बस्तर में उपयोग और चित्रकूट पर असर

भाजपा प्रवक्ता पांडेय ने कहा कि ओडिशा ने इंद्रावती नदी पर कई बांध बनाकर जल आपूर्ति सुनिश्चित कर ली है, जबकि बस्तर में पानी के उपयोग के लिए अपेक्षित काम नहीं हुआ। वहां आज भी पारंपरिक तरीके से ही पानी का इस्तेमाल हो रहा है। इसके चलते गर्मी में नदी सूखने लगती है और चित्रकूट जलप्रपात भी प्रभावित होता है। पांडेय ने कहा कि चित्रकूट जलप्रपात बैज के क्षेत्र में आता है।

तीर तेवर

सागर कुमार



एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत निर्वाचन आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ इंडी गठबंधन के सांसदों ने दिल्ली में विरोध मार्च निकाला। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्ढा को पुलिस ने कुछ देर के लिए हिरासत में लिया और बाद में रिहा कर दिया। वहीं, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पुलिस बैरिकेड पर चढ़कर राष्ट्रीय ध्वज लहराते हुए नजर आए। विरोध प्रदर्शन के दौरान इंडी गठबंधन के नेताओं ने चुनाव आयोग पर मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों और वोटों को हटाने के आरोप लगाए। प्रदर्शनकारियों ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए ईसीई ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग की। समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेन्द्र यादव ने चुनाव आयोग पर



तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, चुनाव आयोग झूठ बोल रहा है। चुनाव आयोग बेईमान है। चुनाव

आयोग लोकतंत्र का डकैत है। मुख्य चुनाव आयुक्त अपने साथी चुनाव आयुक्तों की बात सुनने को भी तैयार

नहीं हैं। आरोप चुनाव आयोग पर हैं, तो भाजपा सफाई क्यों दे रही है? कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, 'हम जो आंदोलन चला रहे हैं और राहुल गांधी ने जिस मुद्दे पर जोर दिया है, वह देश के युवाओं, महिलाओं, किसानों और गरीबों के अधिकारों से जुड़ा है। हमारे लोगों ने संघर्ष, जेल और फांसी तक का सामना करके जो आजादी हासिल की थी, उसे अब छीना जा रहा है। सत्ता में बने रहने के लिए वे (भाजपा) हरसंभव तरीके से लोगों के अधिकार छीन रहे हैं। उन्होंने लोगों को गुमराह करके सत्ता में आने की कोशिश की। जिस गलत तरीके से उन्होंने पद संभाला और सत्ता पर कब्जा किया, उसे देखते हुए मैं कहता हूँ कि उन्हें तुरंत पद छोड़ देना चाहिए, वरना पूरे देश में हंगामा मच जाएगा। देश की जनता चुप नहीं बैठेगी, उन्हें मेरी चेतावनी है।

कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने भी चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा, जिस तरह से 13 करोड़ वोट हटाए गए हैं, जिस तरह से वोटों की चोरी हुई है और जिस तरह से फॉर्म 6 का गलत इस्तेमाल हुआ है, इन सबके बाद ज्ञानेश कुमार की जगह चुनाव आयोग के दफ्तर में नहीं बल्कि तिहाड़ जेल में होनी चाहिए। वहीं, भाजपा सांसद सांबित पात्रा की टिप्पणी, जिसमें उन्होंने कहा था कि 'भगवान गणेश भाजपा की मदद कर रहे हैं', पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रमोद तिवारी ने कहा, मैं पूरे भरोसे के साथ कह सकता हूँ कि ज्ञानेश कुमार को बचाने के लिए उनकी तुलना भगवान गणेश से करने पर भगवान गणेश भाजपा को अपनी सूंड में लपेटकर इतनी दूर फेंक देंगे कि वह अपने जीवनकाल में कभी सत्ता में नहीं आ पाएंगी।

ग्रामीण पर्यटन को नई पहचान देगा ‘चेन्द्ररू’ पुरस्कार

विश्व केसरी■
रायपुर। छत्तीसगढ़ के गांवों की समृद्ध संस्कृति, जनजातीय परंपराओं, प्राकृतिक सौंदर्य और स्थानीय जीवनशैली को देश-दुनिया के पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान दिलाने की दिशा में राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण पहल की है। पर्यटन विभाग ने ग्रामीण पर्यटन के क्षेत्र में उत्कृष्ट और प्रभावी कार्य करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं को प्रोत्साहित करने के लिए ‘चेन्द्ररू राज्य ग्रामीण पर्यटन पुरस्कार’ की शुरुआत की है। इसके लिए राज्य शासन द्वारा ‘चेन्द्ररू, राज्य ग्रामीण पर्यटन पुरस्कार नियम, 2025’ लागू किए गए हैं, जो पूरे छत्तीसगढ़ में प्रभावी होंगे।

इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के अंतर्गत ग्रामीण पर्यटन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले चयनित व्यक्ति अथवा संस्था को एक लाख रुपये की नकद राशि और



प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। पुरस्कार का उद्देश्य केवल उत्कृष्ट कार्यों को सम्मानित करना नहीं, बल्कि ग्रामीण पर्यटन को स्थानीय रोजगार, आजीविका, सांस्कृतिक संरक्षण और सतत विकास का प्रभावी माध्यम बनाना भी है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश

अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ के गांव हमारी संस्कृति, परंपराओं और प्रकृति की जीवंत विरासत हैं। राज्य सरकार का प्रयास है कि पर्यटन का लाभ केवल प्रमुख पर्यटन स्थलों तक सीमित न रहे, बल्कि दूरस्थ ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों तक पहुंचे। ग्रामीण पर्यटन के माध्यम से

स्थानीय युवाओं, महिलाओं, स्व-सहायता समूहों, कारीगरों और ग्रामीण उद्यमियों के लिए आजीविका तथा स्वरोजगार के नए अवसर सृजित किए जा सकते हैं।

मंत्री अग्रवाल ने कहा कि ‘चेन्द्ररू राज्य ग्रामीण पर्यटन पुरस्कार’ उन लोगों और संस्थाओं को पहचान देने का प्रयास है, जो जमीनी स्तर पर पर्यटन के माध्यम से अपने गांव और क्षेत्र की तस्वीर बदल रहे हैं। होमस्टे, स्थानीय व्यंजन, हस्तशिल्प, लोककला, लोकसंस्कृति, प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक धरोहर और समुदाय आधारित पर्यटन को प्रोत्साहित कर छत्तीसगढ़ देश में ग्रामीण पर्यटन का एक विशिष्ट मॉडल बन सकता है। ‘चेन्द्ररू’ नाम से छत्तीसगढ़ की विशिष्ट पहचान को राष्ट्रीय मंच पुरस्कार का नाम ‘चेन्द्ररू’ छत्तीसगढ़ की उस विशिष्ट पहचान को सामने लाता है, जिसने कभी

बस्तर और यहां के सहज प्राकृतिक जीवन को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। अब इसी नाम से स्थापित राज्य ग्रामीण पर्यटन पुरस्कार छत्तीसगढ़ के गांवों में पर्यटन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले जमीनी नायकों और संस्थाओं को सम्मान और पहचान प्रदान करेगा।

एक लाख रुपये और प्रशस्ति पत्र से होगा सम्मान
पुरस्कार के अंतर्गत चयनित व्यक्ति अथवा संस्था को प्रतिवर्ष एक लाख रुपये की नकद पुरस्कार राशि तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। नियमों के अनुसार किसी व्यक्ति को यह सम्मान जीवनकाल में केवल एक बार प्रदान किया जा सकेगा। इसका उद्देश्य अधिक से अधिक नवाचारी और प्रभावशाली प्रयासों को सामने लाकर राज्य में ग्रामीण पर्यटन की नई प्रेरक कहानियां तैयार करना है।

राज्यपाल डेका ने बाल कल्याण परिषद को सौपी ई-रिक्शा की चाबी



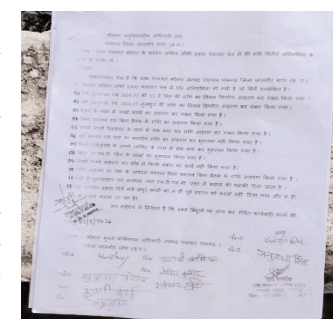
विश्व केसरी■
रायपुर। राज्यपाल रामेन डेका ने मंगलवार को लोकभवन में छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद द्वारा संचालित मानसिक दिव्यांग बाल गृह एवं विशेष विद्यालय शिक्षा मंदिर में पहुंचने वाले बच्चों के आवागमन के

लिए ई-रिक्शा प्रदान किया। ई-रिक्शा की चाबी सौंपने के साथ ही राज्यपाल डेका ने हरी झंडी दिखाकर ई रिक्शा को लोकभवन से रवाना किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद के महासचिव चंद्रेश शाह, उपाध्यक्ष

डॉ कमल वर्मा, कोषाध्यक्ष इंदिरा जैन, संयुक्त सचिव प्रकाश अग्रवाल और राजेंद्र कुमार निगम के साथ इन्द्रसेन वर्मा उपस्थित रहे। महासचिव चंद्रेश शाह ने परिषद की ओर से राज्यपाल के प्रति आभार व्यक्त किया।

कोनार पंचायत में वित्तीय अनियमितता के आरोप, सरपंच के खिलाफ ग्रामीणों ने खोला मोर्चा

विश्व केसरी■
पामगढ़/जांजगीर-चांपा(नीरज शर्मा)। जनपद पंचायत पामगढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत कोनार में पंचायत निधि के कथित दुरुपयोग और वित्तीय अनियमितताओं को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। ग्राम पंचायत के सरपंच अनिल जोशी के खिलाफ ग्रामीणों एवं पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा कई गंभीर आरोप लगाते हुए संबंधित अधिकारियों से शिकायत की गई है। शिकायत में पंचायत फंड से नियम विरुद्ध राशि आहरण, बिना प्रस्ताव एवं बैठक के भुगतान तथा निजी लोगों के नाम से राशि निकालने सहित कई बिंदुओं पर जांच की मांग की गई है। शिकायत पत्र में आरोप लगाया गया है कि वर्ष 2025-26 एवं 2026-27 में पंचायत की राशि का नियमों के विपरीत आहरण किया गया। वहीं स्वयं के नाम से लाखों रुपये की राशि आहरित करने,



बिना प्रस्ताव एवं बिना बैठक के राशि निकालने तथा अपने निजी रिश्तेदार के नाम से चेक काटकर भुगतान करने जैसे आरोप भी लगाए गए हैं। इसके अलावा पूर्व सरपंच एवं पंचों के मानदेय की राशि का भुगतान नहीं करने, बिना फर्म/ई-स्टोर के अपने व्यक्तिगत नाम से चेक काटकर भुगतान करने तथा विभिन्न मदों की राशि के कथित तौर पर गलत तरीके से भुगतान किए जाने की शिकायत की गई है।

शिकायतकर्ताओं ने पंचायत के कार्यों में पारदर्शिता नहीं होने और राशि आहरण पर रोक लगाए जाने के बावजूद राशि निकाले जाने का आरोप भी लगाया है। **शिकायत में दबाव और धमकी का भी आरोप**

शिकायत पत्र में पंचायत से जुड़े लोगों के साथ दुर्व्यवहार एवं अभद्रता करने तथा धमकी देने के आरोप भी लगाए गए हैं। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि पंचायत में किए गए कार्यों और राशि के उपयोग की जानकारी मांगने पर भी उन्हें संतोषजनक जानकारी नहीं दी जा रही है।

दस्तावेजों के अनुसार मामले को लेकर संबंधित अधिकारियों के समक्ष शिकायत प्रस्तुत की गई है। शिकायत में पंचायत के वित्तीय लेन-देन, भुगतान एवं राशि आहरण से जुड़े दस्तावेजों की जांच कर वास्तविक स्थिति सामने लाने की मांग की गई है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ‘हर घर जल’ संकल्प से बदली डांडजमड़ी की तस्वीर

विश्व केसरी■
रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हर घर तक सुरक्षित और शुद्ध पेयजल पहुंचाने के संकल्प ने छत्तीसगढ़ के सुदूर ग्रामीण अंचलों में लोगों के जीवन में बड़ा बदलाव लाना शुरू कर दिया है। केंद्र सरकार के महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन के तहत जीपीएम जिले के आकांक्षी विकासखंड गौरेला की ग्राम पंचायत डांडजमड़ी के सभी 90 घरों में अब नल से शुद्ध पेयजल पहुंचने लगा है। कभी पानी के लिए दूर स्थित कुएं तक जाना यहां के ग्रामीणों की दिनचर्या का हिस्सा था, लेकिन अब घर के आंगन में नल से पानी मिलने की सुविधा ने विशेषकर महिलाओं और परिवारों के जीवन को अधिक सहज बनाया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 15 अगस्त 2019 को शुरू किए गए जल जीवन मिशन का उद्देश्य ग्रामीण



भारत के प्रत्येक परिवार तक नल के माध्यम से सुरक्षित पेयजल पहुंचाना है। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में इस मिशन को तेजी से आगे बढ़ाते हुए दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों तक पेयजल की सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। डांडजमड़ी की उपलब्धि इसी अभियान के जमीनी असर की एक तस्वीर प्रस्तुत करती है।

घर में नल आया तो दूर हुई वर्षों की परेशानी

डांडजमड़ी की ग्रामवासी ललिता वाकरे के लिए घर में नल से पानी आना केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि रोजमर्रा की एक बड़ी परेशानी से मुक्ति है। उन्होंने खुशी व्यक्त करते हुए बताया कि पहले पानी लेने के लिए उन्हें घर से दूर स्थित कुएं तक जाना पड़ता था। इसमें समय और मेहनत दोनों लगते थे। अब घर में ही नल से शुद्ध पेयजल मिलने लगा है। इससे परिवार की दिनचर्या आसान हुई है और पानी की चिंता भी

कम हुई है। ललिता वाकरे का अनुभव उस बदलाव की कहानी है, जो जल जीवन मिशन देश के गांवों में ला रहा है। ग्रामीण परिवारों, विशेषकर महिलाओं को पानी जुटाने में लगने वाले समय और श्रम से राहत मिलने के साथ ही स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता उनके जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में सहायक बन रही है।

सभी 90 परिवारों के घर तक पहुंचा नल से जल
जल जीवन मिशन के तहत डांडजमड़ी पंचायत के सभी 90 घरों तक नल कनेक्शन के माध्यम से शुद्ध पेयजल की आपूर्ति प्रारंभ हो गई है। इस व्यवस्था को स्थायी और स्थानीय सहभागिता पर आधारित बनाने के उद्देश्य से योजना के संचालन एवं संधारण की जिम्मेदारी ग्राम पंचायत को हस्तांतरित कर दी गई है।

डोंगरगढ़ मेले के दौरान दर्शनार्थियों के लिए अतिरिक्त सुविधा हेतु आवश्यक व्यवस्था

विश्व केसरी■
रायपुर। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी मां बलेश्वरी मंदिर, डोंगरगढ़ में नवरात्रि पर्व (दिनांक 11अक्टूबर से 20 अक्टूबर 2026 तक) मेला में जाने वाले दर्शनार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये रेलवे प्रशासन द्वारा गाड़ियों का अस्थायी ठहराव, स्पेशल ट्रेन एवं कुछ गाड़ियों का विस्तार की सुविधा प्रदान की जा रही है । कुछ गाड़ियों को डोंगरगढ़ व रायपुर तक अस्थायी विस्तारित करने के साथ ही कुछ दूरगामी एक्सप्रेस ट्रेनों का भी डोंगरगढ़ में दिनांक 11अक्टूबर से 20 अक्टूबर 2026 तक अस्थायी ठहराव दिया जा रहा है जो इस प्रकार है :-

01. 68742/68741 गोंदिया-दुर्ग-गोंदिया मेमू पैसेजर को रायपुर तक विस्तारित की जा रही है ।

02. 68729/68730 रायपुर-डोंगरगढ़-रायपुर मेमू पैसेजर को गोंदिया तक विस्तार किया जा रहा है ।

03. 06886/06885 डोंगरगढ़-दुर्ग-



डोंगरगढ़ मेमू पैसेजर स्पेशल ट्रेन चलाई जा रही है ।

10. एक्सप्रेस ट्रेनों का भी डोंगरगढ़ में दिनांक 11अक्टूबर से 20 अक्टूबर 2026 तक अस्थायी ठहराव- 1. गाड़ी संख्या 20843 बिलासपुर भगत की कोठी डोंगरगढ़ स्टेशन पर 21.56 बजे पहुंच कर 21.58 बजे रवाना होगी। 2. गाड़ी संख्या 20844 भगत की कोठी बिलासपुर एक्सप्रेस डोंगरगढ़ स्टेशन पर 5:40 बजे पहुंच कर 5:42 बजे रवाना होगी 3. गाड़ी संख्या 20845 बिलासपुर बीकानेर एक्सप्रेस डोंगरगढ़ स्टेशन पर 21.56 बजे पहुंच कर 21.58 बजे रवाना होगी 4. गाड़ी संख्या 20846 बीकानेर बिलासपुर एक्सप्रेस डोंगरगढ़ स्टेशन पर 5:40

बजे पहुंच कर 5:42 बजे रवाना होगी 5. गाड़ी संख्या 12851 बिलासपुर चेन्नई एक्सप्रेस डोंगरगढ़ स्टेशन पर 12.16 बजे पहुंच कर 12:18 बजे रवाना होगी 6. गाड़ी संख्या 12852 चेन्नई बिलासपुर एक्सप्रेस डोंगरगढ़ स्टेशन पर 10:18 बजे पहुंच कर 10. 20 बजे रवाना होगी 7. गाड़ी संख्या 12849 बिलासपुर पुणे एक्सप्रेस डोंगरगढ़ स्टेशन पर 14:36 बजे पहुंच कर 14.38 बजे रवाना होगी 8. गाड़ी संख्या 12850 पुणे बिलासपुर एक्सप्रेस डोंगरगढ़ स्टेशन पर 11.58 बजे पहुंच कर 12:00 रवाना होगी 9. गाड़ी संख्या 12771 सिकंदराबाद रायपुर एक्सप्रेस डोंगरगढ़ स्टेशन पर 1046 बजे पहुंच कर 10:48 बजे रवाना होगी. 10. गाड़ी संख्या 12772 रायपुर सिकंदराबाद एक्सप्रेस डोंगरगढ़ स्टेशन पर 18:30 बजे पहुंच कर 18.32 बजे रवाना होगी।

बिरा में झोलाछाप डॉक्टर के इलाज से हुआ युवक का मौत

विश्व केसरी■
जांजगीर-चांपा (नीरज शर्मा)। विकासखंड बम्हनीडीह के अंतर्गत ग्राम पंचायत बिरा के आयुष नर्सिंग होम में गलत इलाज से एक युवक का मौत होने की मामला सामने आई है। फिलहाल परिजनों ने मामले को लेकर गहरे सदमे में हैं। इस संबंध में परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार 2 अक्टूबर शुक्रवार को बिरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम डण्डरा खुर्द निवासी लोकनाथ कश्यप पिता फिरतु राम उम्र 24 वर्ष को परिजनों ने इलाज के लिए आयुष नर्सिंग होम बिरा लेकर गए। वहां पर उपस्थित झोलाछाप डॉक्टर लक्ष्मण पटेल ने गलत तरीके से इलाज कर इंजेक्शन लगाकर दवा दिया। जिससे वह बेहोश होकर गिर पड़ा और उसका तबीयत लगातार



बिगड़ते गया। आखिरकार लोकनाथ कश्यप का मौत हो गया। लेकिन मजेदार बात यह है कि उक्त झोलाछाप डॉक्टर लक्ष्मण पटेल के पास कोई वैध लाइसेंस नहीं है। उसके बावजूद भी लगातार क्लीनिक खोलकर बड़ी से बड़ी गंभीर बीमारियों का इलाज कर रहा है। कुछ माह पहले झोलाछाप डॉक्टर के खिलाफ पर शिकायत हुई थी शिकायत के आधार पर

जांच किया गया। जांच में शिकायत सही पाए जाने पर उक्त झोलाछाप डॉक्टर लक्ष्मण पटेल की आयुष क्लिनिक को सील बंद की कारवाई किया गया था। उसके बावजूद भी आज बिरा क्षेत्र में झोलाछाप डॉक्टर फल फूल रहे हैं। यह बात ग्रामीणों के बीच में तरह- तरह की चर्चाएं हो रही है। बहरहाल कारण चाहे जो भी हो लेकिन गलत इलाज करने से युवक का मौत हुआ है। जिसके कारण परिजनों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

मामले की जांच चल रही है। उक्त झोलाछाप डॉक्टर लक्ष्मण पटेल फरार है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार कार्रवाई किया जाएगा।
राजीव श्रीवास्तव
थाना प्रभारी बिरा

सेलूद कन्या विद्यालय में प्रार्थना शेड निर्माण के लिए 10 लाख स्वीकृत

विश्व केसरी■
रायपुर। दुर्ग जिले के पाटन विकासखंड अंतर्गत शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सेलूद की छात्राओं के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। स्कूल में प्रार्थना शेड के निर्माण हेतु लोक शिक्षण संचालनालय छत्तीसगढ़ द्वारा 10 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। **शिक्षा मंत्री की घोषणा पर 24 घंटे के भीतर कार्रवाई**
उल्लेखनीय है कि शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव द्वारा 05 अक्टूबर 2026 को शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सेलूद में प्रार्थना शेड के निर्माण की घोषणा की गई थी। इस घोषणा पर त्वरित और संवेदनशील पहल करते हुए लोक शिक्षण संचालनालय ने मात्र अगले ही दिन यानी 06 अक्टूबर को निर्माण कार्य के लिए राशि स्वीकृत करने का आदेश जारी कर दिया।

चलती 108 एंबुलेंस में गूंजी किलकारी, जच्चा-बच्चा दोनों सुरक्षित
विश्व केसरी■
नवागढ़। गांव से अस्पताल तक का सफर उस वक्त बेहद ख़ास बन गया, जब रास्ते में ही 108 एंबुलेंस के अंदर नवजात को किलकारी गूंज उठी। ग्राम सिंडड़ की 28 वर्षीय अंजलि सूरज दास को प्रसव पीड़ा की सूचना मिलने पर नवागढ़ 108 की टीम मौके पर पहुंची और उन्हें अस्पताल लेकर रवाना हुई। लेकिन रास्ते में अचानक प्रसव पीड़ा तेज हो गई। स्थिति को देखते हुए एंबुलेंस को ही अस्थायी प्रसव कक्ष बनाना पड़ा। इएमटी मंजू कश्यप और पायलट जमुना दास ने सूझबूझ और तत्परता दिखाते हुए एंबुलेंस में ही सुरक्षित प्रसव कराया। प्रसव के बाद जच्चा और बच्चा दोनों सुरक्षित रहे। इसके बाद दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नवागढ़ में भर्ती कराया गया।

NAME CHANGE
it is informed to the general public that I, CHETANA SAHU D/O DHANESH RAM SAHU resident of - House no. - 80, Mahurbandpara Kanker, Tehsil - Kanker, Dist- Kanker (C.G) 494334 have changed my old name CHETNA SAHU D/O DHANESH RAM SAHU in future I should be recognized by my new name that is CHETNA SAHU D/O DHANESH RAM SAHU in all Government and other documents.
CHETNA SAHU
Add - House no. - 80, Mahurbandpara Kanker, Tehsil - Kanker, Dist- Kanker (C.G)

कर्मलाल नगर पालिक निगम, रायपुर (ओग 6-3)
: रॉक नगर मनी टोकी के नीचे, रायपुर-
Email ID - rmzcn03@gmail.com
पत्र क्रं /.....35968...../ त. पा. नि. जौन क्रं 3 /2026
रायपुर, दिनांक 05-10-2026
इशतहार
नामांतरण प्र.क्र. 35968
वार्ड का नाम 29-गुरु गोविन्द सिंह वार्ड
एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 29 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. नं. RPR334C00093 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती LAKHNU BHON-DEKAR पिता/पति श्री/श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती स्व. लखनू राम ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, किब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / SHAPATH PATRA MRITU PRAMAN PATRA AADHAR CARD / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयवधि खरात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे ‘
श्रीमती मीति सिंह (जोन कश्चिन्तर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छग.)

खबर के असर के बाद पण्डरीपानी स्कूल मामले में गिरी निलंबन की गाज

विश्व केसरी■
छुरा (मानसिंह निषाद)। पण्डरीपानी के शासकीय प्राथमिक स्कूल में तालाबंदी और प्रधानपाठक की अनुपस्थिति का मामला आखिरकार कार्रवाई की चौखट तक पहुंच गया। विश्व केसरी द्वारा इस मामले को प्रमुखता से उठाए जाने के बाद शिक्षा विभाग हरकत में आया और जांच के बाद प्रधानपाठक नोहेर सिंह मौर्य पर निलंबन की गाज गिरी है। जिला शिक्षा अधिकारी गरियाबंद राजेश कुमार चंद्राकर ने 5 अक्टूबर 2026 को निलंबन आदेश जारी करते हुए प्रधानपाठक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इस कार्रवाई के बाद शिक्षा विभाग में हलचल तेज हो गई है। वहीं पण्डरीपानी स्कूल मामले में खबर से लेकर जांच और फिर कार्रवाई तक की पूरी कड़ी ने यह संदेश दिया है कि स्कूलों में ड्यूटी के प्रति लापरवाही, अनधिकृत अनुपस्थिति और अनुशासनहीनता को अब नजरअंदाज नहीं किया जाएगा।

विश्व केसरी ने उआई आवाज, विभाग ने शुरू कराई जांच - पण्डरीपानी के शासकीय प्राथमिक स्कूल



में सामने आई तालाबंदी और प्रधानपाठक की अनुपस्थिति के मामले को विश्व केसरी ने प्रमुखता से प्रकाशित कर शिक्षा व्यवस्था से जुड़े गंभीर सवालों को सामने रखा था। स्कूल में बच्चों की पढ़ाई और शिक्षक की नियमित उपस्थिति को लेकर उठे सवालों के बाद मामला विभागीय स्तर तक पहुंचा।

शिकायत प्राप्त होने के बाद कार्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी छुरा के प्रस्ताव के आधार पर तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन किया गया। समिति ने मामले की जांच कर अपना प्रतिवेदन विभाग को सौंपा। इसी जांच रिपोर्ट के आधार पर अब शिक्षा

विभाग ने प्रधानपाठक के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की है।

जांच रिपोर्ट में सामने आई अनधिकृत अनुपस्थिति - जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा जारी आदेश में जांच समिति की रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए बताया गया है कि प्रधानपाठक नोहेर सिंह मौर्य 8 जुलाई 2026 को बिना पूर्व सूचना के अनधिकृत रूप से अनुपस्थित रहे। इसके अलावा शाला समयावधि में नियमित उपस्थिति नहीं देने की बात भी जांच में सामने आई।

विभाग ने जांच में पाए गए इन तथ्यों को कर्तव्य के प्रति लापरवाही, स्वेच्छाचरिता एवं अनुशासनहीनता माना

है। आदेश में कहा गया है कि संबंधित आचरण छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम-3(1) एवं नियम-23 के प्रावधानों के विपरीत है।

जांच पूरी होते ही विभाग ने लिया सीधा एक्शन - जांच प्रतिवेदन मिलने के बाद जिला शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार चंद्राकर ने मामले में कार्रवाई करते हुए प्रधानपाठक नोहेर सिंह मौर्य को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। निलंबन आदेश में स्पष्ट किया गया है कि निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय कार्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी, छुरा निर्धारित रहेगा।

निलंबन अवधि के दौरान उन्हें

नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी। आदेश की प्रतिलिपि कलेक्टर गरियाबंद, संभागीय संयुक्त संचालक शिक्षा रायपुर, जिला कोषालय अधिकारी, विकासखंड शिक्षा अधिकारी छुरा सहित संबंधित अधिकारियों को भेजी गई है।

तालाबंदी से शुरू हुआ मामला, निलंबन तक पहुंची कार्रवाई - पण्डरीपानी स्कूल में सामने आई स्थिति ने ग्रामीणों और अभिभावकों के बीच भी चिंता पैदा कर दी थी। स्कूल में बच्चों की नियमित पढ़ाई और शिक्षक की उपस्थिति शिक्षा व्यवस्था की बुनियादी जरूरत है। ऐसे में स्कूल संचालन से जुड़े मामले में विभागीय जांच और उसके बाद निलंबन की कार्रवाई को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। विश्व केसरी ने जिस मुद्दे को प्रमुखता से सामने लाकर जिम्मेदार अधिकारियों का ध्यान आकर्षित किया था, उसी मामले में अब विभागीय जांच के बाद कार्रवाई सामने आई है। खबर के बाद विभागीय स्तर पर जांच शुरू हुई और जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर प्रधानपाठक के विरुद्ध निलंबन को कार्रवाई की गई।

अब स्कूल की व्यवस्था पर रहेगी

25 वर्षों की जनसेवा ने देश को सेवा सुशासन और गरीब कल्याण की नई दिशा दी

कैबिनेट मंत्री ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व में मिली महत्वपूर्ण सौगातों की प्रकाश वार्ता में दी जानकारी

विश्व केसरी■
अंबिकापुर (रविशंकर गुप्ता)। छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष पूर्ण होने पर प्रदेशवासियों की ओर से बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। शहर के होटल पर्पल आर्किड में आयोजित भाजपा सरगुजा संभागीय प्रकाश वार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 7 अक्टूबर 2001 से गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शुरू हुई जनसेवा की यात्रा आज देश के प्रधानमंत्री के रूप में निरंतर आगे बढ़ रही है। इन 25 वर्षों में सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण और राष्ट्र निर्माण को प्राथमिकता दी गई है।

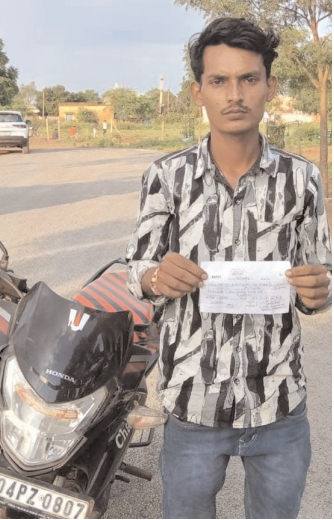
भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया, पूर्व जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह, जिला महामंत्री विनोद हर्ष एवं अरुणा सिंह तथा जिला संवाद प्रमुख रूपेश दुबे की उपस्थिति में प्रेस कॉफ्रेंस को सम्बोधित करते हुए राजेश अग्रवाल ने कहा कि केंद्र सरकार के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र से समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का प्रयास किया गया है। जनधन, उज्ज्वला, जल जीवन मिशन, स्वच्छ भारत, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना और किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं से गरीब, किसान, महिला और ग्रामीण परिवारों को लाभ मिला है। छत्तीसगढ़ में 41 लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों तक नल से जल पहुंचने तथा 25 लाख से अधिक किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ मिलने की जानकारी उन्होंने दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत प्रदेश में बड़े पैमाने पर पक्के मकानों का निर्माण हुआ है। वर्ष 2025 में 3.51 लाख आवासों के गुरु प्रवेश तथा 3 लाख हितग्राहियों के लिए 1,200 करोड़ रुपये की किश्त जारी किए जाने का उल्लेख करते हुए उन्होंने इसे गरीब परिवारों के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

राजेश अग्रवाल ने जनजातीय क्षेत्रों के विकास, पीवीटीजी परिवारों तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने, वन धन केंद्रों, स्वास्थ्य एवं शिक्षा के विस्तार तथा बस्तर में विकास गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सड़क, रेल, बिजली, औद्योगिक क्षेत्र, फार्मास्यूटिकल पार्क और चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में भी छत्तीसगढ़ में महत्वपूर्ण परियोजनाएं आगे बढ़ी हैं। वर्ष 2025 में राज्य में 14,260 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास हुआ था।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के 25 वर्ष के जनसेवा काल के उपलक्ष्य में चल रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत प्रदेशभर में विभिन्न जनभागीदारी कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। मेरे सपनों का भारत थीम पर चित्रकला, रंगोली, भाषण प्रतियोगिता तथा जल एवं पर्यावरण संरक्षण जैसी गतिविधियां भी आयोजित हो रही हैं। प्रत्रकार वार्ता में वरिष्ठ भाजपा नेता राजकुमार बंसल, विवेक दुबे, आलोक दुबे, जतीन परमार उपस्थित रहे।

बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस द्वारा शराब पीकर वाहन चलाने वाले वाहन चालकों पर सख्त

विश्व केसरी■
बलौदाबाजार (ताराचंद कठोत्रे)। पुलिस अधीक्षक गौरव राय के कुशल निर्देशन में जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं शराबी वाहन चालकों पर सख्त कार्यवाही करने हेतु पुलिस द्वारा लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस द्वारा शराब पीकर वाहन चलाने वाले लोगों की चेकिंग कर उनके वाहन विधिवत जप्त करते हुए माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया भी लगातार की जा रही है। इस दौरान चेकिंग अभियान में थाना हथबंद पुलिस द्वारा ब्रेथ एनालाइजर के माध्यम से चेकिंग कर एक वाहन चालक को शराब पीकर वाहन चालन करते हुए पकड़ा गया।



पुलिस द्वारा इस प्रकरण में वाहन चालक के विरुद्ध मोटर व्हीकल की विभिन्न धाराओं के

तहत कार्यवाही करते हुए, इसका वाहन विधिवत जप्त कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जिसमें 06 अक्टूबर को माननीय न्यायालय द्वारा शराब पीकर वाहन चलाने वाले प्रकरण में वाहन चालक को 15,000 अर्थदंड से दंडित किया गया है। पुलिस द्वारा शराब पीकर वाहन चलाने वाले, पकड़े गए इन सभी चालकों के विरुद्ध लाइसेंस निलंबन की भी कार्यवाही की जाएगी। पुलिस द्वारा शराब पीकर

विश्व केसरी■
पामगढ़ (निरज शर्मा)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष, जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव से उनके रायपुर स्थित निवास पर गुलाब सिंह चंदेल प्रदेश कार्यसमिति सदस्य भाजपा एवं गुरु दयाल पाटले प्रदेश कोषाध्यक्ष भाजपा अंजा मोर्चा द्वारा सौजन्य भेंट कर उनका कुशलक्षेम जाना गया। पिछले महीने किरण सिंह देव की कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी जिससे उनके शरीर में अंदरूनी चोटें आई थीं, बेहतर उपचार के लिए वे लंबे समय तक दिल्ली में रहे। स्वास्थ्य बेहतर होने के पश्चात वे कुछ दिनों पहले ही रायपुर लौटकर आए हैं। प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव को आशीर्वाद स्वरूप माता कौशल्या जन्मभूमि 'कोसल' धाम का चित्र



भेंट करते हुए प्रभु श्रीराम माता कौशल्या जी से उनके बेहतर स्वास्थ्य की मंगलमय कामना कि गई। साथ ही माता कौशल्या जन्मभूमि कोसला के विषय पर गुलाब सिंह चंदेल ने विस्तार पूर्वक चर्चा करते हुए बताया कि 'छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा

करने भी पहुंचे थे।' इसपर प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि 'इस महत्वपूर्ण विषय पर पूर्व में भी हमारी मुख्यमंत्री एवं मंत्रिमंडल के साथ चर्चा हुई है और निश्चित रूप से आगे इस पर बेहतर परिणाम आएगा।' उन्होंने इसके लिए सभी लोगों के प्रयास की सराहना भी की। साथ ही कोसला धाम की सौ पृष्ठों की एतिहासिक पुस्तक भी प्रदेशाध्यक्ष को भेंट की गई। इस अवसर पर गुलाब सिंह चंदेल प्रदेश कार्यसमिति सदस्य निवर्तमान जिलाध्यक्ष भाजपा जांजगीर-चांपा, कृष्णकांत चंद्रा संगठन प्रभारी कोरबा, गुरु दयाल पाटले प्रदेश कोषाध्यक्ष भाजपा अंजा मोर्चा, आयुष शर्मा जिला पंचायत सदस्य, गौरव तिवारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कमरीद के शिवधाम मुहल्ला में हादसा - नाले में डूबी मिली 65 वर्षीय बुजुर्ग महिला

तनौद/ कमरीद / जांजगीर-चांपा। पामगढ़ थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत कमरीद के शिवधाम मुहल्ला निवासी गंगा बाई गोंड, पति द्वारिका गोंड, उम्र 65 वर्ष का शव गांव के नाले में डूबा हुआ मिला है।

परिजनों के अनुसार गंगा बाई दिनांक 5 अक्टूबर को दोपहर 12:00 बजे घर से निकली थी। देर तक घर वापस न आने पर परिजनों ने आसपास खोजबीन की, लेकिन कोई पता नहीं चला। अगले दिन 6 अक्टूबर को सुबह 11:00 बजे परिजनों को नाले के ऊपर उनकी चप्पल दिखाई दी। शंका होने पर आसपास तलाश करतीं पर नाले के पानी में डूबी हुई मिली। घटना की सूचना परिजनों एवं ग्राम पंचायत कमरीद के सरपंच द्वारा थाना पामगढ़ में दी गई है। पुलिस मामले की जांच कर पंचनामा कर रही है।

26वीं राज्य स्तरीय स्पर्धा का हुआ रंगारंग समापन

विश्व केसरी■
बलौदाबाजार (ताराचंद कठोत्रे)। पंडित चक्रपाणी शुक्ल हाई स्कूल मैदान में 3 से 6 अक्टूबर तक चार दिवसीय 26 वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का मंगलवार को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ समापन हुआ। पांचो संभाग के खिलाड़ियों द्वारा बैड की धुन पर आकर्षक मार्च पास्ट किया गया। मुख्य अतिथि स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने ध्वज अवरोहण कर प्रतियोगिता समापन की विधिवत घोषणा की। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न विधा के विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत व सम्मानित किया। स्पर्धा के तीनों विधाओं में शांदास प्रदर्शन कर रायपुर जोन ओवर ऑल चैंपियनशिप का खिताब हासिल



किया। इस अवसर पर मंत्री यादव ने बलौदाबाजार में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) खोलने की घोषणा की। स्कूल शिक्षा मंत्री यादव ने पांचो संभाग से आए खिलाड़ियों को बेहतर खेल प्रदर्शन की बधाई देते हुए कहा कि खेल से शारीरिक और मानसिक विकास तो होता ही है, हारने वाले को निराश और जीतने वाले को घमंड नहीं होना चाहिए।

इसीलिए हमने 22 जुलाई से 31 अक्टूबर तक चलने वाले राज्य स्तरीय शालेय खेल स्पर्धा का आयोजन संभाग मुख्यालय के अलावा जिलों में भी करने का निर्णय लिया है। इससे बच्चों को अलग-अलग खेलों की संस्कृति को जानने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि खेल में हार और जीत होती है, हारने वाले को निराश और जीतने वाले को घमंड नहीं होना चाहिए।

हाईवा को ओवरटेक करना पड़ा भारी एक्टिवा सवार 16 वर्षीय नाबालिग की मौत

विश्व केसरी■
नवापारा-राजिम (शेखर मिश्रा)। गंडी रोड के पास सोमवार को हाईवा को ओवरटेक करने के दौरान एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। एक ही एक्टिवा पर सवार तीन नाबालिग दुर्घटना का शिकार हो गए। हादसे में 16 वर्षीय कृष्ण कुमार साहू की मौत पर ही मौत हो गई, जबकि उसके साथ सवार दो अन्य नाबालिग घायल हो गए। तीनों बकतरा सिंचाई कॉलोनी के निवासी बताए जा रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, तीनों नाबालिग एक्टिवा से मंडी रोड की ओर जा रहे थे। इसी दौरान उन्होंने



आगे चल रहे हाईवा को ओवरटेक करने का प्रयास किया। ओवरटेक करते समय एक्टिवा अनियंत्रित होकर हाईवा की चपेट में आ गई। टक्कर के बाद कृष्ण कुमार साहू हाईवा के पहिए की चपेट में आ गया, जिससे गंभीर चोट लगने के कारण उसकी मौत पर ही मौत हो गई।

हाईवा जब्त, चालक की तलाश - घटना की सूचना मिलते ही अभनपुर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने हाईवा को जब्त कर थाने में खड़ा करा दिया है। हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश पुलिस कर रही है। प्रारंभिक जांच में हाईवा को ओवरटेक करने के दौरान दुर्घटना होने की बात सामने आई है। वहीं, तीनों नाबालिगों के एक ही एक्टिवा पर बिना हेलमेट सवार होने की जानकारी भी सामने आई है। दुर्घटना की वास्तविक वजह और जिम्मेदारी किसकी थी, इसका खुलासा पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगा।

इंस्पायर अवार्ड प्रतियोगिता के लिए समृद्धि शर्मा का हुआ चयन



विश्व केसरी■
बलौदाबाजार (ताराचंद कठोत्रे)। स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट एमडीवी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय बलौदाबाजार में कक्षा 6वीं में अध्ययनरत छात्रा समृद्धि शर्मा का चयन इंस्पायर अवार्ड मानक के 12वें नेशनल लेवल एजीबिशन एंड प्रोजेक्ट कॉम्पिटिशन के लिए हुआ है। समृद्धि राष्ट्रीय स्तर पर अपने नवाचारी मॉडल 'सिलेंडर कैरियर' के माध्यम से अपनी चर्चा प्रदर्शन करेंगी। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने समृद्धि की इस

दीपावली तक ओवरब्रिज निर्माण में लोगों को कम से कम परेशानी हो : बृजमोहन

विश्व केसरी■
नवापारा-राजिम (शेखर मिश्रा)। गोबरा नवापारा में रायपुर-राजिम मार्ग पर खोलोपारा रेलवे क्रॉसिंग के पास बनने वाले ओवरब्रिज का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। निर्माण के प्रारंभिक चरण में सड़क के दोनों ओर लोहे के बड़े-बड़े ऊंचे प्लेट लगाए जा रहें हैं। इससे निर्माण कार्य को गति मिलने की उम्मीद है, लेकिन सड़क किनारे स्थित दुकानदारों और व्यापारियों की चिंता भी बढ़ गई है। व्यापारियों का कहना है कि दीपावली का त्योहारी सीजन नजदीक है और निर्माण कार्य के चलते आवागमन प्रभावित होने से उनके कारोबार पर असर पड़ सकता है।



इसी समस्या को लेकर प्रभावित दुकानदारों और क्षेत्र के लोगों ने रविवार को बड़ी संख्या में रायपुर पहुंचकर सांसद बृजमोहन अग्रवाल से मुलाकात कर अपनी समस्याओं से अवगत कराया था। उन्होंने सांसद से आग्रह किया था कि ओवरब्रिज निर्माण का कार्य जारी रहे, लेकिन दीपावली के दौरान आम लोगों और व्यापारियों

को कम से कम परेशानी हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। जिसके बाद लोगों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने सोमवार को रेलवे के जिम्मेदार अधिकारियों को अपने निवास पर बुलाकर ओवरब्रिज निर्माण कार्य की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से निर्माण की वर्तमान

स्थिति, कार्य की प्रगति तथा स्थानीय लोगों और दुकानदारों को होने वाली संभावित परेशानियों के संबंध में चर्चा की। सांसद ने रेलवे अधिकारियों को निर्देशित किया कि अंडरब्रिज का निर्माण कार्य तेज गति से कराया जाए, लेकिन इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि निर्माण के कारण आम नागरिकों और व्यापारियों को कम से कम परेशानी हो। उन्होंने विशेष रूप से दीपावली के त्योहारी सीजन को देखते हुए आवागमन सुचारु रखने तथा दुकानदारों के कारोबार पर कम से कम असर पड़े, इसके लिए आवश्यक व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

किसानों को 240 करोड़ का केसीसी लोन देगा सहकारी बैंक



विश्व केसरी■
बेमेतरा (अनिल त्रिपाठी)। खरीफ फसल की कटाई के साथ ही किसान अब आगामी रबी सीजन की तैयारी में जुट गए हैं। खाद-बीज और खेती की अन्य जरूरतों के लिए जिले के सहकारी बैंकों और समितियों में किसान केसीसी लोन लेने पहुंचने लगे हैं। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक ने इस बार रबी सीजन के लिए किसानों को 240 करोड़ रुपए का केसीसी

ऋण बांटने का लक्ष्य निर्धारित किया है। पिछले रबी सीजन में बैंक ने 235 करोड़ रुपए का लक्ष्य रखा था, जिसके मुकाबले 81 हजार 477 किसानों को 211 करोड़ रुपए का ऋण वितरित किया गया था। इस बार बैंक ने रबी फसल के लिए ऋण वितरण का लक्ष्य बढ़ाकर 240 करोड़ रुपए किया है। किसानों की समितियों के माध्यम से किसानों को केसीसी लोन उपलब्ध कराया जाएगा।

संपादकीय

उत्तराखंड में लेखकों का एक ‘गाँव’



संतोष श्रीवास्तव

‘लेखक गाँव’: यह नाम सुनते ही मन में अनेक प्रश्न उठते हैं। क्या यह केवल लेखकों के रहने की जगह है? या उनके सृजन करने की जगह या प्रकृति से जुड़ने का प्रयास। या फिर चिंतन, मनन, अध्यात्म का केंद्र? उत्तराखंड के थानो वेली पहुँचकर लगा कि इन सभी प्रश्नों का उत्तर एक साथ ‘हाँ’ भी है और उससे कहीं अधिक भी।

यहाँ प्रकृति स्वयं एक पाठ बन जाती है। और इसी स्थल पर हमने किया अंतरराष्ट्रीय विश्व मैत्री मंच के 13 वें राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन। जिसमें भारत भर से 35 साहित्यकारों ने भाग लिया। मन में जोश और उमंग भरे हम पहुँचे देहरादून से 25 किलोमीटर दूर हरे-भरे पहाड़ी रास्ते से गुजरते हुए थानो वेली। एक बहुत बड़े गेट जिस पर लेखक गाँव लिखा था उससे परिसर में प्रवेश करते ही सामने थे हरे भरे पर्वत उन पर लेटे बादल और साहित्य, संस्कृति, कला, प्रकृति और चिंतन को एक ही परिसर में समेटने वाला अनूठा स्थल।

लेखक गाँव को 25 अक्टूबर 2024 को औपचारिक रूप से लोकार्पित किया गया। यह अवसर तीन दिवसीय स्पर्श हिमालय महोत्सव-2024 से जुड़ा था। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, उत्तराखंड के राज्यपाल लैफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की उपस्थिति में इसे देश के पहले हिमालयी ‘लेखक गाँव’ की संज्ञा दी गई।

सुप्रसिद्ध साहित्यकार एवं उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल ‘निशंक’ की परिकल्पना का मूर्त रूप है लेखक गाँव। इसे स्पर्श हिमालय फाउंडेशन के तत्वावधान में विकसित किया गया है। इसका मूल विचार यह है कि लेखक को केवल पुस्तकालय या सभागार ही नहीं,



बल्कि ऐसा पूरा वातावरण मिले जिसमें वह प्रकृति के बीच रहकर पढ़ सके, सोच सके, संवाद कर सके और सृजन कर सके।

यह परिसर लगभग 25 एकड़ भूमि में विकसित किया गया है और इसके भवनों में स्थानीय पहाड़ी स्थापत्य तथा काष्ठ-कला का उपयोग किया गया है। देवदार की लकड़ी, पहाड़ी पटाल और पारंपरिक सजावटी तत्वों का प्रयोग परिसर को उत्तराखंड की सांस्कृतिक पहचान प्रकृति, कला, भारतीय ज्ञान-परंपरा और सांस्कृतिक विरासत के साथ जोड़ता है।

यहाँ लेखक कुटीर है लाल्दा पुस्तकालय शोध एवं अनुसंधान केंद्र’ है। जिसमें दस लाख पुस्तकों के विशाल पुस्तकालय का लक्ष्य है। मैंने भी यहां अपनी 17 पुस्तके भेंट की हैं जो यहां के रजिस्टर में मेरे नाम सहित दर्ज है।

यहां कला दीर्घा है जहां साहित्य और दृश्य कला एक-दूसरे से गहरे जुड़े हैं। चित्र, मूर्ति, लोककला और साहित्य—सभी मनुष्य की संवेदना को अलग-अलग ढंग से व्यक्त करते हैं।दृष्ट्योग एवं ध्यान केंद्र भी है जो एकाग्रता, संवेदना और आत्मचिंतन की दिशा को प्रशस्त करता है।दृष्ट्यहां संजीवनी वाटिका है जोटुप्रकृति और भारतीय परंपरागत वनस्पति-ज्ञान को साहित्यिक परिसर से जोड़ती है। वाटिका की जड़ी बूटियां भारतीय संस्कृति और जीवन-दर्शन का हिस्सा हैं।

यहां नक्षत्र एवं नवग्रह वाटिका भी बनाई गई है।

भारतीय परंपरा में प्रकृति, वनस्पति और ब्रह्मांड के बीच संबंध की जो कल्पना रही है, इन वाटिकाओं के माध्यम से उसे सांस्कृतिक रूप में प्रस्तुत किया गया है।

इस तरह परिसर में आधुनिक साहित्यिक गतिविधियों के साथ भारतीय ज्ञान-परंपरा को भी स्थान मिलता है।

लेखक गाँव की एक महत्वपूर्ण विशेषता है गंगा और हिमालय से संबंधित संग्रहालय। इस संग्रहालय के माध्यम से लेखक गाँव अपनी भौगोलिक स्थिति को भारतीय सांस्कृतिक चेतना से जोड़ता है। यहां परिचर्चा केंद्र भी है, प्रकृति की पाठशाला भी है।

जहाँ साहित्यकार, विचारक, कलाकार, शोधार्थी और अन्य विद्वान विभिन्न विषयों पर संवाद कर सकते हैं।



ललित कर्मा

भारतीय लोकतंत्र की खूबसूरती यह है कि यहां कोई भी सरकार स्थायी नहीं होती और कोई भी विपक्ष हमेशा के लिए विपक्ष नहीं रहता। सत्ता के लंबे कार्यकाल के बाद स्वाभाविक रूप से सरकार के प्रति उकताहट पैदा होती है। लेकिन उकताहट और सत्ता परिवर्तन के बीच एक बड़ा अंतर है। मतदाता किसी सरकार से नाराज हो सकता है, उसके कामकाज पर सवाल उठा सकता है, फिर भी केवल नाराजगी के आधार पर किसी ऐसे विकल्प को स्वीकार नहीं करता, जिसके पास देश के भविष्य की स्पष्ट रूपरेखा न हो, जो सत्ता का लालच एवं बेहतर विकल्प से वंचित हो। आज भारतीय राजनीति में विपक्ष के सामने मूल प्रश्न यही है-क्या वह केवल सरकार से असंतुष्ट है या जनता के सामने कोई विश्वसनीय विकल्प भी रख रहा है? राहुल गांधी लंबे समय से यह सवाल उठा रहे हैं कि मोदी सरकार के प्रति अपेक्षित एंटी-इंकंबेसी दिखाई क्यों नहीं देती। उनका आरोप है कि चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी और ‘वोट चोरी’ के कारण जनता की वास्तविक इच्छा सामने नहीं आ पा रही। इन आरोपों के समर्थन में उनके द्वारा प्रस्तुत दावों को लेकर राजनीतिक और कानूनी बहस जारी है, उन्हें अंतिम रूप से सिद्ध तथ्य मानना अभी उचित नहीं होगा। लेकिन इतना जरूर है कि चुनावी प्रक्रिया, मतदाता सूची और निर्वाचन आयोग

की पारदर्शिता पर उठने वाले प्रत्येक प्रश्न का निष्पक्ष और तथ्यात्मक उत्तर मिलना लोकतंत्र के हित में है।

इसी संदर्भ में एसआईआर यानी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का विवाद महत्वपूर्ण हो गया है। निर्वाचन आयोग स्वयं एसआईआर-2026 से संबंधित मतदाता सेवाएं और मतदाता सूची उपलब्ध करा रहा है तथा वह अपने को स्वतंत्र संवैधानिक प्राधिकरण बताता है। दूसरी ओर विपक्ष ने इस प्रक्रिया और मुख्य चुनाव आयुक्त प्रकाश कुमार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। इस विवाद को अब सर्वोच्च न्यायालय में भी चुनौती मिली है। इस पूरे मामले का अंतिम निष्कर्ष राजनीतिक नारों से नहीं, संवैधानिक और न्यायिक प्रक्रिया से निकलेगा। यहीं विपक्ष की राजनीति की असली परीक्षा शुरू होती है। चुनाव आयोग के विरुद्ध आंदोलन करना विपक्ष का लोकतांत्रिक अधिकार है। मतदाता सूची में यदि किसी पात्र नागरिक का नाम गलत ढंग से हटाया गया है तो उसका विरोध होना चाहिए। यदि किसी अधिकारी ने नियमों का उल्लंघन किया है तो उसकी जांच होनी चाहिए। लेकिन लोकतंत्र की रक्षा केवल आयोग के विरोध से नहीं होगी। लोकतंत्र की रक्षा तब होगी जब विपक्ष जनता को यह भी बताए कि सत्ता मित्रने पर वह शिक्षा, रोजगार, कृषि, उद्योग, स्वास्थ्य, शहरी जीवन, कानून-व्यवस्था और प्रशासन में क्या बदलेगा।

यही वह बिंदु है जहां ‘वोट चोरी’ का राजनीतिक विमर्श जनता के रोजमर्रा के सवालों से टकराता है। एक सामान्य परिवार को बच्चों की महंगी शिक्षा की चिंता है। रोजगार की बदलती प्रकृति, एआई और नई तकनीक के कारण पारंपरिक कौशल तेजी से अप्रासंगिक हो रहे हैं। डिग्री लेने के बाद भी रोजगार की गारंटी

नहीं है। प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक और नकल की घटनाएं युवाओं के विश्वास को चोट पहुंचाती हैं। ऐसे में युवा यह जानना चाहता है कि अगली सरकार परीक्षा व्यवस्था को कैसे विश्वसनीय बनाएगी, स्कूलों की गुणवत्ता कैसे सुधरेगी और बदलती तकनीकी अर्थव्यवस्था के लिए करोड़ों युवाओं को तैयार कैसे करेगी। किसान की समस्या भी केवल एमएसपी या आंदोलन तक सीमित नहीं है। फसल आने पर कीमत गिर जाती है और कुछ महीने बाद वही याज, टमाटर या दूसरी सब्जियां महंगी हो जाती हैं। इसका समाधान

कारोबारी वातावरण जरूरी है। केवल बड़े उद्योगपतियों पर राजनीतिक प्रहार या संपत्ति की गणना जैसे नारों से रोजगार पैदा नहीं होते। विपक्ष यदि संपत्ति के पुनर्वितरण या सामाजिक न्याय की बात करता है तो उसे साथ ही यह भी बताना होगा कि संपत्ति और अवसर कैसे पैदा किए जाएंगे। ‘जितनी आबादी, उतना हक’ जैसी राजनीति सामाजिक प्रतिनिधित्व के प्रश्न को सामने लाती है, लेकिन आज की चुनौती प्रतिनिधित्व के साथ-साथ क्षमता निर्माण की भी है। पिछड़े, दलित, आदिवासी और कमजोर वर्गों के बच्चों को अच्छी शिक्षा, कौशल,



केवल विरोध में नहीं, बल्कि गांव-कस्बे तक भंडारण, कोल्ड-चेन, प्रसंस्करण, कृषि बाजार और मूल्यवर्धन की मजबूत व्यवस्था में है। विपक्ष यदि कृषि सुधारों का विरोध करता है तो उसे यह भी बताना होगा कि वह वैकल्पिक कृषि ढांचा किस तरह खड़ा करेगा।

रोजगार का प्रश्न इससे भी बड़ा है। भारत की युवा आबादी को उद्योग, विनिर्माण, सेवा क्षेत्र, अनुसंधान और नई तकनीक से जोड़ना होगा। निवेश के लिए स्थिर कानून-व्यवस्था, पारदर्शी प्रशासन और भरोसेमंद

स्वास्थ्य और अवसर मिलें-यह सामाजिक न्याय का अधिक स्थायी आधार है। केवल आकड़ों गिनना पर्याप्त नहीं, उन आंकड़ों के पीछे खड़े मनुष्य का जीवन बदलना जरूरी है। इस पूरे परिदृश्य में ममता बनर्जी की भूमिका विशेष चर्चा का विषय बनी है। राष्ट्रीय विपक्षी राजनीति में उनकी भूमिका को लेकर नया विमर्श अवश्य उभरा है। हाल की इंडिया गठबंधन की बैठक में उन्होंने विपक्ष का दायरा बढ़ाने और व्यापक एकता की आवश्यकता पर जोर दिया। यह बदलाव इसलिए महत्वपूर्ण है

क्योंकि इंडिया गठबंधन का सबसे बड़ा संकट केवल भाजपा से मुकाबला नहीं, बल्कि उसके भीतर का परस्पर अविश्वास है। सीटों का बंटवारा, क्षेत्रीय वर्चस्व, नेतृत्व का प्रश्न और राज्यों में एक-दूसरे के खिलाफ लड़ने वाली पार्टियों का राष्ट्रीय स्तर पर साथ आना आसान नहीं है। आज की स्थिति में आप का चुनाव आयोग तक प्रस्तावित मार्च से अलग रहकर अपना रास्ता अपनाना भी इस अंतर्विरोध को दिखाता है।

कांग्रेस, तृणमूल, समाजवादी पार्टी, वामपंथी दल, राजद, आप और दूसरे क्षेत्रीय दल जब अलग-

व्यक्ति के इस्तीफे तक सीमित रह गया, तो इससे चुनावी संस्थाओं पर व्यापक विश्वास का प्रश्न हल नहीं होगा। उसे यह भी बताना होगा कि सत्ता में आने पर निर्वाचन आयोग की नियुक्ति, मतदाता सूची, ईबीएम-वीवीपैट, चुनावी चंदे और चुनावी पारदर्शिता को लेकर वह कौन से संस्थागत सुधार करेगा।

बड़ा प्रश्न है कि सत्ता की पात्रता को विकसित करने के लिये विपक्ष क्यों नहीं जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर सकारात्मक राजनीति को बल देती। वास्तव में विपक्ष के सामने सबसे बड़ा संकट मुद्दों की कमी नहीं, मुद्दों को समाधान में बदलने की क्षमता का है। बेरोजगारी है, शिक्षा का संकट है, कृषि की समस्या है, स्वास्थ्य का खर्च है, महंगाई की चिंता है, शहरी प्रदूषण है, एआई से बदलती नौकरियां हैं और वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की प्रतिस्पर्धा का प्रश्न है। जनता इन सबको प्रतिदिन महसूस करती है। लेकिन राजनीतिक विमर्श बार-बार मोदी बनाम कौन, राहुल बनाम मोदी, ईवीएम बनाम बैलेट और आयोग बनाम विपक्ष की बहस में सिमट जाता है। भारतीय मतदाता सरकार से मोहभंग होने पर भी यह देखता है कि उसके सामने विकल्प क्या है। वह जमीन छोड़कर अंधे कुएं में छलांग नहीं लगाता। उसे ऐसा विपक्ष चाहिए जो सरकार की कमियां गिनाने के साथ अपनी क्षमताएं भी बताए, जो केवल सत्ता की आलोचना नहीं, शासन का वैकल्पिक मॉडल प्रस्तुत करे, जो चुनाव आयोग से सवाल पूछे तो अपनी चुनावी पारदर्शिता की कसौटी भी सामने रखे, जो सामाजिक न्याय की बात करे तो शिक्षा और अवसर का रास्ता को बताए, जो उद्योगपतियों से सवाल करे तो निवेश और रोजगार की अपनी नीति भी स्पष्ट करे।

बोध कथा

एक सेवा का मूल्य



तुर्की में जकीर नाम के एक फकीर हुए हैं। वह आईन नदी के किनारे कुटी बनाकर रहते थे। एक दिन नदी में एक सेवा बहता आ रहा था। जकीन ने उसे पकड़ लिया। अभी उसे खाने की तैयारी कर ही रहे थे कि अंतःकरण से आवाज आई “फकीर! क्या यह तेरी संपत्ति है,क्या तूने इसे परिश्रम से आंदोल किया है? यदि नहीं तो इसे खाने का तुझे क्या अधिकार है?”‘सेव झोले में डालकर अब फकीर अब उसके स्वामी की खोज में नदी के चढ़ाव की ओर चल पड़े।

हिंदू ग्रंथ पढ़ें

थोड़ी दूर पर एक सेव का बाग मिला। कुछ सेव के वृक्षों की डालें पानी को छू रही थीं,फकीर ने विश्वास किया सेव यहीं से टूटा हुआ होगा। उन्होंने बाग के स्वामी से कहा-यह लीजिए आपका सेव नदी में बहा जा रहा था।” उसने कहा-भाई मैं तो बाग का रखवाला मात्र हूँ,इसकी स्वामिनी तो बुखारा की राजकुमारी है।”फकीर वहाँ से बुखारा के लिए रवाना हुआ।

कई दिन की पैदल यात्रा के बाद वहाँ पहुँचा और वह सेव लेकर राजकुमारी जी के पास उपस्थित हुआ। फकीर को एक सेव लेकर इस तरह आने का हाल सुनकर राजकुमारी हँसकर बोली—अरे बाबा! इसको वहीं खा लेते,एक सेव यहाँ लाने की क्या आवश्यकता थी?”फकीर ने कहा-राजकुमारी जी आपकी दृष्टि में एक सेव का कुछ भी मूल्य नहीं पर इस सेव ने तो मेरा साधा धर्म,संयम और सारे जीवन की साधना नष्ट कर दी होती।”

सिंधु सभ्यता से वैश्विक बाजार तक भारत के सूत की यात्रा



आचार्य ललित मुनि

हमारे घरों में कपास का उपयोग इतना सामान्य है कि हम उसके बारे में सोचते भी नहीं। दीपक की बाली में, आरती की थाली में, कमीज के कपड़े में, बिस्तर की चादर में, तौलिये में, बच्चे के पहनने के कपड़े में और कभी घाव पर रखी जाने वाली पट्टी में भी सूत हमारे साथ रहता है।

खेत में कपास का पौधा खड़ा होता है तो वह एक फसल दिखाई देता है, लेकिन उसके फूल से निकला सूत जब धागा बनकर कपड़े तक पहुँचता है, तब उसका रूप ही बदल जाता है। यही धागा कभी व्यापारी के माल के साथ समुद्र पार गया, कभी यूरोप के बाजार में भारतीय कपड़ों की पहचान बना।

कपास के महत्व को हमें हजारों वर्ष पीछे जाना पड़ेगा, उस समय तक जब न आधुनिक मिलें थीं, न मशीन से चलने वाले कपड़े और न वैश्विक बाजार की आज जैसी कोई स्थिति, तब तन ढंकने के लिए सूत का कपड़ा ही सहायक था। मेहरगढ़ की एक प्राचीन कब्र में तांबे के मनके के भीतर सुरक्षित मिले कपास के सूत से हमें इसकी प्राचीनता ज्ञात होती है। आगे चलकर सिंधु सभ्यता के नगरों में यही सूती धागे और वस्त्र का रूप ले चुके थे।

बुनकरों के हाथों से बने भारतीय सूती कपड़े समुद्री रास्तों से दूर देशों तक पहुँचे। भरूच जैसे बंदरगाहों से उनका व्यापार हुआ। यूरोप में भारतीय कपड़ों की ऐसी मांग बनी कि वहां के अपने वस्त्र उद्योग को उनसे प्रतिस्पर्धा महसूस होने लगी। लेकिन इतिहास एक जगह ठहरता नहीं। मशीनें आईं और कपड़े के उत्पादन का ढंग बदल गया। भारत, जो कभी तैयार सूती कपड़ों का बड़ा निर्यातक था, धीरे-धीरे ब्रिटिश मिलों के लिए कच्ची कपास देने वाले देश में बदलता गया। और फिर इसी कपास का एक दूसरा रूप सामने आया। गांधी के हाथ

में चरखा आया। कपास का धागा केवल कपड़ा बनाने का साधन नहीं रहा, वह स्वदेशी और आत्मनिर्भरता की आवाज बन गया। आज 7 अक्टूबर को विश्व कपास दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर कपास को केवल एक फसल की तरह देखना उसके इतिहास को बहुत छोटा कर देना होगा। इसके साथ किसान की मेहनत है, बुनकर का हुनर है, समुद्री प्राचीन व्यापार की यादे हैं, औद्योगिक परिवर्तन है और स्वतंत्रता आंदोलन का एक महकपूर्ण अध्याय भी है।

कपास के प्राचीन इतिहास की महत्वपूर्ण कड़ी तत्कालीन भारत एवं वर्तमान पाकिस्तान के बलूचिस्तान क्षेत्र में स्थित मेहरगढ़ से मिलती है। वहां छठी सहस्राब्दी ईसा पूर्व की एक कब्र में मिले तांबे के मनके के भीतर कुछ रेशे सुरक्षित मिले थे। सूक्ष्मदर्शी जांच में इन्हें Gossypium, यानी कपास के रेशों के रूप में पहचाना गया। 2002 में प्रकाशित शोध ने इसे पुरानी दुनिया में कपास के सबसे प्राचीन ज्ञात प्रमाण के रूप में दर्ज किया।

इसके बाद मोहनजोदड़ो से

कपास के वस्त्र का प्रमाण मिलता है। एक चांदी के पात्र के ढक्कन से चिपके कपड़े के टुकड़ों को चांदी के लवणों ने बचा लिया था। जांच में उसके रेशे कपास के पाए गए और इसका काल लगभग 3000 से 2750 ईसा पूर्व माना गया। सिंधु सभ्यता के लोग कपास के रेशे को धागे और वस्त्र में बदलना जानते थे।

पाणिनि की अष्टाध्यायी, कौटिल्य के अर्थशास्त्र और बौद्ध साहित्य में बुनाई, सूत और वस्त्रों से जुड़े उल्लेख मिलते हैं। पांचवीं शताब्दी ईसा पूर्व में हेरोडोटस ने भारत में ऊन जैसे पदार्थ देने वाले पेड़ों का उल्लेख किया। पहली शताब्दी ईस्वी के Periplus of the Erythraean Sea में भरूच यानी Barygaza से कपास और सूती वस्त्रों के व्यापार का उल्लेख मिलता है।

अठारहवीं शताब्दी के उत्तरार्ध में ब्रिटेन में कलाई और बुनाई की मशीनें आईं। मशीन से बने ब्रिटिश कपड़े भारतीय बाजार में आने लगे और पारंपरिक कारीगरों की आजीविका प्रभावित हुई।

व्यंग्य केसरी

देशभक्ति का थर्मामीटर



वेबाक बनारसी

हमने इतना भर कहा कि इस देश में गद्गार बढ़ रहे हैं’, तो वे मुझे घूर कर देखने लगे,फिर बोले ‘मैं समझ रहा हूँ कि आपका इशारा किसकी ओर है!’ मैंने मुस्कराते हुए कहा, ‘आपकी तरफ तो बिल्कुल नहीं है.आप तो जबरदस्त देशभक्त होंगे’ सज्जन की जुबान लड़खड़ाते लगी. बोले, ‘हां हां इसमें कोई शक?’ मैंने फौरन कहा, ‘तो फिर बोलिए वंदे मातरम्!’ वे चिढ़

गए और बोले, ‘ साम्प्रदायिकता की बात मत करो!

विडंबना यह है कि जब आप किसी से पूछते हैं कि भाई, जरा उंगली उठाकर उस गद्गार का पता तो बताओ, तो उसकी खुद की उंगलियां आपस में उलझ जाती हैं।

?उस सज्जन की जुबान का लड़खड़ाना कोई इत्तेफाक नहीं था। यह हमारे समाज के एक बहुत बड़े वर्ग का मनोवैज्ञानिक सच है। वे हर मंसू से देशप्रेम की लंबी-चौड़ी परिभाषाएं लिख सकते हैं, शेरों-शायरी कर सकते हैं और दूसरों की निष्ठा पर सवालिया निशान लगा सकते हैं। लेकिन जैसे ही उनसे यह कहा जाए कि जरा अपने ही पाले हुए उसूलों पर खरे उतरकर दिखा दीजिए—मिसाल के तौर पर, बस एक बार सप्रेम ‘वंदे मातरम्’ का नारा लगा दीजिए—तो उनके पैरों तले जमीन खिसक जाती है।

?तुर्तुर उनके मुंह से जो ब्रह्मस्त्र

निकलता है, वह है: ‘साम्प्रदायिकता की बात मत करो!’

?यहाँ आकर गजब का मानसिक व्यायाम शुरू होता है। जिस नारे को कभी स्वतंत्रता सेनानियों ने अपनी जान की बाजी लगाकर देश की अस्मिता का प्रतीक बनाया था, उसे आज के तथाकथित ‘सेक्स्युलर’ और सुविधाभोगी नायकों ने अचानक एक धर्म-विशेष के दायरे में कैद कर दिया है। सवाल यह है कि यदि कोई नारा इस देश की माटी, इसकी नदियों और इसके गौरव का गान करता है, तो वह अचानक साम्प्रदायिक कैसे हो जाता है? क्या राष्ट्रभक्ति भी अब किसी विशेष पार्टी, एजेंडे या धर्म के पेटेंट के अधीन आ गई है?

हमारे देश में देशभक्ति को लेकर दो तरह के चरम फैसले हैं। एक चरमा वह है जो दूसरों की देशभक्ति को हमेशा शक की निगाह से देखता है, और दूसरा वह है जो खुद पर जरा सी आंच आते ही अपनी निष्ठा को

बचाने के लिए संविधान, सेक्स्युलरिज्म और अधिव्यक्ति की आजादी के नाम पर छुपने की जगह तलाशने लगता है। ?जब तक आप देश की समस्याओं पर सामान्य टिप्पणी करते हैं, तब तक आप एक प्रगतिशील विचारक हैं। लेकिन जैसे ही आप राष्ट्रवाद की कसौटी पर किसी को सीधा खड़ा कर देते हैं, वैसे ही लोकतंत्र के ये स्वयंभू ठेकेदार असहज हो जाते हैं। उन्हें लगता है कि उनकी देशभक्ति का मुखौटा अब उतरने वाला है।

?सज्जन का चिढ़ जाना इस बात का सबूत है कि चोर की दाढ़ी में तिनका नहीं, बल्कि पूरा का पूरा तिनकों का गोदाम है। वे चाहते हैं कि देश में गद्गारों पर बहस हो, लेकिन उसका निशाना हमेशा कोई और होना चाहिए—वे खुद नहीं।

?क्या आपको नहीं लगता कि जो लोग मात्र एक नारे या राष्ट्र-गीत के उच्चारण मात्र से इतने असहज हो जाते हैं।

इतिहास

7 अक्टूबर का दिन देश और दुनिया के इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाओं का साक्षी रहा है, जिसमें मिशनरीज ऑफ चैरिटी की स्थापना और ऐतिहासिक युद्धों से जुड़ी जानकारीयां शामिल हैं।

प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ 1586: मुगल सेना ने कश्मीर में प्रवेश किया था। 1708: सिखों के दसवें गुरु, गुरु गोविंद सिंह जी का निधन (शहीदी दिवस) हुआ था। 1919: नीदरलैंड की आधिकारिक एयरलाइन केपलएम की स्थापना हुई थी। 1950: मदर टेरेसा ने वेटिकन की अनुमति से मिशनरीज ऑफ चैरिटी की स्थापना की थी। 1959: सोवियत अंतरिक्ष यान ‘लूना-3’ ने पहली बार चंद्रमा के अंधेरे (दूसरी) हिस्से की तस्वीर ली थी। 2001: अमेरिका ने अफगानिस्तान के खिलाफ युद्ध की शुरुआत की थी।

महालक्ष्मी सगड़ा पर्व-सिंधी समाज में दिखा भारी उत्साह

अखिल भारतीय किसान महिला कार्यकर्ता सम्मेलन में छत्तीसगढ़ की सशक्त भागीदारी

विश्व केसरी■
बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। महालक्ष्मी सगड़ा पर्व सिंधी समाज का प्रमुख धार्मिक त्योहार है उत्साह के बीच परिवार में सुख शांति स्वास्थ्य लाभ की मंगल कामना से घर-घर पर्व मनाया गया। समाज की श्रीमती सरिता डोडवानी ने जानकारी देते हुए बताया... महालक्ष्मी सगड़ा पर्व को लेकर समाज के लोगों में भारी उत्साह रहा।शनिवार को गोडपारा शनिचरी पड़ाव स्थित भाई वरियाराम गुरुद्वारे में सामूहिक रूप से महिलाओं एवं परिवार के सदस्यों ने मिलकर महालक्ष्मी सगड़ा की कथा का श्रवण किया। पर्व के 16 दिन पूर्व गणेश पूजा के दौरान सिंधी बड़े माह के सहाई अष्टमी के दिन हल्दी में भीगा 16 कच्चे धागों को 16 गांठ लगाकर 'सगड़ा' तैयार कर इसे घर के प्रत्येक सदस्य के कलाई पर बांधा, आज पर्व के दिन पूरे श्रद्धा के साथ सभी ने इसे कलाई से निकाला। तत्पश्चा घर की महिलाओं ने परिवार के प्रत्येक सदस्य के लिए घर से आटे का एक-एक दीपक जलाकर, एवं सभी झगड़ा को घर पर तैयार सतपुड़ा, सोरी, मोठी रोटी, आदि व्यंजनों में लपेटकर इसे थाली में सजाया फिर गुरुद्वारा पहुंचकर टोलियो में पूजा



अर्चना कर महालक्ष्मी जी की कथा का श्रवण किया शाम से देर रात तक अलग-अलग टोलियो में शामिल महिलाओं एवं परिवार के सदस्यों को गुरुद्वारा प्रमुख श्रीमती कोमल वाधवानी एवं भाई अमरलाल वाधवानी ने पावन कथा सुनाकर विधिवत पूजा अर्चना कराया एवं मातारानी महालक्ष्मी से सभी ने परिवार में सुख –समृद्धि

शांति बेहतर स्वास्थ्य एवं परिवार में सभी के दीर्घायु की मंगल कामना की। इस दौरान प्रमुख रूप से – सरिता डोडवानी, रानी वाधवानी, वर्षा वाधवानी, कंचन मलघानी,रुक्मणी मलघानी, कविता डोडवानी,आशा नागदेव, निकिता डोडवानी, नैना मलघानी, कविता मलघानी, एकता डोडवानी, भारती सचदेव,अनिता भोजवानी, गीता

भोजवानी, सरस्वती हरियानी,सीमा नागदेव, पलक डोडवानी, उषा चंदनानी, दीपा रामानी, लाजवंती खुशालानी, कोशलया जगवानी, रोशनी साधवानी, प्रिया जगवानी, आरती आहूजा, रेशमा नत्थानी, प्रेरणा नत्थानी,मान्या भोजवानी अंजलि नागदेव, पुजा डोडवानी, माही डोडवानी सपना टेकचंदानी, भूमिका बत्रा, आशा मलघानी,

कविता खुशालानी,प्रिया हरियानी ,आशा चावला, पारी नागदेव, मीरा हरजानी, वंशिका भोजवानी कशिश नागदेव, आशा चिमनानी, देवी मलघानी,राधापंजवानी, लक्ष्मी पृथ्वानी,पलक श्यामनानी, रुही मलघानी, चंचल मलघानी, खुशबू साधवानी करिश्मा आहूजा, कीर्ति मलघानी, दिव्या चावला बबीता मलघानी, मधु हिंदूजा, ज्योति हरियानी, सुमन वाधवानी, मंजू मोहनानी मुस्कान आहूजा, वंदना पंजवानी,रेखा मलघानी, सुशमा मलघानी,डिम्पी साधवानी, कोमल नारवानी, दीशा डोडवानी, मीना सचदेव, पूनम सचदेव, एकता सचदेव, सोना रोहरा,बीना रोहरा, आशा रोहरा, पूजा नरसिंधानी, रुक्मणी पंजवानी, रिकल भोजवानी, पिंकी आहूजा, नेहा हिन्दूजा,रुपचंद डोडवानी, राधेश्याम मलघानी, अमरलाल मलघानी, प्रताप वाधवानी, प्रतापराय मलघानी, मुरली मलघानी, हरीश डोडवानी, ज्ञानमनदास मलघानी, विजय हरियानी, गोपी मलघानी, तरुण मलघानी, अमित मलघानी, रोशन डोडवानी, आयुष डोडवानी, ज्ञानचंद वाधवानी, गुलाब पृथ्वानी, प्रेम मलघानी, जैकी मलघानी, प्रतीक मलघानी, अमित मलघानी, भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता आज से

उप मुख्यमंत्री अरुण साव करेंगे प्रतियोगिता का शुभारंभ

विश्व केसरी■
बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। उप मुख्यमंत्री अरुण साव 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ करेंगे। उद्घाटन समारोह सुबह 10.30 बजे स्व. बी.आर. यादव राज्य प्रशिक्षण केंद्र, बहतराई में आयोजित होगा। जिले में 7 से 10 अक्टूबर तक आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों के स्कूली खिलाड़ी तीरंदाजी, हॉकी और कबड्डी में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। कार्यक्रम में बिलासपुर विधायक अमर अग्रवाल, बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक, तखतपुर विधायक धर्मजीत सिंह,

बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला, मसुरी विधायक दिलीप लहरिया, कोटा विधायक अटल श्रीवास्तव, छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम के अध्यक्ष राजा पाण्डेय, क्रेडा के अध्यक्ष भूपेंद्र सवनी, बिलासपुर महापौर पूजा विधानी एवं जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी दीपक सिंह ठाकुर एवं मोहित जायसवाल जिलाध्यक्ष शहर एवं ग्रामीण विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल रहेंगे। इस प्रतियोगिता के अंतर्गत तीरंदाजी में 14, 17 एवं 19 वर्ष आयु वर्ग के बालक-बालिका, हॉकी में 19 वर्ष आयु वर्ग के बालक-बालिका तथा कबड्डी में 19 वर्ष आयु वर्ग के बालक भाग ले सकेंगे।

मतभेदों में संवाद की राह: अलग-अलग विचारों को सुनना और समझना सामाजिक सौहार्द व बौद्धिक विकास की आधारशिला है

विश्व केसरी■
बलरामपुर (आफताब आलम)। मानवीय जीवन में मतभेद कोई असामान्य घटना नहीं, बल्कि मनुष्य के स्वभाव और समाज की विविधता का स्वाभाविक हिस्सा हैं। हर व्यक्ति की सोच, अनुभव, परिस्थितियां और दुनिया को देखने का नजरिया अलग होता है। यही विविधता समाज को गतिशील बनाती है। प्रसिद्ध विचारक मौलाना वहीदुद्दीन खान के विचारों की रोशनी में देखा जाए तो मतभेद केवल संघर्ष या विवाद का कारण नहीं, बल्कि ज्ञान, बौद्धिक विकास और सामाजिक संतुलन का महत्वपूर्ण माध्यम भी बन सकते हैं। अक्सर असहमति को विवाद और मतभेद को दुश्मनी से जोड़कर देखा जाता है। यही सोच कई बार सामान्य



वैचारिक अंतर को अनावश्यक टकराव में बदल देती है। जबकि स्वस्थ मतभेद व्यक्ति को अपनी धारणाओं पर दोबारा विचार करने और दूसरे के दृष्टिकोण को समझने का

अवसर देते हैं। जब दो अलग-अलग विचार सामने आते हैं, तो उनमें से प्रत्येक व्यक्ति को अपने ज्ञान की सीमाओं का एहसास होता है और नई संभावनाओं के द्वार खुलते हैं।

एक जैसी सोच होती तो विकास की गति रुक जाती
कल्पना कीजिए कि दुनिया के सभी लोग एक ही तरह से सोचते, एक ही निष्कर्ष पर पहुंचते और हर विषय पर एक ही राय रखते। ऐसी स्थिति में शायद नई खोजों, प्रयोगों और नवाचारों के लिए बहुत कम स्थान बचता। मानव सभ्यता का विकास ही इस बात का प्रमाण है कि अलग-अलग विचारों और दृष्टिकोणों ने नए रास्ते बनाए हैं। असहमति हमें यह सोचने के लिए मजबूर करती है कि जिस बात को हम सही मान रहे हैं, उसके दूसरे पहलू भी हो सकते हैं। यही प्रक्रिया हमारी सभ्यता को व्यापक बनाती है। इसलिए हर मतभेद को समस्या मान लेना उचित नहीं है। तर्कपूर्ण और मर्यादित असहमति ज्ञान की सीढ़ी बन सकती है।

कम बारिश और कीट प्रकोप से फसलें तबाह किसानों ने एसडीएम कार्यालय पहुंच सौंपा ज्ञापन



विश्व केसरी■
भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)। आसुलखार एवं केवटी लैम्पस क्षेत्र के किसानों ने सोमवार को खरीफ फसल में हुए भारी नुकसान को लेकर एसडीएम कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। किसानों ने एसडीएम

के नाम यह ज्ञापन नायब तहसीलदार प्रवीण नेताम को प्रस्तुत किया। क्षेत्र के किसानों का कहना है कि इस वर्ष कम बारिश के कारण खड़ी फसल बुरी तरह प्रभावित हुई है। इसके साथ ही फसलों में कीटों

के भारी प्रकोप से कई किसानों की पूरी फसल बर्बाद हो चुकी है। उपज नष्ट होने से किसानों के सामने गहरा आर्थिक संकट पैदा हो गया है, जिससे लैम्पस से लिया गया कृषि ऋण चुकाना बेहद मुश्किल साबित हो रहा है।

खाद्य एवं औषधि विभाग द्वारा विभिन्न खाद्य पदार्थों के लिए गए नमूने

विश्व केसरी■
सक्ती (ईश्वर लोधी)। कलेक्टर जयश्री जैन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, नियंत्रक एवं अभिहित अधिकारी के निर्देशन में खाद्य एवं औषधि विभाग के संयुक्त जांच दल द्वारा 07 सितम्बर 2026 को कंवर होटल, ग्राम- नगरदा से समोसा एवं जलेबी का नमूना लिया गया और अंश चाट सेंटर, ग्राम-नगरदा से चाट मटर का नमूना लिया गया। 16 सितम्बर 2026 को सिंदार होटल, ग्राम- नगरदा से शुद्ध कुकिंग ऑयल का नमूना लिया गया और ग्राम नगरदा के बेकरी से पनीर का नमूना लिया गया। 16 सितम्बर 2026 को लक्ष्मी डिपार्टमेंटल स्टोर, बाराद्वार से निवम हल्दी पाउडर और टाटा नमक का नमूना लिया गया। 18 सितम्बर 2026 को कन्हैया गर्ग



दुकान, सक्ती से चीनी और सफेद मटर का नमूना लिया गया। दिनांक 22 सितम्बर 2026 को जी-मार्ट, सक्ती से निरमा शुद्ध नमक, उड़द दाल गोटा एवं 5 प्रकार के विभिन्न मसालों का नमूना लिया गया। 29 सितम्बर 2026 को आंगनबाड़ी, कचहरी, वार्ड नं. 14, सक्ती से 5 प्रकार के रेडी टू ईट का नमूना लिया

गया। बच्चों को दिये जाने वाले भोजन को मौके पर खाकर उसकी गुणवत्ता भी देखी गई। 29 सितम्बर 2026 को ही आर.बी. किराना, सक्ती से हरा मूंग दाल एवं ब्रुक बांड ताजा चाय का नमूना लिया गया। 30 सितम्बर 2026 को श्याम होलसेल मार्ट से चीनी एवं मसूर दाल का नमूना लिया गया।

फॉरचुन मैदा और जैन चुस्की चाय के संबंधित बैच की बिक्री एवं वितरण पर तत्काल प्रभाव से लगाया गया रोक



विश्व केसरी■
Chlorpyrifod की मात्रा सक्ती (ईश्वर लोधी)। राज्य में आम नागरिकों को सुरक्षित, गुणवत्तापूर्ण एवं मानक खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने हेतु आम लोगों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा खाद्य सुरक्षा अधिकांकी द्वारा जैन चुस्की चाय, बैच नं. CH653, पैकिंग साइज 175 ग्राम, निर्माण तिथि- फॉरचुन मैदा बैच नं. FAMD50059A, निर्माण तिथि- 28 फरवरी 2026 तथा अवसान तिथि-27 अगस्त 2026 का विधिवत नमूना लिया गया था। जांच प्रतिवेदन में pesticide residues- Acetamidiprid की मात्रा निर्धारित अनुमत से 18 गुना अधिक पाई गई।

निर्धारित अनुमत से 40 प्रतिशत अधिक पाई गई, जिसके आधार पर खाद्य विश्लेषक द्वारा इसे 'असुरक्षित' घोषित किया गया है। इसी प्रकार जिला सरगुजा के खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा जैन चुस्की चाय, बैच नं. CH653, पैकिंग साइज 175 ग्राम, निर्माण तिथि- नवंबर 2025 तथा अवसान तिथि- अक्टूबर 2026 का विधिवत नमूना लिया गया था। जांच प्रतिवेदन में pesticide residues- Acetamidiprid की मात्रा निर्धारित अनुमत से 18 गुना अधिक पाई गई।

शिवरीनारायण में गौ सम्मान अभियान का हुआ शुभारंभ

बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं और नौजवान हुए शामिल; गौमाता के सम्मान और सुरक्षा के लिए जनभागीदारी बढ़ाने का संकल्प

विश्व केसरी■
शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। गौमाता के सम्मान, सेवा एवं सुरक्षा के उद्देश्य से शिवरीनारायण में 5 अक्टूबर को आयोजित गौ सम्मान अभियान का कार्यक्रम उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कैफेटेरिया मेला ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम में राजस्थान स्थित पथमेड़ा गौशाला से पहुंचे भरत महाराज की मौजूदगी में गौसेवा और गौ सुरक्षा को लेकर लोगों से संवाद किया गया। कार्यक्रम में बच्चों से लेकर बुजुर्ग, महिलाएं और नौजवान बड़ी संख्या में शामिल हुए। सभी ने गौमाता के सम्मान और सेवा के प्रति अपनी सहभागिता व्यक्त की। कार्यक्रम के दौरान लोगों को अपने व्यस्त समय में से कुछ समय निकालकर गौसेवा तथा गौ सुरक्षा के कार्यों में सहभागी बनने के



लिए प्रेरित किया गया। गांव-गांव से लोगों को जोड़ने पर जोर - अभियान के तहत गांव-गांव से लोगों को जोड़ने तथा ग्राम पंचायत स्तर पर सहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया गया। आयोजकों ने लोगों से अपने मित्रों, परिचितों और आसपास के नागरिकों को भी अभियान

से जोड़ने का आग्रह किया। इस दौरान 'गिलहरी योगदान' की भावना को सामने रखते हुए कहा गया कि गौमाता की सेवा और सुरक्षा के लिए प्रत्येक व्यक्ति अपनी क्षमता के अनुसार योगदान दे सकता है। सत्ता या सरकार के विरोध का अभियान नहीं- कार्यक्रम में यह स्पष्ट संदेश

भी दिया गया कि गौ सम्मान अभियान का उद्देश्य किसी सत्ता, सरकार या राजनीतिक दल के विरोध में खड़ा होना नहीं है। यह अभियान गौमाता के सम्मान, सेवा और सुरक्षा के लिए सामाजिक जागरूकता पैदा करने का प्रयास है। साथ ही देश में हो रहे गौवध के खिलाफ समाज में जागरूकता और गौमाता की रक्षा के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना इसका प्रमुख उद्देश्य बताया गया। आयोजकों ने कहा कि गौमाता के प्रति सम्मान और उनकी सुरक्षा का विषय समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। अभियान किसी राजनीतिक विवाद को जन्म देने के बजाय लोगों को शांतिपूर्ण एवं सामाजिक सहभागिता के माध्यम से गौसेवा से जोड़ने का प्रयास है।

गौमाता की रक्षा के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना इसका प्रमुख उद्देश्य बताया गया। आयोजकों ने कहा कि गौमाता के प्रति सम्मान और उनकी सुरक्षा का विषय समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। अभियान किसी राजनीतिक विवाद को जन्म देने के बजाय लोगों को शांतिपूर्ण एवं सामाजिक सहभागिता के माध्यम से गौसेवा से जोड़ने का प्रयास है।

कोड़ेकुर्से में सेवा सेतु शिविर, ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर समाधान

विश्व केसरी■
भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)। सेवा सेतु शिविर की विशेष पहल के तहत कलेक्टर कुन्दन कुमार ने ग्रामीणों से प्राप्त आवेदनों की स्थिति और उनके निराकरण की जानकारी संबंधित अधिकारियों से मौके पर ही ग्रामीणों के समक्ष दिखाई। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसमस्याओं के निराकरण में पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करें तथा जिन मामलों का निराकरण मौके पर संभव है, उन्हें तत्काल निराकृत किया जाए। इस दौरान कई आवेदनों पर मौके पर ही आवश्यक कार्रवाई की गई। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने



शिविर को संबोधित करते हुए अधिकारी-कर्मचारियों को सेवा भाव के साथ कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने ग्रामीणों से अपने बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने तथा बच्चों को नियमित

रूप से स्कूल भेजने की अपील की। साथ ही जल संचयन और पानी की बचत को लेकर ग्रामीणों को जनभागीदारी से आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

शेयर बाजार में लौटी रौनक, सेंसेक्स 685 अंक उछला

विश्व केसरी■
मुंबई। पिछले सप्ताह चारों सत्रों में भारी गिरावट के बाद भारतीय शेयर बाजार में पिछले दो सत्रों से लगातार जोरदार खरीदारी देखने को मिल रही है। इस बीच आरबीआई एमपीसी की बैठक के नतीजों से पहले मंगलवार को लगातार दूसरे दिन घरेलू बाजार के प्रमुख बेंचमार्कों, बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी 50, में अच्छी बढ़त दर्ज की गई और इनमें करीब 1 प्रतिशत की तेजी आई।

बाजार बंद होने के समय, सेंसेक्स 685.34 अंक यानी 0.95 प्रतिशत बढ़कर 73,067.81 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी50 220.35 अंक यानी 0.98 प्रतिशत बढ़कर 22,776.10 पर पहुंच गया।

निफ्टी50 इंडेक्स में टैट, बीएसई, कोटक महिंद्रा बैंक, नेस्ले इंडिया और एचयूएल के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी दर्ज की गई, जबकि इसके विपरीत कोल इंडिया, टेक महिंद्रा, मैक्स हेल्थ, टीएमपीवी, अल्ट्रा टेक सीमेंट, अपोलो हॉस्पिटल और आईटीसी के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली। व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप और



निफ्टी स्मॉलकैप में क्रमशः 1.08 प्रतिशत और निफ्टी हेल्थकेयर में सबसे ज्यादा, यानी 1.56 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। यानी 1 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी देखी वहीं सेक्टरवार देखें तो, निफ्टी केमिकल, आईटी, जबकि निफ्टी आईटी, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी फार्मा, निफ्टी ऑयल एंड गैस, और निफ्टी पीएसयू बैंक में सबसे ज्यादा निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी प्राइवेट बैंक गिरावट आई। बता दें कि बीएसई सेंसेक्स

इस सप्ताह 1,000 से अधिक अंक चढ़ा है, जबकि निफ्टी 50 सूचकांक ने पिछले दो सत्रों में 300 से अधिक अंक जोड़े हैं। सोमवार से आरबीआई एमपीसी की तीन दिवसीय बैठक शुरू हो गई है और इसका अंतिम परिणाम कल यानी 7 अक्टूबर को आने वाला है, जिस पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

आरबीआई एमपीसी की बैठक के नतीजों से पहले भारतीय शेयर बाजार में लगातार हो रही तेजी का संबंध कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से हो सकता है। हाल ही में आई तेजी के बाद ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गई है। यह तेजी कुछ मध्य पूर्वी देशों द्वारा कच्चे तेल की नई आपूर्ति शुरू करने के बाद संभव हुई थी।

एक मार्केट एक्सपर्ट ने बताया कि ग्लोबल संकेतों से सपोर्ट मिलने के कारण मार्केट में लगातार दूसरे सेशन में बहुत देखी गई। एक्सपर्ट के मुताबिक, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में सुधार देखने को मिली। मंगलवार को अमेरिकी 10-वर्षीय बॉन्ड यील्ड में 0.50 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई।

कैबिनेट ने एकीकृत परिवहन एवं लॉजिस्टिक्स प्राधिकरण को मंजूरी दी, मल्टीमॉडल इंफ्रास्ट्रक्चर प्लानिंग को मिलेगा बढ़ावा

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंगलवार को एकीकृत परिवहन एवं लॉजिस्टिक्स प्राधिकरण (आईटीएलए) की स्थापना को मंजूरी दे दी। यह एक विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) होगा, जो परिवहन और लॉजिस्टिक्स क्षेत्रों में एकीकृत योजना, अनुसंधान, परियोजना मूल्यांकन और निगरानी का काम करेगा।

इस फैसले का उद्देश्य विभिन्न परिवहन मंत्रालयों और एजेंसियों के बीच बिखरी हुई योजना और क्रियान्वयन के कारण लंबे समय से चली आ रही चुनौतियों का समाधान करना है।

सरकार की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने परिवहन और लॉजिस्टिक्स के व्यापक क्षेत्रों में अनुसंधान, योजना, मूल्यांकन, निगरानी और प्रभाव आकलन को मजबूत करने के लिए आईटीएलए नामक विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) की स्थापना को मंजूरी दी।' सरकार का मानना ​​है कि बेहतर समन्वय और मल्टीमॉडल एकीकरण से देशभर में बुनियादी ढांचे के विकास की दक्षता, स्थिरता और प्रभावशीलता बढ़ेगी। आईटीएलए परिवहन और लॉजिस्टिक्स प्लानिंग



के लिए राष्ट्रीय स्तर की शीर्ष संस्था के रूप में काम करेगी। यह नीतिगत सहयोग प्रदान करने के साथ-साथ अनुसंधान करेगी, परियोजनाओं का मूल्यांकन करेगी, क्रियान्वयन की निगरानी करेगी और क्षेत्र में निर्णय लेने में सहायता के लिए डेटा एनालिटिक्स का इस्तेमाल करेगी। प्राधिकरण की एक प्रमुख जिम्मेदारी व्यापक राष्ट्रीय परिवहन मास्टर प्लान तैयार करना होगा, जिसकी योजना अवधि 10 वर्ष या उससे अधिक होगी।

इस योजना में परिवहन के प्रमुख साधनों को शामिल किया जाएगा, जिनमें सड़क, रेलवे, बंदरगाह और शिपिंग, नागरिक उड्डयन, अंतर्देशीय जलमार्ग, तटीय शिपिंग, शहरी परिवहन और लॉजिस्टिक्स

शामिल हैं। प्राधिकरण विभिन्न परिवहन मंत्रालयों द्वारा तैयार की गई अल्पकालिक क्षेत्रीय योजनाओं और वार्षिक योजनाओं की भी समीक्षा करेगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे दीर्घकालिक राष्ट्रीय रणनीति के अनुरूप हों। इससे देशभर में एकीकृत और मल्टीमॉडल परिवहन बुनियादी ढांचे के विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। अपने दायित्व के तहत आईटीएलए केंद्र सरकार की 500 करोड़ रुपये या उससे अधिक की अनुमानित लागत वाली परिवहन और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का तकनीकी मूल्यांकन करेगी। ऐसी परियोजनाओं का वित्तीय मूल्यांकन मौजूदा मूल्यांकन तंत्र के माध्यम से ही किया जाता रहेगा।

तमिलनाडु में 79 प्रतिशत खनिज परिवहन ट्रकों में नहीं लगा जीपीएस, सरकार ने बढ़ाई समयसीमा



विश्व केसरी■
चेन्नई। तमिलनाडु में निर्माण खनिजों के परिवहन के लिए पंजीकृत पांच में से लगभग चार ट्रकों में जीपीएस ट्रेकिंग उपकरण नहीं लगे हैं, जिसके चलते खनिज आवागमन की निगरानी को मजबूत करना है। ऐसे रिकॉर्ड अधिकारियों को अनधिकृत खदानों से आने वाली आपूर्ति की पहचान करने और अवैध खनन और परिवहन उल्लंघनों की जांच करने में मदद कर सकते हैं।

इस प्रणाली के धीमी गति से लागू होने पर ट्रक मालिकों ने सरकार को इस प्रणाली को लागू करने की प्रतिबद्धता पर सवाल उठाए हैं। तमिलनाडु राज्य ट्रक मालिक संघ के महासचिव जी. गणेश ने कहा कि ट्रैकिंग उपकरणों की लागत में भारी गिरावट आई है, जो 15,000 रुपये से घटकर 3,700 रुपये हो गई है।

उन्होंने कहा कि कई विक्रेता एआईएस-140 मानक को पूरा करने वाले एक लाख से अधिक उपकरण उपलब्ध करा सकते हैं गणेश ने कहा कि ट्रैकिंग उपकरणों की लागत में भारी गिरावट आई है, जो 15,000 रुपये से घटकर 3,700 रुपये हो गई है।

उन्होंने कहा कि इस आवश्यकता को लागू करने में सरकार की अनिच्छा ने अवैध

खनन पर अंकुश लगाने के उसके संकल्प पर सवाल खड़े कर दिए हैं। विभाग के अधिकारियों ने कहा कि लगभग 37 अधिकृत आपूर्तिकर्ताओं के पास अल्पावधि के भीतर शेष सभी वाहनों को सुसज्जित करने के लिए पर्याप्त स्टॉक नहीं है। एक अधिकारी ने बताया कि यह नवीनतम विस्तार कई संगठनों के अनुरोधों के बाद किया गया है।

अधिकारियों ने यह भी कहा कि फर्जी क्यूआर कोड वाले फर्जी खनिज पारगमन पास बनाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। खनन संबंधी उल्लंघनों की शिकायतों के लिए जल्द ही एक समर्पित नंबर शुरू किया जाएगा और इसे चेन्नई स्थित विभाग के नियंत्रण कक्ष से जोड़ा जाएगा।

निर्माण की मांग और अधिकृत खदान उत्पादन के बीच पर्याप्त अंतर के बीच प्रवर्तन संबंधी चुनौतियां सामने आती हैं। तमिलनाडु में निर्माण सामग्री की मांग 5.25 लाख यूनिट है, जबकि खदानों से अनुमत उत्पादन केवल 1.2 लाख यूनिट है, जो गहन नियामकीय जांच की आवश्यकता को उजागर करता है।

खनन पर अंकुश लगाने के उसके संकल्प पर सवाल खड़े कर दिए हैं। विभाग के अधिकारियों ने कहा कि लगभग 37 अधिकृत आपूर्तिकर्ताओं के पास अल्पावधि के भीतर शेष सभी वाहनों को सुसज्जित करने के लिए पर्याप्त स्टॉक नहीं है। एक अधिकारी ने बताया कि यह नवीनतम विस्तार कई संगठनों के अनुरोधों के बाद किया गया है।

अधिकारियों ने यह भी कहा कि फर्जी क्यूआर कोड वाले फर्जी खनिज पारगमन पास बनाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। खनन संबंधी उल्लंघनों की शिकायतों के लिए जल्द ही एक समर्पित नंबर शुरू किया जाएगा और इसे चेन्नई स्थित विभाग के नियंत्रण कक्ष से जोड़ा जाएगा।

निर्माण की मांग और अधिकृत खदान उत्पादन के बीच पर्याप्त अंतर के बीच प्रवर्तन संबंधी चुनौतियां सामने आती हैं। तमिलनाडु में निर्माण सामग्री की मांग 5.25 लाख यूनिट है, जबकि खदानों से अनुमत उत्पादन केवल 1.2 लाख यूनिट है, जो गहन नियामकीय जांच की आवश्यकता को उजागर करता है।

भारत का स्टील उत्पादन चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में 3.7 प्रतिशत बढ़कर 81.8 मिलियन टन तक पहुंचा: सरकार

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। इस्पात मंत्रालय द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में भारत के स्टील क्षेत्र ने मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया है। इस दौरान फिनिशड स्टील का उत्पादन 3.7 प्रतिशत बढ़कर 81.8 मिलियन टन हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 78.8 मिलियन टन था। इस वृद्धि को मजबूत घरेलू मांग और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में तेजी का परिणाम माना जा रहा है।

मंत्रालय के अनुसार, इस अवधि में फिनिशड स्टील की खपत 7.9 प्रतिशत बढ़कर 84.9 मिलियन टन पहुंच गई, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 79 मिलियन टन थी। सड़क, रेलवे और बंदरगाह जैसे बड़े सरकारी अवसरचना प्रोजेक्ट्स से स्टील की मांग को महत्वपूर्ण समर्थन मिला।

स्टील मंत्रालय के आंकड़ों के



अनुसार, भारत का स्टील निर्यात भी उल्लेखनीय रूप से बढ़ा। अप्रैल से सितंबर 2026 के दौरान स्टील निर्यात 26.2 प्रतिशत बढ़कर 35.5 लाख टन हो गया, जबकि एक वर्ष पहले इसी अवधि में यह 28.1 लाख टन था। मूल्य के आधार पर देखें, तो स्टील निर्यात से होने वाली आय 28.9 प्रतिशत बढ़कर 28,263.7 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वर्ष के 22.8 करोड़ रुपये से 21,931.5 करोड़ रुपये थी। यह वैश्विक बाजारों में भारतीय स्टील की बढ़ती प्रतिस्पर्धात्मकता को दर्शाता है। इस दौरान, देश का क्रूड स्टील उत्पादन

भी बढ़ा है। पहली छमाही में इसका उत्पादन 85.1 मिलियन टन रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 82.7 मिलियन टन की तुलना में 2.9 प्रतिशत अधिक है।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, भारत की कुल क्रूड स्टील उत्पादन क्षमता 222.9 मिलियन टन प्रति वर्ष तक पहुंच चुकी है, जिससे देश को राष्ट्रीय स्टील नीति 2030 के तहत निर्धारित 300 मिलियन टन वार्षिक क्षमता हासिल करने की दिशा में मजबूती मिल रही है। इसी बीच, सरकारी खनन कंपनी एनएमडीसी ने भी उत्पादन में मजबूत वृद्धि दर्ज की

है। सितंबर 2026 में कंपनी का लौह अयस्क उत्पादन 8 प्रतिशत बढ़कर 4.04 मिलियन टन रहा। वहीं चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में उत्पादन 27.3 मिलियन टन तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 23 प्रतिशत अधिक है।

एनएमडीसी ने छत्तीसगढ़ के नागरनार में अपनी 20 लाख टन वार्षिक क्षमता (2 एमटीपीए) वाले पेलेट प्लांट का भी संचालन शुरू कर दिया है। यह 5,427 करोड़ रुपये की एकीकृत परियोजना का हिस्सा है, जिसमें बचेली स्थित लौह अयस्क प्रसंस्करण संयंत्र, 135 किलोमीटर लंबी स्लरी पाइपलाइन और नागरनार पेलेट प्लांट शामिल हैं। इस परियोजना से बैलाडीला क्षेत्र के लौह अयस्क फाउंड्री और स्लाइस में मूल्य संवर्धन होगा, सड़क परिवहन पर निर्भरता कम होगी और एनएमडीसी की उपस्थिति पूरे लौह अयस्क मूल्य श्रृंखला में और मजबूत होगी।

कैबिनेट ने 10,000 करोड़ रुपये के एसएमई ग्रोथ फंड को दी मंजूरी, छोटे उद्योगों के लिए बढ़ेगी फंडिंग

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट ने मंगलवार को 10,000 करोड़ रुपये के एसएमई ग्रोथ फंड (एसजीएफ) को स्थापित करने को मंजूरी दे दी है। इसका उद्देश्य भारत के छोटे और मध्यम उद्यमों (एसएमई) के लिए विकास केंद्रित पूंजी को बढ़ावा देना और मैनुफैक्चरिंग, सर्विस, टेक्नोलॉजी, इन्ोवेशन-आधारित सेक्टर और रणनीतिक वैल्यू चेन में बेहतरीन भारतीय उद्यमों के विस्तार को सक्षम बनाना है।

यह केंद्रीय बजट 2026-27 में की गई उन व्यापक घोषणाओं का हिस्सा था, जिनका मकसद पूरे एसएमई इकोसिस्टम के लिए इक्विटी, लिक्विडिटी और प्रोफेशनल सपोर्ट



उपलब्ध कराना था। कैबिनेट की ओर से उनमें से ज्यादा शुरुआती दौर के और मुख्य रूप से बहुत छोटे उद्यमों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। छोटे और मध्यम उद्यमों (एसएमई)

के लिए इक्विटी ग्रोथ कैपिटल के मामले में एक संरचनात्मक कमी थी।

बयान में आगे कहा गया कि यह अहम पहल 'विकसित भारत 2047' के विजन को साकार करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इसके तहत भारत के एंटरप्रेन्योरशिप इकोसिस्टम को मजबूत किया जाएगा, ग्रोथ-स्टेज वाली कंपनियों के लिए घरेलू कैपिटल मार्केट को और बेहतर बनाया जाएगा और ऐसी भारतीय कंपनियों की एक नई पीढ़ी तैयार की जाएगी जो ग्लोबल लेवल पर मुकाबला करने में सक्षम हों।

एसएमई भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और रोजगार पैदा करने, एक्सपोर्ट, मैनुफैक्चरिंग आउटपुट और इन्ोवेशन में अहम भूमिका निभाते हैं।

टाटा संस लिस्टिंग विवाद: टाटा ट्रस्ट्स ने वेणु श्रीनिवासन और विजय सिंह पर बोर्ड के प्रस्तावों को कमजोर करने का लगाया आरोप

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस को सभाविता लिस्टिंग को लेकर टाटा ट्रस्ट्स के भीतर मतभेद और गहरे होते दिखाई दे रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट (एसडीटीटी) के वरिष्ठ ट्रस्टियों ने साथी ट्रस्टियों वेणु श्रीनिवासन और विजय सिंह पर बोर्ड के प्रस्तावों को कमजोर करने और अपने न्यासी दायित्वों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है।

एनडीटीवी प्रॉफिट की रिपोर्ट के मुताबिक, यह आरोप एक पत्र के माध्यम से सामने आया है, जिस पर नोएल एन. टाटा, डेरियस जे. खंबाटा, नेविल एन. टाटा और भास्कर भट्ट के हस्ताक्षर बताए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, यह घटनाक्रम टाटा ट्रस्ट्स के भीतर टाटा संस की स्वामित्व संरचना और



उसकी लिस्टिंग की स्थिति को लेकर बढ़ते मतभेदों को दर्शाता है।

पत्र में कहा गया है कि टाटा संस को अनलिस्टेड बनाए रखना लंबे समय से टाटा ट्रस्ट्स और कंपनी दोनों की स्थापित और

सहमति वाली नीति रही है। रिपोर्ट के अनुसार, मार्च 2024 में टाटा संस के बोर्ड ने सर्वसम्मति से कंपनी को अनलिस्टेड बनाए रखने का निर्णय लिया था। इसके बाद जुलाई 2025 में सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा

ट्रस्ट के ट्रस्टियों ने भी सर्वसम्मति से इस रुख को दोहराया था और इस मुद्दे पर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के साथ संवाद जारी रखने पर सहमति जताई थी।

रिपोर्ट के अनुसार, वरिष्ठ ट्रस्टियों ने कहा है कि जुलाई 2025 के प्रस्तावों को कभी वापस नहीं लिया गया। उनका आरोप है कि वेणु श्रीनिवासन और विजय सिंह ने अपनी बदली हुई राय को ट्रस्टियों के समक्ष सामूहिक चर्चा के लिए रखने या पूर्व निर्णयों की पुनर्समीक्षा की मांग करने के बजाय सार्वजनिक रूप से लिस्टिंग का समर्थन किया।

पत्र में कहा गया है कि इस तरह के सार्वजनिक बयान न केवल ट्रस्ट्स के आधिकारिक निर्णयों को कमजोर करते हैं, बल्कि टाटा संस की आरबीआई के समक्ष लंबित प्रक्रियाओं और आवेदनों को भी प्रभावित कर सकते हैं।

बच्चे से रोज ये एक सवाल पूछना बंद करें, पैरेंटिंग एक्सपर्ट्स क्यों दे रहे हैं इसकी जगह दूसरा तरीका?



बच्चे से रोज पूरे दिन का हिसाब पूछने के बजाय किसी खास अनुभव, भावना या मजेदार घटना पर बातचीत शुरू करें. खुले सवाल पूछें, बीच में न रोकें और अपनी बातें भी साझा करें. सहज माहौल मिलने पर बच्चा बिना दबाव के अपनी बातें ज्यादा आसानी से साझा कर सकता है.

स्कूल से घर लौटते ही कई माता-पिता बच्चे से सबसे पहले पूछते हैं, ‘आज स्कूल में क्या हुआ?’ सवाल बिल्कुल सामान्य लिए खुले और अनुभव आधारित जवाब मिलता है, ‘कुछ नहीं.’ फिर

माता-पिता दोबारा पूछते हैं, ‘आज क्या पढ़ाया?’ ‘, ‘किससे बात की?’ और बच्चा बातचीत से बचने लगता है. दरअसल, समस्या हमेशा बच्चे के व्यवहार में नहीं होती. कई बार सवाल पूछने का तरीका ही ऐसा होता है जिससे उसे विस्तार से जवाब देने का मन नहीं करता.

बच्चे से दिनभर की बातें जानने के लिए लगातार सवालों की जगह बातचीत को सहज बनाना ज्यादा मददगार हो सकता है. पैरेंटिंग एक्सपर्ट्स भी बच्चों से जुड़ने के लिए खुले और अनुभव आधारित सवालों को बेहतर तरीका मानते हैं.

इससे बातचीत पूछताछ जैसी महसूस नहीं होती.

क्यों ‘आज स्कूल में क्या हुआ?’ का जवाब अक्सर ‘कुछ नहीं’ मिलता है

बच्चे के लिए ‘आज स्कूल में क्या हुआ?’ एक बहुत बड़ा और खुला सवाल है. उसके पूरे दिन में कई क्लास, दोस्तों से बातचीत, खेल, होमवर्क और छोटी-बड़ी घटनाएं होती हैं. ऐसे में उसे समझ नहीं आता कि शुरुआत कहाँ से करे. खासकर जब बच्चा थका हुआ घर आता है तो वह लंबा जवाब देने के मूड में भी नहीं होता. कई बार

माता-पिता एक के बाद एक सवाल पूछने लगते हैं. ‘टीचर ने क्या कहा?’ ‘, ‘दोस्तों के साथ खेले?’ ‘, ‘लंच में क्या खाया?’ जैसे सवाल बच्चे को बातचीत के बजाय जवाब देने की जिम्मेदारी जैसे लग सकते हैं. इसका मतलब यह नहीं कि माता-पिता की दिलचस्पी गलत है. बस बातचीत शुरू करने का तरीका थोड़ा बदल जा सकता है.

सवाल बदलने से बातचीत कैसे आसान हो सकती है

बच्चे से पूरे दिन का हिसाब मांगने के बजाय किसी एक खास अनुभव पर बात शुरू करें. उदाहरण के लिए ‘आज स्कूल में सबसे मजेदार बात क्या थी?’ या ‘आज ऐसा क्या हुआ जिससे तुम्हें अच्छा लगा?’ जैसे सवाल बच्चे को सोचने के लिए एक स्पष्ट दिशा देते हैं. अगर बच्चा फिर भी छोटा जवाब देता है तो तुरंत दूसरा सवाल दागने के बजाय अपनी तरफ से दिन की कोई छोटी बात साझा करें. जैसे, ‘आज मेरा दिन थोड़ा व्यस्त था, लेकिन रास्ते में मुझे एक मजेदार चीज दिखी.’ इससे बच्चे को महसूस होता है कि बातचीत केवल उससे जवाब लेने के लिए नहीं हो रही है.

ऐसे सवाल पूछें जिनका

जवाब सिर्फ हां या ना में न हो ‘क्या स्कूल अच्छा था?’ के जवाब में बच्चा आसानी से ‘हां’ या ‘नहीं’ कह सकता है. इसकी जगह सवाल को थोड़ा खास बनाया जा सकता है. जैसे, ‘आज किस क्लास में तुम्हें सबसे ज्यादा मजा आया?’ या ‘आज तुम्हें किस बात पर हंसी आई?’ इसी तरह ‘दोस्तों से मिले?’ की जगह ‘आज तुमने किस दोस्त के साथ सबसे ज्यादा समय बिताया?’ पूछा जा सकता है. ऐसे सवाल बच्चे को किसी घटना, व्यक्ति या भावना के बारे में बात करने का मौका देते हैं.

बच्चे की बात बीच में न काटें कई बार बच्चा कुछ बताना शुरू करता है और माता-पिता तुरंत सलाह देने लगते हैं, अगर बच्चा कहता है कि दोस्त से उसका झगड़ा हुआ तो तुरंत ‘तुमने ऐसा क्यों किया?’ पूछने के बजाय पहले उसकी पूरी बात सुनना बेहतर है. बच्चे को यह भरोसा होना चाहिए कि वह अपनी छोटी-बड़ी बातें बिना डांट के बता सकता है. जब उसे लगेगा कि उसकी बात सुनी जा रही है तो वह धीरे-धीरे खुद ज्यादा बातें साझा कर सकता है।

दिवाली पर अयोध्या आने का बना रहे हैं प्लान, तो इन जगहों की जरूर करें सैर, स्वर्ग से कम नहीं दिखेगी रामनगरी



अगर आप दीपावली के मौके पर अयोध्या आने का प्लान बना रहे हैं और रामनगरी की खास जगह पर घूमना चाहते हैं, तो प्रभु राम की नगरी अयोध्या में राम मंदिर के अलावा और भी बहुत सारी ऐसी जगह हैं, जहां आप दीपावली के मौके पर परिवार के संग घूम सकते हैं.

राम मंदिर अयोध्या में 500 वर्ष के लंबे संघर्ष के बाद प्रभु राम का दिव्य और भव्य मंदिर तैयार हो गया है. राम मंदिर परिसर में अगर आप परिवार के साथ दर्शन करने आ रहे हैं. तो आप यहां राम मंदिर के साथ 18 और मठ मंदिर दर्शन भी कर सकते हैं. साथ ही कुबेर टीला पर जाकर एक धार्मिक अनुभव भी प्राप्त कर सकते हैं. राम मंदिर परिसर में रामायण काल से जुड़े ऋषि मुनि संत महंत के भी

मंदिर बनाए गए हैं. राम की पैड़ी दीपोत्सव स्थल: यह जगह सरयू तट के बिल्कुल सटा हुआ है. जहां दीपावली के मौके पर कई लाख दीपक यहां पर जलाए जाते हैं. साथ ही परिवार के साथ यहां लोग धार्मिकता के साथ-साथ पर्यटन की दृष्टि से भी इस जगह पर पहुंचते हैं. इस पूरे स्थल पर रामायण कालीन दृश्य भी अंकित किए गए हैं. जहां लोगों को धार्मिकता की अनुभव प्राप्त होता है. रात के अंधेरे में इस जगह पर रंग-बिरंगी लाइट अयोध्या आने वाले लोगों का मन मोह लेती है.

गुप्तार घाट सरयू नदी के तट पर स्थित गुप्तार घाट अयोध्या के प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थलों में एक माना जाता है. मान्यता है कि

भगवान श्रीराम ने यहीं से सरयू में जल समाधि लेकर अपने धाम की ओर प्रस्थान किया था. यही वजह है कि इस घाट का धार्मिक महत्व बेहद खास माना जाता है.

गुप्तार घाट की खूबसूरती श्रद्धालुओं और पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती है. घाट की सीढ़ियां, साफ-सुथरा परिसर और सरयू का शांत वातावरण यहां आने वाले लोगों को आध्यात्मिक अनुभूति कराता है. सुबह और शाम के समय यहां का नजारा बेहद मनमोहक होता है.

लता चौक लता मंगेशकर चौक श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र है. यह चौक महान गायिका भारत रत्न लता मंगेशकर की स्मृति को समर्पित है. यहां स्थापित विशाल वीणा की प्रतिकृति इसकी सबसे खास पहचान है, जो भारतीय संगीत और सुरों की विरासत को दर्शाती है. सरयू तट के करीब स्थित यह चौक रात के समय रोशनी से जगमगाता है और इसकी खूबसूरती देखते ही बनती है.

सूर्य कुंड राम मंदिर से लगभग 6 किलोमीटर दूरी पर स्थित सूर्यकुंड है, जहां सूर्यकुंड परिसर का शांत और आध्यात्मिक वातावरण यहां आने वाले लोगों को सुकून का एहसास कराता है।

150 साल से कायम है सीतामढ़ी की ‘रसभरी’ का जादू, बेमिसाल जायके का स्वाद लेने दूर-दूर से खिंचे चले आते हैं लोग



सीतामढ़ी के भूतही क्षेत्र की 150 साल पुरानी रसभरी अपनी अनूठी परंपरा, शुद्धता और खास स्वाद के लिए आज भी लोगों की पहली पसंद बनी हुई है. इसे खास तरीके से बनाया जाता है और अधिकतर लोग मुद्दी-चूड़ा के साथ इसे खाना पसंद करते हैं.

सीतामढ़ी जिला ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के साथ-साथ अपने अनूठे खान-पान के लिए भी जाना जाता है. यहां के भूतही क्षेत्र में मिलने वाली रसभरी कोई साधारण मिष्ठान या पकवान नहीं, बल्कि लगभग 150 वर्षों से चली आ रही एक समृद्ध स्वाद-परंपरा का हिस्सा है. इस महाद्वर दुकान की बागडोर पीढ़ियों से संभाली जा रही है. दुकान के वर्तमान संचालक महेश कुमार बताते हैं कि उनके दादाजी के जमाने से यह व्यंजन इसी खास विधि और लगन के साथ बनाया जा रहा है. समय बदलने के बावजूद इसके पारंपरिक स्वाद, बनाने के तरीके और ताजगी में कोई कमी नहीं आई है, यही वजह है कि आज भी यह लोगों की पहली पसंद बना हुआ है.

शुद्ध सामग्री और पारंपरिक विधि से तैयार होती है रसभरी रसभरी को तैयार करने की प्रक्रिया पूरी तरह से पारंपरिक और स्वास्थ्यवर्धक है. इसे शुद्ध चने के बेसन, बारीक कटे हुए प्याज और खास घरेलू मसालों के मिश्रण से तैयार किया जाता है. इसके बाद इसे शुद्ध सरसों तेल में धीमी और मध्यम आंच पर तला जाता है. इसमें किसी भी तरह के रंग या केमिकल का इस्तेमाल नहीं होता. बेसन और मसालों का सही संतुलन इसे बाहर से कुरकुरा और अंदर से बेहद स्वादिष्ट व मुलायम बनाता है. यही विशेष रसिपी और कड़वे तेल का तड़का इसे आसपास के दूसरे व्यंजनों से पूरी तरह अलग और अनोखा जायका देता है।

‘वह मुझसे सच में प्यार करते भी हैं या नहीं?’ ... क्या आपके मन में भी आते हैं ऐसे सवाल? रिलेशनशिप एंजायटी से बचने के 5 तरीके



सब कुछ ठीक होने पर भी रिश्ते में असुरक्षा और शक महसूस होने की स्थिति को रिलेशनशिप एंजायटी कहा जाता है. इसके पीछे पुराने अनुभव या आत्मविश्वास की कमी हो सकती है, जिससे खुलकर बात करके और माइंडफुलनेस अप

सब कुछ ठीक चल रहा है. आपका पार्टनर आपसे प्यार करता है, आप दोनों के बीच अच्छा तालमेल है, और रिश्ते में किसी तरह की कोई बड़ी समस्या भी नहीं है. इसके बावजूद, आपके मन में

एक अजीब सा डर या शक बना रहता है— ‘क्या वह सच में मुझसे प्यार करते हैं?’ या ‘क्या यह रिश्ता ज्यादा दिन टिकेगा?’ अगर आप भी इस तरह की उलझन और बेचैनी से गुजरते हैं, तो अकेले आप ऐसे नहीं हैं. इस स्थिति को ‘रिलेशनशिप एंजायटी’ (Relationship An&iety) कहा जाता है, जो आज के समय में बहुत आम है. आइए जानते हैं कि यह क्या है, क्यों होती है और इससे बाहर निकलने के आसान तरीके क्या हैं.

क्या है रिलेशनशिप एंजायटी?

हेल्थलाइन के एक्सपर्ट मनोचिकित्सकों के अनुसार, रिलेशनशिप एंजायटी उन भावनाओं, असुरक्षा और शकों का समूह है जो किसी रिश्ते में तब भी उभर सकती हैं जब बाहर से सब कुछ बहुत अच्छा चल रहा हो. यह शुरुआती डेटिंग के दौरान या लंबे समय से चले आ रहे कमिटेड रिश्तों में भी देखने को मिल सकती है. जब यह एंजायटी बढ़ जाती है, तो

यह भावनात्मक थकान, तनाव, और यहां तक कि पेट की खराबी जैसी शारीरिक समस्याओं का कारण भी बन सकती है.

कैसे पहचानें रिलेशनशिप एंजायटी के संकेत को?

क्या मैं उनके लिए मायने रखती/रखता हूँ?:

मन में यह सवाल बार-बार आना कि अगर आप आसपास न हों, तो क्या पार्टनर को आपकी परवाह होगी या नहीं.

पार्टनर की भावनाओं पर शक करना:

पार्टनर के प्यार जताने के बाद भी यह जबरदस्ती का डिबेट रहना कि ‘वह मुझसे सच में प्यार नहीं करते.’ जैसे, मैसेज का जवाब देने में देर होने पर यह सोचना कि अब उनकी रुचि कम हो गई है.

पार्टनर के छोड़कर जाने का लगातार डर:

इस डर की वजह से कई बार आप अपनी खुशियों या ज़रूरतों से समझौता करने लगते हैं, ताकि पार्टनर नाराज न हो जाए.

बेवजह झगड़ा मोल लेना:

कई बार अनजाने में हम ऐसी हरकतें कर बैठते हैं जो रिश्ते को बिगाड़ सकती हैं, जैसे छोटी-छोटी बातों पर बेवजह झगड़ा मोल लेना या पार्टनर को भावनाओं की परीक्षा लेना।

नैसूर दशहरा से लेकर ‘कोलु’ उत्सव तक: जानिए दक्षिण भारत में किस तरह मनाई जाती है नवरात्रि



जहां उत्तर भारत में नवरात्रि का मतलब, उपवास, रामलीला और रावण दहन से जुड़ा होता है, वहीं दक्षिण भारत में यह पर्व परंपरा, कला, इतिहास, पारिवारिक आत्मीयता और देवी शक्ति की आराधना का सबसे बड़ा उत्सव बन जाता है. कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और केरल जैसे राज्यों में नवरात्रि मनाने के तौर-तरीके बेहद अनूठे और प्राचीन परंपराओं में रमे हुए हैं. आइए जानते हैं कि साउथ इंडिया के अलग-अलग हिस्सों में यह त्योहार किस तरह जीवंत हो उठता

क्या आपने कभी सोचा है कि उत्तर भारत के गरवे, डांडिया और रावण दहन से अलग, दक्षिण भारत में नवरात्रि का त्योहार कैसे मनाया जाता होगा? अगर नहीं, तो चलिए आज हम दक्षिण भारत की उन पारंपरिक फेस्टिवल सेलेब्रेशन के तरीकों को जानने की कोशिश करते हैं जहां परंपरा, कला और भक्ति का एक अलग ही संगम देखने को मिलता है. एक तरफ जहां उत्तर भारत में नवरात्रि का मतलब नौ दिनों के उपवास, रामलीला और दशहरे पर रावण दहन होता है, वहीं दक्षिण भारत में यह पर्व देवी शक्ति के स्वरूप, कला के प्रदर्शन और पारिवारिक मेल-मिलाप का सबसे बड़ा उत्सव बन जाता है.कर्नाटक से लेकर तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश तक, इन नौ दिनों में पूरा साउथ एक अलग ही सांस्कृतिक रंग में रंग जाता है. तो आइए, जानते हैं दक्षिण भारत में नवरात्रि के इस पर्व को किस अंदाज में मनाया जाता है.

400 साल पुरानी शाही परंपरा:

इस उत्सव का इतिहास विजयनगर साम्राज्य से जुड़ा है. नवरात्रि के इन नौ दिनों में पूरा मसूर शहर किसी दुल्हन की तरह सजा होता है.

शाही सवारी (जम्बो सवारी):

विजय दशमी (विजयादशमी) के दिन यहाँ एक भव्य जुलूस निकलता है, जिसमें सजे-धजे हाथियों पर माता चामुंडेश्वरी की सोने की मूर्ति को विराजमान किया जाता है।

रोज जमा होने वाली मलाई फेंके नहीं, ऐसे बनाएं घर का शुद्ध देसी घी, एक्सपर्ट ने बताया आसान तरीका

अगर आपके घर में रोज दूध आता है और उसकी मलाई जमा होती रहती है, तो उसे फेंकने की बजाय घर पर घी बनाया जा सकता है. मलाई को कुछ दिनों तक जमा करके पहले उससे मक्खन निकाला जाता है और फिर धीमी आंच पर पकाकर घी तैयार किया जाता है. एक्सपर्ट सविता श्रीवास्तव ने घर पर मलाई से घी बनाने का आसान देसी तरीका बताया है.

7सुल्तानपुर: गांवों में आज भी घर पर दूध, दही और मलाई से घी बनाने की परंपरा है. बाजार में मिलने वाले घी की जगह कई लोग घर का बना घी इस्तेमाल करना पसंद करते हैं. अगर आपके घर में रोज दूध आता है और उसकी मलाई जमा होती रहती है, तो इसी मलाई से आसानी से घी तैयार किया जा सकता है. इसके लिए किसी खास मशीन या महंगे सामान की



जरूरत नहीं होती. आइए जानते हैं मलाई से घर पर घी बनाने का आसान देसी तरीका.

एक्सपर्ट सविता श्रीवास्तव ने लोकला18 को बताया कि

सबसे पहले रोज घर में आने वाले दूध को उबालकर ठंडा कर लें. दूध के ऊपर जमने वाली

मलाई को साफ चम्मच की मदद से निकालकर साफ और ढक्कन

वाले डिब्बे में जमा करते जाएं.

मलाई को हमेशा फ्रिज में रखें, ताकि वह जल्दी खराब न हो. कई दिनों की मलाई को एक साथ इकट्ठा किया जा सकता है.

जब डिब्बे में पर्याप्त मलाई जमा हो जाए, तब इससे घी बनाने की प्रक्रिया शुरू करें. ध्यान रखें कि मलाई निकालने और रखने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला बर्तन साफ और सूखा हो.

जमा की गई मलाई को एक बड़े बर्तन में निकाल लें. इसमें थोड़ा ठंडा पानी डालकर मथानी या मिक्सर की मदद से अच्छी तरह फेंटें. कुछ देर बाद मलाई से मक्खन अलग होने लगेगा और नीचे छछ जैसा तरल दिखाई देगा. ऊपर जमा मक्खन को हाथ या चम्मच की मदद से निकालकर दूसरे बर्तन में रख लें. मक्खन को साफ ठंडे पानी से एक-दो बार धो सकते हैं, ताकि उसमें बची छछ निकल जाए.

इसके बाद एक भारी तले वाली कढ़ाही या बर्तन में तैयार मक्खन डालकर धीमी आंच पर गर्म करें. मक्खन धीरे-धीरे

पिघलेगा और उसमें बुलबुले उठने लगेंगे. इसे बीच-बीच में चलाते रहें और आंच तेज न करें. कुछ समय बाद मक्खन में मौजूद पानी भाप बनकर निकल जाएगा और घी साफ दिखाई देने

लगेगा। जब बर्तन के नीचे हल्के भूरे रंग के अवशेष बैठने लगें और घी से अच्छी खुशबू आने लगे, तो गैस बंद कर दें. घी को थोड़ा ठंडा होने दें. इसके बाद इसे साफ सूती कपड़े या बारीक

छलनी से छानकर सूखे कांच के जार में भर लें. इस तरह घर में जमा मलाई से घी तैयार किया जा सकता है, जिसे रोजाना के खाने में इस्तेमाल किया जा सकता है।





‘खतरों के खिलाड़ी 15’ में ट्रॉफी से चूके ऋत्विक धनजानी

बोले- ‘अविनाश के साथ मुकाबला करने में मजा आया’



हर टास्क में खुद को चुनौती दी

‘खतरों के खिलाड़ी 15’ में अपने सफर को याद करते हुए ऋत्विक ने कहा, “मेरे लिए इस शो का हिस्सा बनना हर बार खुद को चुनौती देने जैसा रहा है। मैंने लगातार अपने डर का सामना किया और बार-बार उन चीजों को करने की कोशिश की, जिनसे मुझे डर लगता था। हर टास्क में खुद को मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत रखना और अपनी पूरी क्षमता के साथ प्रदर्शन करना मेरे लिए सबसे जरूरी रहा।”

ये सिर्फ शारीरिक ताकत का शौ नहीं

अभिनेता ने कहा, “‘खतरों के खिलाड़ी’ मेरे लिए सिर्फ शारीरिक ताकत दिखाने वाला शो नहीं था। इस शो में हर स्टेट के दौरान मानसिक मजबूती भी उतनी ही जरूरी होती है। मैंने हर सीजन में खुद को मानसिक और शारीरिक रूप से आगे बढ़ाने की कोशिश की है और हर टास्क में अपना बेस्ट दिया है।”

मुंबई। टेलीविजन अभिनेता ऋत्विक धनजानी ने ‘खतरों के खिलाड़ी 15’ में विनर की ट्रॉफी भले ही अपने नाम न की हो, लेकिन टॉप-2 में जगह बनाने के बाद वह खुद पर काफी गर्व महसूस कर रहे हैं। फिनाले में ऋत्विक को अभिनेता अविनाश मिश्रा से हार का सामना करना पड़ा। दोनों के बीच फाइनल टास्क के समय में सिर्फ करीब 5 से 8 सेकंड का अंतर रहा। इसको लेकर ऋत्विक का कहना है कि उन्हें अविनाश के साथ मुकाबला करने में काफी मजा आया।

“ अविनाश के साथ मुकाबला मजेदार रहा

फिनाले में अविनाश मिश्रा के साथ हुए मुकाबले को लेकर ऋत्विक ने खुलकर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, “अविनाश जबरदस्त कंटेस्टेंट है। मुझे उनके साथ मुकाबला करके मजा आया। हमारे बीच अंतर महज कुछ सेकंड का था, लेकिन इस साल की जीत अविनाश के नाम थी और मैं इससे पूरी तरह खुश हूँ।”



मैं खुद को ‘खतरों के खिलाड़ी’ परिवार का हिस्सा मानता हूँ

ऋत्विक ने कहा, “मैं खुद को ‘खतरों के खिलाड़ी’ परिवार का हिस्सा मानता हूँ और पिछले करीब एक दशक से इस शो से जुड़े हुआ हूँ। मेरे लिए यह जगह घर जैसी है। टॉप पर बने रहना और इतने सालों बाद भी खुद को चुनौती देने में सक्षम होना मुझे अच्छा महसूस कराता है।

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की ‘तू है मेरी किरण’ का ट्रेलर रिलीज, एकतरफा प्यार बनेगा खतरनाक जुनून



विश्व केसरी■
मुंबई। सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की अपकमिंग फिल्म ‘तू है मेरी किरण’ का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर में एकतरफा प्यार और जुनून की कहानी को सस्पेंस और थ्रिल के साथ पेश किया गया है। कहानी में कई ऐसे मोड़ आते हैं, जो दर्शकों को

लगातार सोचने पर मजबूर करते हैं कि आखिर पदों के पीछे चल क्या रहा है। ‘तू है मेरी किरण’ ट्रेलर में सोनाक्षी और जहीर के किरदारों के अलग-अलग रंग देखने को मिलते हैं। मेकर्स ने कहानी के बड़े राज को अभी पदों के पीछे ही रखा है।

विशाल राणा और इशोलॉन प्रोडक्शंस द्वारा प्रोड्यूस की गई इस फिल्म का निर्देशन करण रावल ने किया है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि सोनाक्षी सिन्हा किरण नाम की लड़की के किरदार में हैं, जिसे जहीर इकबाल का किरदार बेईतहा प्यार करता है। वह उसे अपना बनाना

चाहता है। इसके लिए वह किरण पर दबाव बनाता है। फिल्म में अपने किरदार को लेकर सोनाक्षी सिन्हा ने कहा, “‘तू है मेरी किरण’ मेरे लिए बिल्कुल अलग तरह की फिल्म है और इसी वजह से यह मेरे लिए काफी रोमांचक रही। मुझे सबसे ज्यादा फिल्म की वह दुनिया पसंद आई, जहां एक सामान्य-सी भावना धीरे-धीरे कुछ ज्यादा गहरी और खतरनाक बन जाती है। मेरे किरदार का सफर काफी असामान्य है और उसमें कई परतें हैं, जिन्हें निभाना काफी दिलचस्प रहा।” सोनाक्षी ने कहा, “‘फिल्म दर्शकों को लगातार बांधे रखती है और स्क्रीन पर दिखाई जा रही घटनाओं की सच्चाई पर सवाल खड़े

करती है। मैं चाहती हूँ कि दर्शक इस दुनिया का हिस्सा बनें और सिनेमाघरों में ‘तू है मेरी किरण’ के अनुभव को महसूस करें।” वहीं, जहीर इकबाल ने फिल्म को अपने लिए बेहद खास बताया और कहा, “कहानी में एकतरफा प्यार को जिस तरह दिखाया गया है, वही चीज मुझे सबसे ज्यादा आकर्षित करती है। एक ऐसी भावना जो शुरुआत में बेहद गहरी लगती है और आगे चलकर किस तरह एक मोड़ लेती है, फिल्म इसी पहलू को सामने लाती है। फिल्म में रहस्य और सस्पेंस लगातार बना रहता है और दर्शक यह जानने की कोशिश करेंगे कि असल में कहानी की सतह के नीचे क्या छिपा है।



विश्व केसरी■
मुंबई। आनंद एल. राय और हिमांशु शर्मा की अपकमिंग फिल्म ‘नई नवेली’ इन दिनों अपने अनोखे फैंटेसी वर्ल्ड को लेकर चर्चा में है। फिल्म के मेकर्स ने मंगलवार को इसका नया गाना ‘फटा पटाखा’ रिलीज कर दिया है। गाने में यामी गौतम धर बिल्कुल अलग और मस्ती भरे अंदाज में नजर आ रही हैं। खास बात यह है कि इस हाई-एनर्जी ट्रैक में यामी के साथ एक अनोखी

जॉम्बी डॉस पार्टी देखने को मिल रही है, जो गाने को और मजेदार बनाती है। ‘फटा पटाखा’ को सिंगर मधुबंती बागची ने गाया है। गाने को जी. वी. प्रकाश कुमार ने कंपोज और प्रोड्यूस किया है, जबकि इसके बोल वायु ने लिखे हैं। विजय गांगुली ने गाने की कोरियोग्राफी की है। गाने में जबरदस्त बीट्स और बड़े लेवल की कोरियोग्राफी देखने को मिल रही है। फिल्म की फैंटेसी

दुनिया को यह गाना एक अलग और मजेदार म्यूजिकल दिक्कत देता है। गाने को लेकर मधुबंती बागची ने कहा, “‘फटा पटाखा’ पूरी तरह से बिना किसी रोक-टोक वाली मस्ती और एनर्जी से भरा हुआ है। इसमें ह्यूमर के साथ जबरदस्त ऊर्जा है। इस गाने की रिकॉर्डिंग मेरे लिए बेहद मजेदार अनुभव रहा, क्योंकि इसका अंदाज काफी बड़ा और खास है। इसमें शरारत और हाई-एनर्जी का ऐसा मेल है, जो इसे अलग बनाता है।”

मधुबंती ने आगे कहा, “जी. वी. प्रकाश कुमार और वायु की क्रिएटिव जोड़ी ने इस गाने को मेरे लिए बेहद खास बना दिया। ये मेरे लिए अब तक रिकॉर्ड किए गए सबसे रोमांचक गानों में से एक है। मैं यह देखने के लिए काफी उत्साहित हूँ कि लोग इस गाने पर डांस करते हैं।” वहीं, गाने के कंपोजर जी. वी. प्रकाश कुमार ने कहा, “मुझे ‘फटा पटाखा’ के जरिए बिल्कुल अलग तरह की म्यूजिक दुनिया के साथ प्रयोग करने का मौका मिला। फिल्म की अनोखी और थोड़ी अजीब-सी दुनिया को ऐसे गाने में बदलना था, जो सुनते ही जश्न जैसा महसूस हो।”

‘वसुधा’ ने पूरे किए 700 एपिसोड, प्रिया ठाकुर बोलीं- ‘एक ऑडिशन ने बदल दी मेरी जिंदगी’

विश्व केसरी■

मुंबई। टीवी की दुनिया में किसी शो का लंबे समय तक दर्शकों के बीच अपनी जगह बनाए रखना आसान नहीं होता। इस बीच जी टीवी का पॉपुलर शो ‘वसुधा’ भी अपनी कहानी और किरदारों के दम पर दर्शकों का ध्यान खींचने में कामयाब रहा है।

अब इस शो ने अपने सफर में एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। ‘वसुधा’ ने हाल ही में 700 एपिसोड पूरे कर लिए हैं। इस खास मौके पर शो के कलाकार प्रिया ठाकुर और अभिषेक शर्मा ने अपनी जनीं और दर्शकों से मिले प्यार को याद किया।

शो में वसुधा का किरदार निभाने वाली प्रिया ठाकुर ने कहा, जब मैं पहली बार शो के ऑडिशन के लिए गई थी, तब मैंने बिल्कुल नहीं सोचा था कि यह मौका मुझे



इतनी दूर तक ले जाएगा। मैं बस यह सोचकर ऑडिशन देने गई थी कि चलो, ऑडिशन देकर देखते हैं,

क्या होता है। लेकिन, उस एक फैसले ने मेरी जिंदगी में बड़ा बदलाव ला दिया।” प्रिया ने कहा, “मैं आज उसी एक ऑडिशन की वजह से ‘वसुधा’ के साथ 700 एपिसोड पूरे कर चुकी हूँ।

इस दौरान मुझे न सिर्फ कई खूबसूरत यादें मिलीं, बल्कि दर्शकों से भी बहुत प्यार मिला। शो का लंबे समय तक ग्राइम टाइम में नंबर-1 पोजिशन पर बने रहना मेरे लिए इस उपलब्धि को और खास बनाता है। यह मेरे लिए बेहद गर्व और खुशी की बात है कि दर्शकों ने वसुधा के किरदार को इतना अपनाया।”

प्रिया ने अपने किरदार को लेकर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, “वसुधा का किरदार मेरे लिए सिर्फ एक रोल नहीं है, बल्कि इस

सफर के दौरान मैं इसके साथ खुद भी आगे बढ़ी हूँ। एक कलाकार के तौर पर इस किरदार ने मुझे बहुत कुछ सीखने और अलग-अलग भावनाओं को पढ़ने पर दिखाने का मौका दिया है। मैं खुद को उत्साहित हूँ कि कहानी आगे किस दिशा में जाएगी और दर्शकों को आगे क्या देखने को मिलेगा। मुझे उम्मीद है कि जिस तरह अब तक लोगों ने ‘वसुधा’ को प्यार दिया है, उसी तरह आगे भी उनका साथ बना रहेगा।”

अविनाश मिश्रा की सक्सेस पार्टी से गायब होने पर विवियन डीसेना ने दी सफाई, कहा-तबीयत खराब थी

विश्व केसरी■
मुंबई। अविनाश मिश्रा की ‘खतरों के खिलाड़ी 15’ की सक्सेस पार्टी में ‘बिग बॉस-18’ के कई कंटेस्टेंट नजर आए लेकिन इस दौरान अविनेता विवियन डीसेना नहीं दिखे। उनकी गैरमौजूदगी में फैंस ने सवाल उठाए और पूछा कि क्या वह मुंबई में नहीं हैं। मंगलवार को अविनेता ने बताया कि वह क्यों पार्टी में शामिल नहीं हो पाए। अविनेता विवियन डीसेना ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक नोट शेयर किया, जिसमें उन्होंने बताया कि वह मुंबई में ही हैं लेकिन तबीयत खराब होने की वजह से अविनाश

की सक्सेस पार्टी में शामिल नहीं हो पाए थे। उन्होंने लिखा, “मैं कल से आप सभी के मैसेज देख रहा हूँ, जिनमें आपने मुझसे पूछा कि मैं अविनाश की पार्टी में क्यों नहीं गया था और क्या मैं मुंबई में नहीं हूँ। दरअसल, मैं मुंबई में ही था लेकिन स्वास्थ्य ठीक न होने की वजह से बाहर जाने या लोगों से मिलने-जुलने की हालत नहीं थी।” अविनेता ने अपने फैंस को ठीक होने का आश्वासन दिया। उन्होंने लिखा, “अविनाश की सक्सेस पार्टी में जाने का बहुत मन था लेकिन अच्छा महसूस न होने

की वजह से नहीं जा सका। हालाँकि, स्वास्थ्य जल्दी ठीक हो जाएगा। कुछ मुलाकातें लंबे समय से बाकी हैं और उनका होना बेहद जरूरी है। उन सभी लोगों का धन्यवाद, जिन्होंने मुझसे संपर्क किया और मेरी चिंता की, यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है।” अविनेता विवियन डीसेना ने अविनाश को खतरों के खिलाड़ी का विनर बनने पर बधाई दी। उन्होंने लिखा, “अब जब मैंने यह स्पष्ट कर दिया है, तो चलिए सभी सवालों को छोड़कर अविनाश और उनकी जीत का जश्न मनाते हैं। बधाई हो, अविनाश।

भारत-अमेरिका के बीच रक्षा और रणनीतिक सहयोग बढ़ाने पर चर्चा

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने मंगलवार को नई दिल्ली में अमेरिकी पैसिफिक कमांड के कमांडर एडमिरल सैमुअल पापारो से मुलाकात की। इस दौरान दोनों पक्षों ने भारत-अमेरिका रक्षा और रणनीतिक सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। साथ ही, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचार साझा किए।

बैठक के बाद रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर लिखा, ‘रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने भारत दौरे पर आए अमेरिकी पैसिफिक कमांड के कमांडर एडमिरल सैमुअल पापारो से मुलाकात की। बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने भारत-अमेरिका रक्षा



और रणनीतिक सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की और क्षेत्रीय व वैश्विक मुद्दों पर विचार साझा किए।

इससे पहले सोमवार को एडमिरल पापारो ने भारत यात्रा के दौरान कई वरिष्ठ भारतीय रक्षा अधिकारियों से मुलाकात की। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो

गोर ने कहा कि इन बैठकों ने अमेरिका-भारत के बीच अहम रक्षा साझेदारी के महत्व को दिखाया।

गोर ने ‘एक्स’ पर लिखा, ‘भारत में एडमिरल सैमुअल पापारो की मेजबानी करना सम्मान की बात है। एडमिरल पापारो अमेरिका के सबसे अहम सैन्य लीडर्स में से एक हैं। वह अमेरिकी

पैसिफिक कमांड की कमान संभालते हैं, जो देश की सबसे पुरानी और सबसे बड़ी भौगोलिक सैन्य कमांड है। इसके तहत दुनिया के लगभग आधे हिस्से में करीब 4 लाख सैन्य और नागरिक कर्मचारी आते हैं।’

उन्होंने कहा कि एडमिरल पापारो ने भारत के चीफ ऑफ

डिफेंस स्टाफ जनरल एन. एस. राजा सुब्रमणि, थल सेना प्रमुख जनरल धीरज सेट, वायु सेना के उप प्रमुख एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित, चीफ ऑफ इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ एयर मार्शल तेजिंदर सिंह और दूसरे वरिष्ठ भारतीय रक्षा अधिकारियों के साथ मुलाकात की।

गोर के मुताबिक, इन मुलाकातों में अमेरिका-भारत की प्रमुख रक्षा साझेदारी की बढ़ती ताकत, महत्व और भविष्य की संभावनाओं पर जोर दिया गया। इससे पहले एडमिरल पापारो ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर से भी मुलाकात की थी।

दोनों ने सुरक्षा साझेदारी और समुद्री सहयोग को आगे बढ़ाने पर चर्चा की।

सऊदी अरब से रक्षा और सुरक्षा समझौता निभाएगा अमेरिका: मार्को रुबियो

विश्व केसरी ■
वॉशिंगटन। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि सऊदी अरब समर्थित यमनी सेनाएं हूती विद्रोहियों के हमले का जवाब दे रही हैं और ऐसे समय में अमेरिका, सऊदी अरब के साथ अपने रक्षा और सुरक्षा से जुड़े वादों को निभाएगा। हालांकि, उन्होंने यह साफ नहीं किया कि वॉशिंगटन इस लड़ाई में हवाई सैन्य मदद देगा या नहीं।

यूरोप रवाना होने से पहले वॉशिंगटन में पत्रकारों से बातचीत के दौरान रुबियो ने कहा कि सऊदी अरब पर हूती विद्रोहियों ने हमला किया है और उसे अपनी रक्षा करने का अधिकार है। रणनीतिक रूप से अहम जलडमरूमध्य के पास के इलाके को लेकर लड़ाई जारी है।

जाईंट बेस एंड्रयूज में पत्रकारों से बात करते हुए रुबियो ने कहा कि



अमेरिका का सऊदी अरब के साथ रक्षा और सुरक्षा समझौता है और हम इसे निभाने का इरादा रखते हैं। उन्होंने कहा कि मैं इससे ज्यादा जानकारी पर चर्चा नहीं करूंगा।

रुबियो से सऊदी अरब के समर्थन से यमन की सरकारी सेनाओं की ओर से हूती विद्रोहियों के खिलाफ हाल में चलाए गए अभियानों के बारे में सवाल पूछा गया था। उनसे यह भी पूछा गया कि क्या अमेरिका इन अभियानों में हवाई मदद देगा या उसने इन सैन्य कार्रवाइयों में किसी तरह का

तालमेल किया है।

हालांकि, रुबियो ने सीधे तौर पर यह नहीं बताया कि अमेरिका हवाई मदद दे रहा है या ऐसा करने पर विचार कर रहा है। इसके बजाय उन्होंने कहा कि यह उन इलाकों को वापस लेने के लिए जवाबी कार्रवाई है, जिन पर पहले हूती विद्रोहियों ने कब्जा कर लिया था।

रुबियो ने कहा, ‘सऊदी अरब और यमनी सेनाएं साफ तौर पर नहीं चाहतीं कि हूती विद्रोही उस जलडमरूमध्य के पास के इलाके पर कब्जा बनाए रखें।’

संक्षिप्त खबर

बांग्लादेश: ढाका बना दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर, एक्‍यूआई 300 के पार

विश्व केसरी ■



ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका की हवा बेहद खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक मंगलवार सुबह 11 बजकर 10 मिनट पर ढाका का एयर क्वालिटी इंडेक्स 213 दर्ज किया गया, जिसके साथ ही ढाका दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की लिस्ट में पहले नंबर पर रहा। यूनाइटेड न्यूज ऑफ बांग्लादेश (यूएनबी) की रिपोर्ट के मुताबिक, एक्‍यूआई पैमाने के अनुसार ढाका में हवा की गुणवत्ता को ‘बहुत खराब’ माना गया। यह स्वास्थ्य के लिए गंभीर चेतावनी है, जिससे लोगों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं।

मनीशिया का क्‍यालालंपु 208 एक्‍यूआई के साथ दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में दूसरे स्थान पर रहा, जबकि सिंगापुर 179 के एक्‍यूआई के साथ तीसरे स्थान पर रहा। एक्‍यूआई मानकों के अनुसार, 301 से ऊपर की रीडिंग को ‘खतरनाक’ माना जाता है; 201–300 के बीच की रीडिंग को ‘बहुत खराब’ माना जाता है; 151–200 के बीच की रीडिंग को ‘खराब’ की श्रेणी में रखा जाता है; जबकि 101–150 के बीच की रीडिंग को ‘संवेदनशील समूहों के लिए अस्वस्थ’ माना जाता है। यूएनबी की रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश का ढाका लंबे समय से वायु प्रदूषण की समस्या से जूझ रहा है।

मुंबई में साइबर ठगी के पैसें से महंगे मोबाइल खरीदने वाले गैंग का पर्दाफाश, दो आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी ■
मुंबई। साइबर ठगी कर महंगे मोबाइल फोन खरीदने वाले गिरोह पर एलटी मार्ग पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने गुजरात के अहमदाबाद और मुंबई के कुर्ला से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर 19,66,075 रुपये कीमत के 25 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। एलटी मार्ग पुलिस स्टेशन में पीड़ित ने केस दर्ज कराया था। पीड़ित ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि एक अनजान मोबाइल नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को आरबीएल क्रेडिट कार्ड का प्रतिनिधि बताया। उसने कहा कि आपके क्रेडिट कार्ड पर चालू मेल आदेश सर्विस बंद करनी है और इसके लिए व्हाट्सएप पर एक लिंक भेजी। लिंक पर क्लिक करते ही आरोपी ने पीड़ित के क्रेडिट कार्ड से 3 ट्रांजेक्शन में 4,48,721 रुपये की स्वीगी प्लेटफॉर्म पर खरीदारी कर अनिल्लाइन ठगी कर ली। पुलिस ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए तकनीकी जांच शुरू की। जांच के आधार पर पुलिस ने अनिसबेग समिरबेग मिर्जा (23) और मोईन रहीम शेख (34) को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के पास से 2 आईफोन मोबाइल फोन और अन्य साइबर फ्रॉड के मामलों में खरीदे गए 25 मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। हाल ही में दिल्ली के साउथ डिस्ट्रिक्ट के साइबर पुलिस स्टेशन ने टेलीग्राम-आधारित टास्क और क्रिप्टो करेंसी इन्वेस्टमेंट धोखाधड़ी में शामिल एक अंतरराज्यीय साइबर-फ्रॉड नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए उत्तराखंड के ऊधम सिंह नगर से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।



गाजियाबाद में कपड़ों के शोरूम में लगी भीषण आग, दमकल की चार गाड़ियों ने पाया काबू

विश्व केसरी ■
गाजियाबाद। गाजियाबाद के अंबेडकर रोड स्थित यूएस पोलो के शोरूम में मंगलवार दोपहर अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। आग शोरूम की पहली मंजिल पर लगी थी। घटना की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। आग लगने के दौरान शोरूम की पहली मंजिल पर घना धुआं भर गया था, जिसके बीच दमकल कर्मियों ने अंदर पहुंचकर आग बुझाने की कार्रवाई की।

अग्निशमन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, मंगलवार 6 अक्टूबर को दोपहर करीब 12:06 बजे



फायर स्टेशन कोतवाली को अंबेडकर रोड पर आग लगने की सूचना प्राप्त हुई। बताया गया कि अंबेडकर रोड स्थित प्लॉट नंबर-76 में यूएस पोलो शोरूम में आग लगी है। सूचना मिलते ही अग्निशमन अधिकारी कोतवाली तत्काल चार फायर टैंडर लेकर घटनास्थल के लिए रवाना हुए। इसके

साथ ही घटना की जानकारी मुख्य अग्निशमन अधिकारी को दी गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए मुख्य अग्निशमन अधिकारी भी स्वयं तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुए। मौके पर पहुंचने के बाद दमकल अधिकारियों ने स्थिति का जायजा

ओमान तट के पास कमर्शियल जहाज पर हमला, 11 भारतीय नाविक घायल : विदेश मंत्रालय

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। भारत के विदेश मंत्रालय (एमईए) ने होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहे कमर्शियल जहाज पर हमले की जानकारी दी है। एमईए ने हमले की निंदा करते हुए बयान जारी किया। बताया कि ओमान तट के पास होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहे पनामा के झंडे वाले जहाज ‘एमटी ऑन पीस’ (आईएमओ 98932204) पर मंगलवार को हमला किया गया। जहाज पर सवार 19 सदस्यीय चालक दल में 17 भारतीय नागरिक थे, जिनमें से कुल 12 घायल हो गए। इनमें से 11 भारतीय नाविक थे।

विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, ‘होर्मुज स्ट्रेट से गुजरते समय जहाज पर एक प्रोजेक्टाइल आकर लगा। हमले में 12 चालक दल के सदस्य घायल हुए, जिनमें 11 भारतीय नागरिक हैं। इसमें आगे बताया गया कि ओमानी



अधिकारियों की सहायता से सभी घायल चालक दल के सदस्यों को जहाज से निकालकर सुरक्षित रूप से ओमान के खासाब ले जाया गया, जहां उन्हें चिकित्सा उपचार दिया जा रहा है। भारत ने इस दौरान मदद के लिए ओमानी अधिकारियों का आभार जताया है।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि क्षेत्र में जहाजों पर हमलों की लगातार हो रही और व्यापार को जल्द से जल्द बहाल घटनाएं भारत के लिए गंभीर चिंता का

विषय हैं। भारत ने क्षेत्र में शांति और स्थिरता के हित में ऐसे हमलों को तत्काल रोकने की अपनी अपील दोहराई।

बयान में कहा गया, ‘क्षेत्र में वाणिज्यिक जहाजों, नाविकों और नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाए जाने का सिलसिला समाप्त होना चाहिए। साथ ही अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों के जरिए नौवहन और व्यापार को जल्द से जल्द बहाल किया जाना जरूरी है।’

मध्यप्रदेश: इंदौर में अतिक्रमण-विरोधी अभियान के दौरान पथराव, दो हिरासत में लिए गए

विश्व केसरी ■
इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर में मंगलवार को सड़क के अधूरे हिस्से के निर्माण के लिए रास्ता साफ करने के मकसद से चलाए गए अतिक्रमण-विरोधी अभियान के दौरान पुलिस और नगर निगम की टीम पर कथित तौर पर पथराव किए जाने के बाद दो लोगों को हिरासत में लिया गया।

यह घटना मंगलवार सुबह 11 बजे हुई, जब इंदौर नगर निगम और जिला प्रशासन की एक टीम, पुलिसकर्मियों और अर्थ-मूविंग मशीनों के साथ बिचोली काकड़, अस्पताल ले जाया गया, जबकि पहुंची ताकि सड़क के रास्ते में दो अन्य लोगों को हिरासत में लिया गया।

एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि हटाने की कार्रवाई के दौरान कुछ लोगों ने विरोध किया और पुलिस तथा नगर निगम की टीम पर पत्थर फेंके गए। स्थिति को



नियंत्रित करने के लिए हल्का बल प्रयोग किया गया और दो लोगों को हिरासत में लिया गया है।

उन्होंने कहा कि स्थिति को नियंत्रण में ले लिया गया है और इलाके में और किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोकने के लिए पुलिस तैनात की गई है।

उन्होंने कहा कि सड़क के रास्ते के सीमांकन और प्रशासनिक आदेशों के अनुसार कार्रवाई की जा रही है। अभियान के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

महाराष्ट्र में सूखे पर राज्य सरकार का फैसला, 19 और तालुकों में होगा फसल सर्वेक्षण

विश्व केसरी ■
मुंबई। महाराष्ट्र में कम बारिश के कारण बने सूखे जैसे हालात को देखते हुए राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने प्रभावित इलाकों में पंचनामा और सर्वेक्षण का काम तेज करने के निर्देश दिए हैं। कृषि आयुक्तालय ने 5 अक्टूबर को सभी जिलाधिकारियों को पत्र भेजा है। पत्र में कहा गया है कि जिन 265 तालुकों में ट्रिगर-1 लागू है, वहां 100 प्रतिशत फसल पंचनामा तुरंत पूरा किया जाए।

सरकार के निर्देश के अनुसार इन 265 तालुकों में पंचनामा भौतिक और डिजिटल दोनों तरह से किया जाएगा। संबंधित किसानों के हस्ताक्षर लेने के साथ ही इन पंचनामों को ग्राम पंचायत और पंचायत समिति के स्तर पर सार्वजनिक भी करना होगा। इसके अलावा ट्रिगर-1 की



सूची वाले 265 तालुकों के अलावा 19 अन्य तालुकों में भी सूखे की गंभीरता का आकलन किया जाएगा। इन 19 तालुकों में प्रमुख 5 फसलों का 20 प्रतिशत सर्वेक्षण और जमीनी जांच करने को कहा गया है। इस सर्वेक्षण की रिपोर्ट तैयार कर कृषि आयुक्तालय के माध्यम से मंत्रिमंडल उपसमिति के सामने रखी जाएगी। सरकारी पत्र के साथ जारी परिशिष्ट के अनुसार अतिरिक्त सर्वेक्षण के लिए 8 जिलों के कुल 19 तालुकों को शामिल किया गया है। इनमें नांदेड़, चंद्रपुर,

गोंदिया, वर्धा, भंडारा, नासिक, सतारा और सांगली जिले शामिल हैं।

इनमें नांदेड़ जिले के मुदखेड़, मुखेड़ और अर्धापुर, चंद्रपुर के जिवती, ब्रह्मपुरी और बल्लापुर, गोंदिया जिले के आमगांव, देवरी, सालेकसा और गोंदिया, वर्धा जिले के कारंजा, भंडारा जिले के मोहाड़ी और तुमसर, नासिक जिले के त्र्यंबकेश्वर, चांदवड़ और निफाड, सातारा जिले के पाटण और सांगली जिले के शिराला और वालवा तालुक शामिल हैं।

गुद्धपोतों के लिए ब्रह्मोस लॉन्चर व फायर कंट्रोल सिस्टम की डील, 661 करोड़ रुपए होगी लागत

विश्व केसरी ■



नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने ब्रह्मोस के फायर कंट्रोल सिस्टम व लॉन्चर की खरीद के लिए मंगलवार को एक बड़ा करार किया है। ब्रह्मोस एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड के साथ 661.50 करोड़ रुपए में यह डील की गई है। यह भारतीय नौसेना की समुद्री मारक क्षमता को और मजबूत करने की दिशा में उठाया गया एक अहम कदम है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक यह समझौता ‘भारतीय खरीद, भारतीय रूप से डिजाइन, विकसित और निर्मित’ श्रेणी के तहत किया गया है।

रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की मौजूदगी में इस समझौते पर हस्ताक्षर किए

है कि इसमें कम से कम 68 प्रतिशत अग्रिम पंक्ति के युद्धपोतों पर तैनात ब्रह्मोस प्रणाली को और सक्षम बनाने पर देश में रक्षा उपकरणों के निर्माण को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ भारतीय उद्योगों की भागीदारी भी बढ़ेगी।

है कि इसमें कम से कम 68 प्रतिशत अग्रिम पंक्ति के युद्धपोतों पर तैनात ब्रह्मोस प्रणाली को और सक्षम बनाने पर देश में रक्षा उपकरणों के निर्माण को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ भारतीय उद्योगों की भागीदारी भी बढ़ेगी।

है कि इसमें कम से कम 68 प्रतिशत अग्रिम पंक्ति के युद्धपोतों पर तैनात ब्रह्मोस प्रणाली को और सक्षम बनाने पर देश में रक्षा उपकरणों के निर्माण को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ भारतीय उद्योगों की भागीदारी भी बढ़ेगी।

परियोजना में कई सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के शामिल होने की भी उम्मीद है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में यह कदम इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि उन्नत सैन्य तकनीक से जुड़े उपकरणों के निर्माण में घरेलू उद्योगों की भूमिका लगातार बढ़ रही है। मंत्रालय के अनुसार, यह परियोजना अगले तीन वर्षों की अवधि में रोजगार के अवसर भी पैदा करेगी।

गौरतलब है कि ब्रह्मोस प्रणाली भारतीय नौसेना के प्रमुख सतह से सतह पर मार करने वाले प्रक्षेपास्त्र तंत्र के रूप में विभिन्न अग्रिम पंक्ति के युद्धपोतों पर तैनात है।

शेफाली-चरणी ‘आईसीसी विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ’ नॉमिनेट, अभिषेक-गिल पुरुषों की श्रेणी में शॉर्टलिस्ट



विश्व केसरी ■
दुबई। विमेंस एशिया कप 2026 और एशियन गेम्स 2026 में शानदार प्रदर्शन के बाद, भारत की शेफाली वर्मा और श्री चरणी के साथ-साथ श्रीलंकाई कप्तान चामरी अट्टपट्टु को सितंबर 2026 के लिए ‘आईसीसी विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड’ के लिए नामित किया गया है। वहीं, व्हाइट-बॉल क्रिकेट में जबरदस्त प्रदर्शन के बाद, भारतीय बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल के साथ जिम्बाब्वे के ऑलराउंडर सिकंदर रजा को सितंबर के लिए ‘आईसीसी मॅस प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड’ के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया।

शेफाली के लिए भारत की ओपनिंग बैटिंग लाइन-अप में यह महौना बहुत शानदार रहा। उन्होंने सात टी20 मैचों में 72 की औसत और 184.61 के स्ट्राइक रेट से 360 रन बनाए। 22 वर्षीय खिलाड़ी ने गेंदबाजी में भी योगदान दिया और 13 की औसत से छह विकेट लिए। वह विमेंस एशिया कप में सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी रहीं और पांच पारियों में 236 रन बनाए। वहीं, श्री चरणी गेंदबाजी में भारत की सबसे भरसोमंद खिलाड़ियों में से एक बनकर उभरीं। बाएं हाथ की स्पिनर ने सितंबर में सात टी20 मुकाबलों में

दौरान अभिषेक ने 76.33 की औसत से 229 रन बनाए। उन्होंने दिल्ली में खेले गए पहले मैच में 32 गेंदों पर 82 रन बनाकर जबरदस्त वापसी की। अभिषेक ने सिर्फ 22 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। भारत ने 157 रन का लक्ष्य 38 गेंदें बाकी रहते हुए हासिल कर लिया। उन्हें ‘प्लेयर ऑफ द मैच’ चुना गया।

इसके बाद उन्होंने दूसरे टी20 मुकाबले में 19 गेंदों पर 39 रन बनाए और फिर तीसरे मैच में सीरीज की सबसे यादगार पारी खेली। अभिषेक ने सिर्फ 45 गेंदों पर 108 रन बनाए और 30 गेंदों में अपनी सेंचुरी पूरी की, जो किसी ‘फुल मेंबर’ देश के बल्लेबाज द्वारा सबसे तेज टी20 सेंचुरी थी। शानदार प्रदर्शन के लिए अभिषेक को ‘प्लेयर ऑफ द सीरीज’ चुना गया था।

दूसरी तरफ, भारतीय कप्तान शुभमन गिल के लिए सितंबर का महौना शानदार रहा, जिसमें उन्होंने वनडे फॉर्मेट में रिकॉर्डतोड़ पारियां खेलीं। गिल ने तिरुवनंतपुरम में वेस्टइंडीज के विरुद्ध 110 रन की पारी खेली, जबकि गुवाहाटी में नाबाद 223 रन बनाए। दोनों मुकाबले भारत ने जीते और सीरीज 2-1 से अपने नाम की।

वहीं, सिकंदर रजा का नॉमिनेशन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कई प्रभावशाली प्रदर्शनों के बाद आया है, भले ही जिम्बाब्वे तीन मैचों की वनडे सीरीज हार गया। नंबर 2 वनडे ऑल-राउंडर ने पहले मैच में अहम भूमिका निभाई और जिम्बाब्वे को तब संभाला जब लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम के चार विकेट गिर चुके थे।



जिम्बाब्वे के खिलाफ शानदार प्रदर्शन, करियर की बेस्ट आईसीसी रैंकिंग पर पहुंची हेली मैथ्यूज



विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज ने करियर की बेस्ट रैंकिंग हासिल की है। ‘प्लेयर ऑफ द सीरीज’ चुनी गई मैथ्यूज ने विमेंस चैंपियनशिप के तीन मुकाबलों में कुल 326 रन बनाए। मैथ्यूज के प्रदर्शन ने उन्हें वनडे बैटिंग और ऑलराउंडर रैंकिंग, दोनों में करियर की बेस्ट रेटिंग तक पहुंचने में मदद की है।

28 वर्षीय मैथ्यूज 731 रेटिंग प्वाइंट्स के साथ वनडे बैटिंग रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंच गई हैं, जो उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। भारत की स्मृति मंधाना 790 प्वाइंट्स के साथ सूची में

फ्रांस ने बेल्जियम को 4-1 से हराया, ग्रुप में टॉप पर पहुंची

विश्व केसरी ■
पेरिस। जिनेदिन जिदान की फ्रांस ने अपने मैराथन इंटरनेशनल ब्रेक का अंत स्टेड डी फ्रांस में बेल्जियम के खिलाफ 4-1 की जीत के साथ किया। जीत के साथ नेशंस लीग ग्रुप में टॉप पर पहुंच गई।

फ्रांस ने दूसरे हाफ के 14 मिनट में चार गोल किए और मुकाबले में एक गोल से पिछड़ने के बाद भी 4-1 से बड़ी जीत की। बेल्जियम के लिए डोडी ल्यूकेबाकियो ने पहला गोल करके टीम को बढ़त दिलाई थी।

ब्रेक के बाद जिदान ने अपनी स्टार खिलाड़ियों वाली बेंच का इस्तेमाल किया और अपनी टीम को टॉप गियर में देखा, जब डिजायर डू और रेयान चेर्की ने तेजी से दो गोल करके मैच का रुख बदल दिया। माइकल ओलिस ने फिर ढेर से दो और गोल किए, जिससे फ्रांस ने ग्रुप ए1 में अपना बिना हारे रहने का रिकॉर्ड बनाए रखा।

35वें मिनट में अपने ही हाफ में मिडफील्ड में अकेले, रोमियो लाविया ने डोडी ल्यूकेबाकियो को एक थ्रू बॉल दी। फ्रेंच डिफेंस हैरान रह गया, और बेल्जियम के विंगर ने गिलौम रेस्टेस के साथ वन-ऑन-वन ? मुकाबला किया, जिसने फ्रेंच गोलकीपर के नेट के



ऊपरी दाएं कोने में बॉल भेजकर जीत हासिल की।

77वें मिनट में, लुकास दा कुन्हा ने सेंटर में डू को पास दिया। पेरिस के इस खिलाड़ी ने मुड़कर अपने बाएं पैर पर खड़े होकर एक नीचा, एंगल्ड शॉट मारा और साइड नेटिंग में गेंद डाल दी, जबकि उनके सामने बेल्जियम के कई खिलाड़ी थे, जिससे स्कोर 1-1 हो गया।

इसके बाद माइकल ओलिस ने

जोकिन सेयस को पीछे छोड़ते हुए अंदर की ओर कट किया, पेनल्टी एरिया में घुसे, और रेयान चेर्की के लिए लो बैक क्रॉस किया, जिन्होंने अपने बाएं पैर से गोल किया। बेल्जियम के गोलकीपर को गेंद मिली, लेकिन वह बॉल को गोल पोस्ट में जाने से नहीं रोक सके, जिससे फ्रांस ने 2-1 की बढ़त बना ली।

इसके बाद ओलिस ने डू के दो

नेशंस लीग: इटली ने तुर्किये को 3-1 से हराया, क्वार्टर फाइनल की रेस में शामिल

विश्व केसरी ■
बोलोग्ना। रॉबर्टो मैनसिनी ने इटली के मैनेजर के तौर पर लौटने के बाद घरेलू मैदान पर पहली जीत हासिल की। इटली ने तुर्किये को 3-1 से हराया। इस जीत के साथ इटली नेशंस लीग ग्रुप ए1 में दूसरे स्थान पर पहुंच गया।

जियानलुका स्कामाका के पहले गोल ने इंटरवल में अंतर पैदा किया, लेकिन अराल शिमसिर ने रीस्टार्ट के बाद तुर्किये को बराबरी पर ला दिया। हालांकि, बराबरी ज्यादा देर तक नहीं रही, क्योंकि रिकार्डो कैलाफियोरी ने बेंच से आकर अपनी टीम को फिर से आगे कर दिया, इससे पहले पियो एस्पोसिटो ने आखिरी स्ट्रेज में जीत पक्की कर दी।

कई बार बाहर रहने के बावजूद, तुर्किये के खिलाफ 3-1 की जीत से यह पक्का हो गया है कि इटली को यूरोपियन चैंपियनशिप क्वालीफाईंग ड्रा में सीड मिलेगी,



और सबसे बड़कर, नेशंस लीग क्वार्टर फाइनल की दौड़ में बने रहने की कोशिश करेगी।

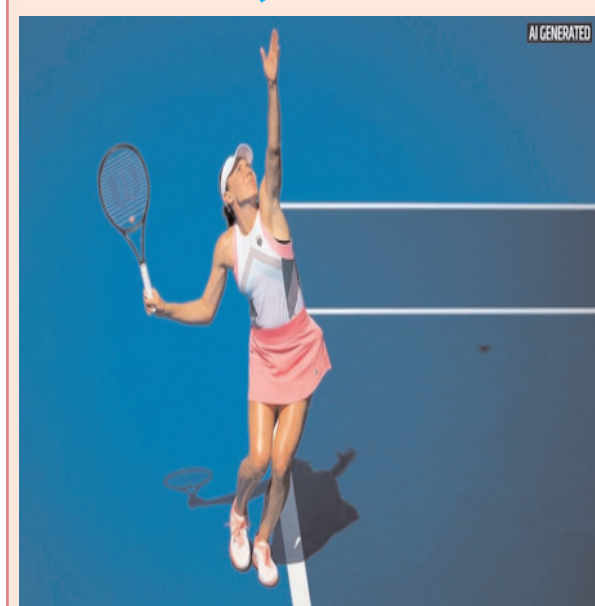
दिखा पाने के बाद इटली ने सिमसिर के बराबरी के गोल के बाद जोरदार जवाब दिया, जिसकी वजह से रिकार्डो कैलाफियोरी और हमेशा की तरह पियो एस्पोसिटो के गोल हुए।

स्कैमाका का शॉट निशाने से हटने के बाद, पहला बचाव डोनारुम्मा ने किया, जो कबाक के लंबी दूरी के शॉट को कॉर्नर में डिफ्लेक्ट करने के लिए आगे बढ़ा और फिर अकगुन के हेडर को ब्लॉक कर दिया, जिसे डिफेंस ने गंवा दिया।

इटली ने पहले हाफ में अपना पहला और एकमात्र असली मौका तब बनाया जब डि लोरेन्सो का क्रॉस स्कैमाका के हेडर पर गिरा, जो सेलिक की पीठ पर लगा। अललांटा के स्ट्राइकर ने जल्दी से कबाक को पीछे छोड़ा और दाहिने पैर से एक जोरदार स्ट्राइक किया जो क्रॉसबार के नीचे से निकल गया।

डि लोरेन्सो और डोनारुम्मा के

चाइना ओपन: एलेक्जेंड्रोवा ने नोस्कोवा को हराया, क्वार्टर फाइनल में आंद्रीवा से होगा सामना



विश्व केसरी ■
बीजिंग। चाइना ओपन के ‘राउंड ऑफ 16’ में मंगलवार को रूस की एकातेरिना एलेक्जेंड्रोवा ने चेक गणराज्य की लिंडा नोस्कोवा को 6-2, 6-2 से मात देकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जहां उनका मुकाबला मीरा आंद्रीवा से होगा।

एलेक्जेंड्रोवा ने प्री-क्वार्टर फाइनल में लिंडा नोस्कोवा को चौंकाते हुए अपनी एक भी सर्विस नहीं गंवाई। मौजूदा विंबलडन चैंपियन के खिलाफ मुकाबले में उनका दबदबा रहा और 6-2, 6-2 से जीत हासिल की। इस जीत ने रूसी खिलाड़ी

हैं; उनसे आगे सिर्फ सेरेना विलियम्स और शुआई झांग हैं। एलेक्जेंड्रोवा से पहले, रूस की आंद्रीवा ने ‘राउंड ऑफ 16’ में डारिया स्निगुर को इसी तरह 6-2, 6-2 के अंतर से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जहां सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए उनका मुकाबला हमवतन खिलाड़ी से होगा।

जीत के बाद आंद्रीवा ने कहा, ‘आज मेरी सर्विस अच्छी थी। मैंने अच्छा डिफेंस किया, क्योंकि वह बहुत आक्रामक खिलाड़ी हैं। मुझे लगा कि आज अच्छा डिफेंडर बनना फायदेमंद रहेगा।

आज मैंने ये दोनों काम सबसे अच्छे से किए। ‘अगले मुकाबले में आंद्रीवा का सामना एलेक्जेंड्रोवा से होगा, जिनसे दोनों बार हार चुकी हैं। अपनी अगली प्रतिद्वंद्वी के बारे में आंद्रीवा ने मुस्कुराते हुए कहा, ‘खैर, एक बात तो पक्की है, मैंने उन्हें अभी तक नहीं हराया है। मैं कौंचिता के साथ पूरी कोशिश करूंगी कि देखूं कि उनके खिलाफ कैसा खेलती हूं? क्या बदलना है? और कुछ नया आजमाऊं जिसे मैं मैच में इस्तेमाल कर सकूं? यकीनन यह एक शानदार और मजेदार मैच होगा। वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं। उनके खिलाफ अपनी पहली जीत हासिल करने को लेकर मैं काफी उत्साहित हूं।

सौरव गांगुली आईपीएल फ्रेंचाइजी ‘दिल्ली कैपिटल्स’ के हेड कोच नियुक्त

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) का हेड कोच नियुक्त किया गया है। यह डीसी के साथ गांगुली का पहला औपचारिक कोचिंग रोल होगा।

सौरव गांगुली साल 2019 से ही कैपिटल्स के साथ जुड़े हुए हैं, जब वह एक सलाहकार के तौर पर संगठन से जुड़े थे। इसके बाद उन्होंने फ्रेंचाइजी में कई सीनियर रोल निभाए, जिसमें पुरुष और महिला दोनों टीमों के लिए ‘डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट’ का पद भी शामिल है। 54 वर्षीय गांगुली अब डगआउट में नजर आएंगे।

सौरव गांगुली की नियुक्ति उस रिश्ते में एक और अध्याय जोड़ती है जो सात साल पहले शुरू हुआ था। कैपिटल्स के साथ अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने पुरुषों और महिलाओं दोनों टीमों के साथ काम किया है और फ्रेंचाइजी के क्रिकेटिंग ढांचे को आकार देने में शामिल रहे हैं। गांगुली ने कहा कि फ्रेंचाइजी और वहां के लोगों के साथ उनकी जान-पहचान की वजह से यह नियुक्ति खास है। उन्होंने कहा, ‘मैं आईपीएल में हेड कोच

की भूमिका निभाने के लिए उत्साहित हूं। दिल्ली कैपिटल्स मेरे दिल के बहुत करीब है और सालों से मेरा इसके साथ गहरा रिश्ता रहा है। मैंने मालिकों, मैनेजमेंट, सपोर्ट स्टाफ और खिलाड़ियों के साथ मिलकर काम किया है, जिससे यह मेरे लिए एक रोमांचक जिम्मेदारी बन गई है। हमारे पास एक प्रतिभाशाली समूह है और हमने हाल के समय में अच्छा क्रिकेट खेला है। मैं टीम के साथ काम करने, नए सीजन और एक मजबूत और निडर टीम बनाने के लिए उत्सुक हूं।

दिल्ली कैपिटल्स के चेयरमैन और को-ओनर पार्थ जिंदल ने गांगुली की नियुक्ति का स्वागत किया और फ्रेंचाइजी के साथ उनके लंबे समय से चले आ रहे जुड़ाव और उनकी लीडरशिप क्षमताओं पर जोर देते हुए कहा, ‘दादा हमेशा से दिल्ली कैपिटल्स परिवार का अहम हिस्सा रहे हैं। मुझे यह घोषणा करते हुए बहुत गर्व और सम्मान महसूस हो रहा है कि भारत के सबसे महान कप्तानों और प्रशासकों में से एक, अब दिल्ली कैपिटल्स के हेड कोच के तौर पर कोचिंग की दुनिया में कदम रख रहे हैं।

डब्ल्यूटीए टूर: गॉफ ने सन को हराया, झेंग किनवेन ‘चाइना ओपन’ के ‘अंतिम 16’ में पहुंचीं

विश्व केसरी ■
बीजिंग। अमेरिकी खिलाड़ी कोको गॉफ ने 16 वर्षीय चीनी खिलाड़ी सन जिनरान को 7-5, 6-1 से शिकस्त देकर चाइना ओपन डब्ल्यूटीए टूर इवेंट में लगातार चौथे साल ‘राउंड ऑफ 16’ में जगह बनाई। दो बार की ग्रैंड स्लेम विजेता ने शानदार खेल दिखाते हुए आखिरी 10 में से 9 गेम अपने नाम किए।

गॉफ ने डब्ल्यूटीए टूर लेवल पर अपने से कम उम्र की खिलाड़ियों के खिलाफ खेले गए



28 मुकाबलों में से 24 जीते हैं। इस दौरान किसी टीनएजर के खिलाफ उन्हें एकमात्र हार 2025 में माॉन्ट्रियल में विक्टोरिया मबोको से मिली थी, जो बाद में चैंपियन बनीं।

मुकाबले के बाद गॉफ ने युवा चीनी खिलाड़ी को सराहा। मैच के बाद इंटरव्यू में गॉफ ने कहा, ‘मुझे लगता है कि 16 साल की उम्र में मैं जितनी परिपक्व थी, वह उससे कहीं ज्यादा परिपक्व हूं। मुझे लगता है कि मैं उससे थोड़ी ज्यादा परेशान हो गई थी, लेकिन वह एक शानदार खिलाड़ी है। मुझे पता था कि यह

मैंच मुश्किल होने वाला है। उनका जूनियर करियर बहुत शानदार रहा है। जाहिर है कि वह इस स्तर पर भी बहुत अच्छा करेगी।

वहीं, सोमवार को चीन की स्टार झेंग किनवेन ने चेक गणराज्य की 18वीं सीड मैरी बाउजकोवा को 7-6 (3), 4-6, 7-5 से हराकर महिला सिंगल्स के ‘राउंड ऑफ 16’ में जगह बनाई। झेंग ने मैच का पहला ब्रेक हासिल किया, लेकिन बाउजकोवा ने छठे गेम में ब्रेक प्वाइंट्स जीतकर वापसी की। सेट टाई-ब्रेक तक गया, जहां झेंग ने 7-3 से जीत हासिल की।

बाउजकोवा ने दूसरे सेट में मजबूत शुरुआत की और 3-0 की बढ़त बना ली। इसके बाद उन्होंने झेंग की वापसी की कोशिशों को नाकाम किया और मैच को निर्णायक सेट तक पहुंचाया।

आखिरी सेट में ज्यादातर समय दोनों खिलाड़ियों ने अपनी-अपनी सर्विस बचाए रखीं, लेकिन आखिर में झेंग ने अपना दूसरा मैच प्वाइंट जीतकर जीत पक्की कर ली। अगले राउंड में झेंग का सामना आर्मेनिया की अलीना चाराएवा से होगा।

विश्व बैंक ने बढ़ाया भारत की विकास दर का अनुमान, वित्त वर्ष 2027 में 7.1 प्रतिशत ग्रोथ की उम्मीद



विश्व केसरी ■ नई दिल्ली। विश्व बैंक (वर्ल्ड बैंक) ने भारत की आर्थिक मजबूती पर भरोसा जताते हुए वित्त वर्ष 2026-27 के लिए देश की विकास दर का अनुमान बढ़ा दिया है। अपनी ताजा साउथ एशिया इकोनॉमिक अपडेट रिपोर्ट में विश्व बैंक ने भारत की जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान 6.6 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत कर दिया है।

विश्व बैंक के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत घरेलू मांग, औद्योगिक गतिविधियों में विस्तार और सेवा क्षेत्र की निरंतर मजबूती से समर्थन मिल रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की विकास गति मजबूत बनी हुई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की दीर्घकालिक विकास संभावनाओं को पिछले वर्षों में लागू किए गए कई महत्वपूर्ण संरचनात्मक सुधारों से मजबूती मिली है। इनमें श्रम संहिताओं (लेबर कोड्स) का एकीकरण, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधार, टैरिफ युक्तिकरण, दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) और भौतिक एवं डिजिटल अवसंरचना में बड़े निवेश शामिल हैं।

विश्व बैंक ने कहा कि कृषि क्षेत्र में कुछ चुनौतियों के बावजूद व्यापक अर्थव्यवस्था में मौजूद मजबूती भारत को मौजूदा वित्त वर्ष में मजबूत विकास दर बनाए रखने में मदद करेगी। रिपोर्ट के अनुसार, घरेलू मांग आर्थिक गतिविधियों का प्रमुख आधार बनी हुई है और यही भारत की अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत है।

हालांकि, विश्व बैंक ने कुछ जोखिमों की ओर भी ध्यान दिलाया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ऊंची ऊर्जा कीमतें और एल नीनो से जुड़े प्रतिकूल मौसमीय प्रभाव आने वाले महीनों में आर्थिक वृद्धि और महंगाई प्रबंधन के लिए चुनौती बन सकते हैं।

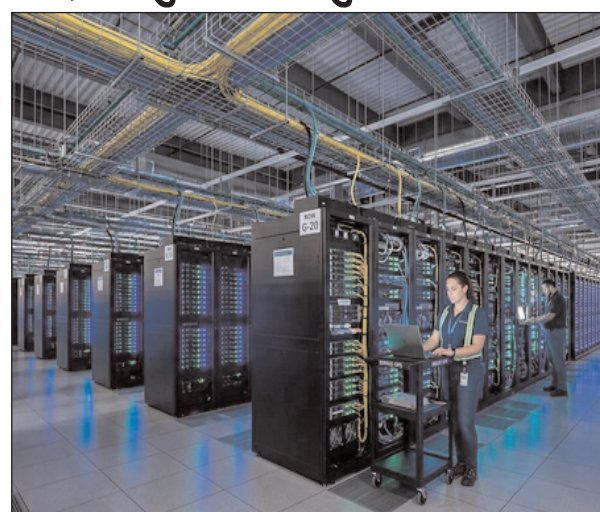
दक्षिण एशिया के परिदृश्य पर नजर डालें तो विश्व बैंक ने वर्ष 2026 के लिए क्षेत्र की विकास दर का अनुमान भी बढ़ाकर 6.9 प्रतिशत दिया है, जो पहले 6.3 प्रतिशत था। रिपोर्ट के अनुसार, इस सुधार का सबसे बड़ा कारण भारत की अपेक्षा से बेहतर आर्थिक प्रदर्शन है।

दिलचस्प बात यह है कि भारत को छोड़कर दक्षिण एशिया के बाकी देशों की विकास दर का अनुमान 4.1 प्रतिशत से घटकर 3.6 प्रतिशत कर दिया गया है। इसका मुख्य कारण बांग्लादेश की विकास दर के अनुमान में की गई बड़ी कटौती है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि दक्षिण एशिया के सामने वैश्विक स्तर पर कई चुनौतियां मौजूद हैं। क्षेत्र कच्चे तेल का बड़ा आयातक है, इसलिए ऊंची ऊर्जा कीमतों का सीधा असर महंगाई और आर्थिक गतिविधियों पर पड़ता है।

इसके अलावा, अल नीनो के कारण कृषि क्षेत्र पर दबाव बढ़ सकता है, जो दक्षिण एशिया की बड़ी आबादी के लिए आजीविका का प्रमुख स्रोत है।

भारत में डेटा सेंटरों का तेजी से विस्तार बढ़ रहा बिजली, साइबर सुरक्षा और बुनियादी ढांचे से जुड़े जोखिम: रिपोर्ट



विश्व केसरी ■ नई दिल्ली। भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), क्लाउड कंप्यूटिंग और डिजिटल सेवाओं की बढ़ती मांग के कारण डेटा सेंटर उद्योग तेजी से विस्तार कर रहा है। हालांकि, इस क्षेत्र में बिजली की उपलब्धता, साइबर सुरक्षा और बुनियादी ढांचे की मजबूती से जुड़े जोखिम भी बढ़ रहे हैं। यह जानकारी मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई।

बीमा ब्रोकर कंपनी एऑन की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में स्थापित डेटा सेंटर क्षमता 2030 तक चार गुना से अधिक बढ़ सकती है। नई क्षमता के लिए कई परियोजनाओं पर पहले से ही काम चल रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि बिजली की उपलब्धता अब यह तय करने में एक प्रमुख कारक बनती जा रही है कि नए डेटा सेंटर कहाँ स्थापित किए जा सकते हैं और परियोजनाएं कितनी तेजी से शुरू हो सकती हैं।

एआई से जुड़े बढ़ते वर्कलोड के कारण ऊर्जा की खपत बढ़ रही है और बिजली के बुनियादी ढांचे पर दबाव भी बढ़ रहा है। एऑन के भारत में कमर्शियल रिस्क सॉल्यूशंस के मैनेजिंग डायरेक्टर और प्रमुख सुशांत सरिन ने कहा कि ग्रिड से जुड़ी बाधाओं और कनेक्शन में होने वाली देरी से निपटने के लिए डेवलपर्स ऑन-साइट बिजली उत्पादन, बैटरी स्टोरेज और हाइब्रिड ऊर्जा प्रणालियों जैसे वैकल्पिक ऊर्जा समाधानों पर तेजी से विचार कर रहे हैं। सरिन ने कहा कि इन उपायों से डेटा सेंटर की मजबूती और आपूर्ति की निरंतरता बेहतर हो सकती है, लेकिन इनके साथ परिचालन, रखरखाव और आग से मूल्यांकन किया जा रहा है।

जुड़े जोखिम भी पैदा होते हैं। कंपनी ने ऐसे शोध का हवाला दिया, जिसके अनुसार दुनियाभर में डेटा सेंटर की बिजली मांग 2030 तक 165 प्रतिशत बढ़ सकती है।

एऑन ने यह भी कहा कि एआई के नेतृत्व में हो रही वृद्धि डेटा सेंटर के भौतिक जोखिमों की प्रकृति को बदल रही है। इससे बिजली की अधिक क्षमता और कूलिंग की जरूरत बढ़ रही है। खासकर पानी की कमी वाले क्षेत्रों में पानी की उपलब्धता एक बड़ी चिंता बनती जा रही है, जिससे डेटा सेंटर के लिए स्थान का चयन और अधिक जटिल हो गया है। भौतिक जोखिमों के साथ-साथ साइबर खतरे भी डेटा सेंटर के संचालन से अधिक मजबूती से जुड़ते जा रहे हैं।

इसके अलावा, आधुनिक डेटा सेंटर आपस में जुड़े कंट्रोल सिस्टम, डिजिटल मॉनिटरिंग टूल्स और थर्ड-पार्टी वेंडर्स पर निर्भर करते हैं। ऐसे में साइबर हमलों से संचालन बाधित हो सकता है, संपत्तियों को नुकसान पहुंच सकता है और लंबे समय तक कारोबारी गतिविधियां प्रभावित हो सकती हैं। एऑन ने कहा कि बीमा कंपनियां डेटा सेंटर के जोखिमों का आकलन करने के लिए तेजी से लाइफसाइकिल आधारित दृष्टिकोण अपना रही हैं। इसमें डिजाइन और निर्माण से लेकर संचालन तक सभी पहलुओं का मूल्यांकन किया जा रहा है।

शरीर को डिटॉक्स और रीढ़ को लचीला बनाता है अर्ध मत्स्येन्द्रासन, जानें लाभ

विश्व केसरी ■ नई दिल्ली। आधुनिक जीवनशैली और घंटों एक ही जगह बैठकर काम करने की आदत हमारे शरीर को नुकसान पहुंचाता है। योग के कई आसनों में से अर्ध मत्स्येन्द्रासन एक ऐसा आसन है, जो हमारे पूरे शरीर के लिए बहुत फायदेमंद है। यह आसन रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाता है, पेट के अंगों को सही तरीके से काम करने में मदद करता है।

अर्ध मत्स्येन्द्रासन, हठयोग का एक प्रमुख और महत्वपूर्ण आसन है, जिसे महान योगी और हठयोग के प्रवर्तकों में से एक, महर्षि मत्स्येन्द्रनाथ के नाम पर रखा गया। संस्कृत में 'अर्ध' का अर्थ आधा, 'मत्स्य' का अर्थ मछली और 'इंद्र' का अर्थ राजा होता है।

पौराणिक मान्यता के अनुसार, इस आसन के नियमित अभ्यास से शरीर की सुप्त ऊर्जा जागृत होती है और रीढ़ का स्वास्थ्य उत्तम बना रहता है। यह आसन केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि आंतरिक संतुलन प्राप्त करने की एक वैज्ञानिक विधि है। यह एक प्रमुख 'ट्विस्टिंग' (मोड़ने वाला) योगासन है, जो न केवल शरीर की जकड़न को दूर करता है बल्कि आंतरिक अंगों की मालिश कर शरीर को डिटॉक्स (विषमुक्त) करने में भी मदद करता है। आइए, इस प्राचीन और लाभकारी आसन के महत्व, सही तकनीक और स्वास्थ्य लाभों को विस्तार से समझें।

हठयोग प्रदीपिका में मूल रूप से मत्स्येन्द्रासन (पूर्ण मत्स्येन्द्रासन) का वर्णन मिलता है। आधुनिक योग अभ्यास में इसी आसन को सरल और सुलभ बनाने के लिए इसके आधे रूप यानी अर्ध मत्स्येन्द्रासन का विकास किया गया। इस आसन का नाम नाथ संप्रदाय के महान योगी मत्स्येन्द्रनाथ के नाम पर रखा गया है। अर्ध मत्स्येन्द्रासन करने का तरीका भी ज्यादा कठिन नहीं होता और नियमित अभ्यास करने पर इसके परिणाम साफ नजर आने लगते हैं।



हठयोग प्रदीपिका में मूल रूप से मत्स्येन्द्रासन (पूर्ण मत्स्येन्द्रासन) का वर्णन मिलता है। आधुनिक योग अभ्यास में इसी आसन को सरल और सुलभ बनाने के लिए इसके आधे रूप यानी अर्ध मत्स्येन्द्रासन का विकास किया गया। इस आसन का नाम नाथ संप्रदाय के महान योगी मत्स्येन्द्रनाथ के नाम पर रखा गया है। अर्ध मत्स्येन्द्रासन करने का तरीका भी ज्यादा कठिन नहीं होता और नियमित अभ्यास करने पर इसके परिणाम साफ नजर आने लगते हैं।

योगाभ्यास की शुरुआत प्रार्थना से करना क्यों है जरूरी, आयुष मंत्रालय ने बताया महत्व

विश्व केसरी ■ नई दिल्ली। योगाभ्यास को केवल शारीरिक कसरत तक सीमित नहीं माना जा सकता। यह शरीर, मन और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करने की एक संपूर्ण प्रक्रिया है। आयुष मंत्रालय के अनुसार, योग का वास्तविक लाभ तभी मिलता है जब इसकी शुरुआत सही मानसिक अवस्था और सकारात्मक सोच के साथ की जाए। इसी कारण योग की शुरुआत प्रार्थना के साथ करना बेहद महत्वपूर्ण माना गया है।

मंत्रालय का कहना है कि प्रार्थना मन को शांत करने का सबसे सरल और प्रभावी माध्यम है। जब हम प्रार्थना करते हैं तो हमारे विखरे हुए विचार एक जगह केंद्रित होते हैं। इससे मन की चंचलता कम होती है और हम वर्तमान क्षण में लौट आते हैं। प्रार्थना के दौरान ली गई गहरी सांसों शरीर को योगाभ्यास के लिए तैयार करती हैं।

योग 365 अभियान के तहत भी लोगों को यही संदेश दिया जा रहा है कि अपनी शुरुआत करों और पूरे ध्यान और कृतज्ञता के साथ अपना अभ्यास शुरू करें। योग की भाव के साथ अपनी अभ्यास शुरू करें। योग 365 का उद्देश्य योग को सिर्फ एक दिन तक सीमित न रखकर इसे पूरे वर्ष की दिनचर्या का हिस्सा बनाना है। विशेषज्ञों के अनुसार प्रार्थना से शुरू किया गया योग अधिक ध्यानपूर्ण होता है। जब हम अभ्यास से पहले कुछ क्षण रुकते हैं, गहरी सांस लेते हैं और मन में एक अच्छा और सकारात्मक इरादा तय करते हैं, तो हमारा शरीर और मन दोनों ही अभ्यास के लिए तैयार हो जाते हैं। यह छोटा सा उद्धार हमें दिनभर की भागदौड़ से निकालकर योग के प्रति समर्पित होने में मदद करता है। आयुष मंत्रालय ने लोगों से अपील की है कि वे योग को जल्दबाजी में न करें। पहले प्रार्थना करें, मन को शांत करें, एक सकारात्मक संकल्प लें और फिर धीरे-धीरे योगाभ्यास में शुरू करें। प्रार्थना के साथ की गई यह शुरुआत ही ध्यानपूर्ण योग के लिए सही माहौल बनाती है और पूरे अभ्यास को अधिक फलदायी और सार्थक बना देती है।



विश्व केसरी ■ नई दिल्ली। मेनिनजाइटिस दिमाग और रीढ़ की हड्डी को ढकने वाली झिल्लियों में होने वाला संक्रमण या सूजन है। यह बीमारी किसी भी उम्र के व्यक्ति को प्रभावित कर सकती है और कुछ मामलों में तेजी से गंभीर रूप ले सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक, बैक्टीरियल मेनिनजाइटिस खास तौर पर गंभीर चिंता का विषय है।

मेनिनजाइटिस कई कारणों से हो सकता है। इसके लिए बैक्टीरिया, वायरस, फंगस और कुछ परजीवी जिम्मेदार हो सकते हैं। बैक्टीरियल मेनिनजाइटिस के प्रमुख कारणों में मेनिंगोकोकल, न्यूमोकोकल, हीमोफिलस इन्फ्लुएंजा और ग्रुप बी स्ट्रेप्टोकोकस शामिल हैं। किस उम्र में किस खतरा अधिक है, यह व्यक्ति की उम्र, प्रतिरक्षा क्षमता और संक्रमण के संपर्क जैसे कई कारकों पर निर्भर करता है। नवजात शिशुओं में ग्रुप बी स्ट्रेप्टोकोकस का खतरा अधिक हो सकता है, जबकि बच्चों



और किशोरों में मेनिंगोकोकल, न्यूमोकोकस और हीमोफिलस इन्फ्लुएंजा महत्वपूर्ण कारण हैं। इस बीमारी के लक्षणों को पहचानना बेहद जरूरी है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, सामान्य लक्षणों में तेज बुखार, सिरदर्द, गर्दन में अकड़न, उल्टी, रोशनी के प्रति संवेदनशीलता और भ्रम या मानसिक स्थिति में बदलाव शामिल हो सकते हैं। कुछ गंभीर मामलों में दौरे पड़ना, बेहोशी या हाथ-पैर में कमजोरी जैसे लक्षण भी दिखाई दे सकते हैं। हालांकि हर मरीज में सभी लक्षण एक साथ नजर आए, यह जरूरी नहीं है। शिशुओं में मेनिनजाइटिस के लक्षण थोड़े अलग हो सकते हैं। बच्चा सामान्य से कम सक्रिय हो सकता है, उसे जगना मुश्किल हो सकता है, वह लगातार चिड़चिड़ा रह सकता है, ठीक से दूध नहीं पी सकता या लगातार कमजोर आवाज में रो सकता है।

DR. PRAJWAL SONI
M.B.B.S., M.D.
Obstetrics & Gynaecologist
colposcopist
Laparoscopic Surgeon & Infertility Specialist

Mo. 9827189170
9200668168

Soni Multispeciality Hospital
and Maternity Home

📍 Bade Urla, Raipur Road, Abhanpur (C.G.)
📍 Amapara, Pitaiband Road, Rajim, Garivaband (C.G.)
✉️ drprajwalsoni@gmail.com

📞 911677722
📞 7509007388

Discover the new meaning of pleasure

Noorjaha Prime

DINING • BUFFET • ROOFTOP • LIVE BARBEQUE KITCHEN

City Kotwali Road, Baijnathpara, Raipur.
83700 09993

:H.O.:

Madarsa Road
Baijnathpara, Raipur.
Mobile: 83700 09994

:OUTLETS:

Marine Drive,
Telibandha, Raipur
Mo: 83570 09997

कृषि हो या निर्माण क्वालिटी और मजबूती हमारी पहचान - वीनस मशीनरी

पावर वीडर, पैलेट मशीन, चाफ कटर, आटा चक्की, टोली, कंक्रीट मिक्सर, वाटर टेकर, बेटरी स्पेयर, स्पेयर

निर्माण कार्य कृषि कार्य ग्रामीण क्षेत्र उद्योग एवं प्रोसेसिंग सिंचाई एवं बागवानी किसानों हेतु उपयुक्त

निर्माता व विक्रेता: वीनस मशीनरी

एफ-1, महिंद्रा शोरूम के बाजू में मेनरोड, देवपुरी, रायपुर (छ.ग.)
फ़ोन : 0771-3149312, मो. : 9343500569, 9516906000

लक्ष्मी इलेक्ट्रानिक

एसी, फ्रीज, कूलर, अलमारी, टीवी

सस्ते दामों में उपलब्ध

पुराना एसी लाईट, नया ले जाईये

बजाज फाईनेस की सुविधा उपलब्ध

गौंदवारा रोड गुडियारी रायपुर मो.-93004-92401

RAIPUR SMART BUSINESS

GST फाइल बनवाएं ITR मात्र 500/- 25 वर्ष का अनुभव

CMA Data • Balance Sheet • प्रोजेक्ट रिपोर्ट
फूड लाइसेंस • Income Tax Audit • TDS रिफंड

हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार हैं।

संपर्क: शेखर गुप्ता RIFCO Tax Consultants
C-74, सेक्टर- 1, जुबेस्ता हॉस्पिटल के पास, देवेन्द्र नगर, रायपुर

Whatsapp पर बनवाएं 9300755544, 8878655544



श्री साई केयर हॉस्पिटल

शिव मंदिर के पास, अंबती विहार, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.)

आपके स्वास्थ्य का भरोसा...

महीने के प्रत्येक सोमवार को फ्री ओपीडी
समय : शाम 6 बजे से 8 बजे तक

मेडिसिन विभाग

डॉ. जयकुमार पटेल
मेडिसिन एवं मधुमेह रोग विशेषज्ञ
(M.D. Medicine/Diabetes & Geriatric Care)

उपलब्ध सेवाएँ:

- हायपरटेंशन (मधुमेह) उपचार
- हार्ड स्नाय उपचार (उपचर स्थापना)
- हार्डवाइड विकार
- हार्ड डिजिटल (हृदय संबंधी समस्याएं)
- सिस्टर व फिस्मिनी रोग
- पेक्कोरी की समस्याएं (अस्थमा, COPD)
- गुलाब व उरोजनन (सायरस, टायफाइड)
- हृद की समस्याएं (रैथ, अंग्रेज, एरिथ्रिमा)
- सामान्य रोगों की जांच व उपचार
- न्यूट्रोलाजिनल समस्या (एच.आई.वी. और एड्स)

जनरल सर्जरी विभाग

डॉ. वी.पी. सिंह
जनरल सर्जरी विशेषज्ञ
(M.S. General Surgery)

उपलब्ध सेवाएँ:

- पायलस (कमरी) का अपरेशन
- सिस्टर और फिस्टुला का उपचार
- हडिया सर्जरी (इंडुगुल / कोमगेल / हाइड्रोसिस्ट)
- एपेंडिसाइटिस (अपेंडिसाइटिस) सर्जरी
- सायराइड सर्जरी
- गोत्र कटवट्टन (सिस् की पथरी) का अपरेशन
- बेस्ट लोअर / टायस सर्जरी
- सिस्टर टायस / सिस्ट / सिस्मोस गिन्गल
- हाइड्रोसिस्ट / सिकोसिस्टी सर्जरी
- लैंगर एवं स्टेपलर की सहायता में पायलस का इन्गुल

कैंसर रोग विभाग

डॉ. अखिलेश साहू
कैंसर रोग विशेषज्ञ
(MD. Clinical Oncologist)

उपलब्ध सेवाएँ:

- कैंसरोलोजी
- टायपेटेज टेस्टिंग
- इम्यूनोथेरेपी
- हार्मोन थेरेपी
- सिस्टर कोनो-अप
- सायराइड सर्जरी
- वर्न व साइड इफेक्ट प्रबंधन
- पंचाय व नानाजिक सहाय
- कैंसर की जांच व निदान

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

आपका स्वास्थ्य सबसे महत्वपूर्ण है, हमारा प्रयत्न है आपको स्वस्थ रखना।

शिविर विभाग

डॉ. जयकुमार पटेल
मेडिसिन एवं मधुमेह रोग विशेषज्ञ

कैंसर रोग विभाग

डॉ. अखिलेश साहू
कैंसर रोग विशेषज्ञ

जनरल सर्जरी विभाग

डॉ. वी.पी. सिंह
जनरल सर्जरी विशेषज्ञ

हमारी सुविधाएँ:

- 24 घंटे अग्रिम सिरिस्टर
- कैंसर रोग विशेषज्ञ 20 विशेषज्ञों का अग्रिम
- अग्रिम सिरिस्टर
- पुलिस सुविधाएं सुविधाएं
- 24 घंटे रात रात रात रात

हमारी सुविधाएँ:

- कैंसरोलोजी, सिस्टोसिस्टी
- कैंसर रोग विशेषज्ञ एवं अग्रिम
- 24 घंटे रात रात रात रात
- 24 घंटे रात रात रात रात

आपका स्वास्थ्य:

- Breast Thermography Screening Test
- सायस अग्रिम सिरिस्टर
- सिस्टोसिस्टी सर्जरी
- अग्रिम सिरिस्टर
- अग्रिम सिरिस्टर

श्री साई केयर हॉस्पिटल
शिव मंदिर के पास, अंबती विहार, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.)
एक स्वस्थ परिवार की ओर कदम बढ़ाएं, आपका स्वास्थ्य ही आपकी सबसे बड़ी संपत्ति है।

मुर्दों के नाम पर हजम कर गए एक लाख रुपए!

1 लाख भुगतान का रिकॉर्ड, जमीन पर शेड का कोई अता-पता नहीं

विश्व केसरी

बकावंड (अर्जुन कुमार झा)। जनपद पंचायत बकावंड की ग्राम पंचायतों में 15वें वित्त आयोग मद की राशि को हजम करने का खुला खेल चल रहा है। भ्रष्टाचार में बेशर्मी इस कदर हावी हो चुकी है कि सरपंच, सचिव एवं अधिकारी मुर्दों के नाम पर भी राशि चट करने में संकोच नहीं कर रहे हैं। ऐसा ही एक बेहद शर्मनाक मामला बकावंड विकासखंड की ग्राम पंचायत उड्डियापाल से सामने आया है, जहां मुक्तिधाम में शेड निर्माण के नाम पर पूरे एक लाख रुपए चट कर लिए गए हैं, मगर शेड का कहीं अस्तित्व भी नहीं है।

उड्डियापाल में 15वें वित्त आयोग की राशि का को लेकर सामने आए इस गड़बड़ी के मामले ने अब नया मोड़ ले लिया है। यहां मुक्तिधाम शेड निर्माण के नाम पर हुए कथित भुगतान और आरटीआई से सामने आई जानकारी ने कई नए सवाल खड़े कर दिए हैं। उपलब्ध सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार ई-ग्राम स्वराज के एक्सपेंडिचर डिटेल में वाउचर क्रमांक एक्सबीएफसी/2024-25/P/11, दिनांक 08 अक्टूबर 2024 के तहत 'मुक्तिधाम शेड निर्माण का राशि भुगतान' के नाम से 1 लाख का भुगतान दर्ज



Scheme name	XV Finance Commission- Basic Grant (united)
Voucher no	XVFC/2024-25/P/11
Voucher type	Expenditure
Voucher date	08/10/2024
Voucher amount	₹ 1,00,000.00
Particulars	MUGHDI DHAM SHED NERAMA KATKA KA RASHI BHUGATAN

दिखाई देता है। लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि जिस मुक्तिधाम शेड के निर्माण के नाम पर यह भुगतान दर्ज है, मौके पर ऐसा निर्माण दिखाई नहीं देता। यही अंतर अब पूरे मामले का सबसे बड़ा सवाल बन गया है। 15वें वित्त आयोग की राशि का उद्देश्य गांवों में मूलभूत सुविधाओं और विकास कार्यों को मजबूती देना है। लेकिन उड्डियापाल में मुक्तिधाम शेड निर्माण के नाम पर भुगतान का रिकॉर्ड सामने आने के बाद ग्रामीण पृष्ठ रहे हैं कि आखिर जिस कार्य के नाम पर राशि जारी हुई, वह कार्य जमीन पर कहां है? ग्रामीणों का आरोप है कि बिना निर्माण कार्य कराए ही राशि का भुगतान कर दिया गया। उनका यह भी आरोप है कि भुगतान प्रक्रिया में जवाब-वाउचर का इस्तेमाल किया गया और पंचायत स्तर पर

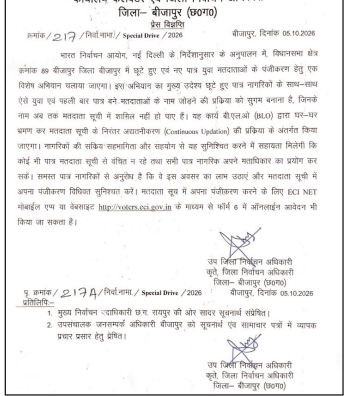
जिम्मेदार लोगों की भूमिका संदिग्ध है। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। मामले का सबसे अहम पहलू सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत मांगी गई जानकारी है। ग्रामीणों के अनुसार आरटीआई के माध्यम से पंचायत से मुक्तिधाम शेड निर्माण के संबंधित जानकारी मांगी गई थी। प्राप्त जवाब में कथित रूप से पंचायत ने इस तरह के कार्य से ही आने के बाद ग्रामीण पृष्ठ रहे हैं कि आखिर जिस कार्य के नाम पर राशि जारी हुई, वह कार्य जमीन पर कहां है? ग्रामीणों का आरोप है कि बिना निर्माण कार्य कराए ही राशि का भुगतान कर दिया गया। उनका यह भी आरोप है कि भुगतान प्रक्रिया में जवाब-वाउचर का इस्तेमाल किया गया और पंचायत स्तर पर

छूटे मतदाताओं को सूची में जोड़ने अभियान शुरू, बीएलओ करेंगे घर-घर सर्वे

विश्व केसरी

बीजापुर (नवीन दुर्गम)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुपालन में छूटे हुए एवं नए पात्र युवा मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 89 बीजापुर में अभियान के दौरान पहली बार पात्र बने युवाओं सहित ऐसे नागरिकों के पंजीकरण पर विशेष फोकस रहेगा, जिनके नाम अतक मतदाता सूची में शामिल नहीं हो पाए हैं।

मतदाता सूची के निरंतर अद्यतनीकरण के तहत बीएलओ घर-घर पहुंचकर पात्र



नागरिकों की जानकारी जुटाएंगे और पंजीकरण प्रक्रिया में सहयोग करेंगे। अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे।

पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए श्रद्धांश दृष्टिमान मोबाइल ऐप अथवा भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट के माध्यम से फॉर्म-6 में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। नागरिकों से अभियान में सहयोग करते हुए अपना पंजीकरण सुनिश्चित करने की अपील की गई है।

यातायात नियम तोड़ने वालों पर पुलिस की कार्रवाई, 66 प्रकरणों में शमन शुल्क

विश्व केसरी

बीजापुर (नवीन दुर्गम)। जिले में यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने और सड़क सुरक्षा को बेहतर करने के उद्देश्य से यातायात पुलिस द्वारा लगातार वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। पुलिस ने ओवरलोडिंग, तीन सवारी, नशे में वाहन चलाने सहित अन्य मामलों में कुल 66 प्रकरणों में कार्रवाई करते हुए शमन शुल्क की कार्यवाही की। अभियान के दौरान पुलिस ने वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने और आवश्यक दस्तावेज साथ रखने की समझाइश दी। साथ ही नशे की हालत में वाहन नहीं चलाने तथा सड़क पर सुरक्षित और जिम्मेदारीपूर्वक वाहन चलाने की अपील की गई। पुलिस ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने



और आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यातायात नियमों का पालन जरूरी है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

15 साल बाद अपनों के बीच लौटा 'पीतम कका', गांव में फिर गूंजने लगी उनकी वही खास अंदाज की बातें

विश्व केसरी

भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)। अंतगाढ़ नगर से समीप ग्राम पंचायत नवागांव के रहने वाले पीतम कका करीब 15 साल से अधिक समय तक अपने गांव और परिवार से दूर रहे। इतने लंबे समय तक उनके बारे में कोई ठोस जानकारी नहीं मिल सकी। परिजनों और ग्रामीणों ने उन्हें कई बार खोजने का प्रयास किया, लेकिन हर कोशिश के बाद भी उनका कोई पता नहीं चल पाया। आखिरकार सोशल मीडिया के दौर में वायरल हुए एक वीडियो ने वर्षों से बिछड़े पीतम कका को उनके गांव तक पहुंचाने की उम्मीद जगा दी। आज पीतम कका अपने गांव नवागांव लौट चुके हैं। वर्षों बाद अपनों के बीच पहुंचे पीतम को

देखकर ग्रामीणों के चेहरे पर खुशी और भावुकता साफ नजर आ रही है। वहीं, पीतम भी अपने पुराने अंदाज में नजर आने लगे हैं। बच्चों को स्कूल छोड़ना-लाना हो या ग्रामीणों की छोटी-बड़ी मदद करना, वह फिर से उसी तरह लोगों के बीच घुल-मिल रहे हैं, जिसके लिए वे कभी गांव में अपनी अलग पहचान रखते थे।

बोलने का अलग अंदाज बना

कहना - पीतम कका बोलने में पक्कम थोरे, लेकिन उनकी बात कहने का अपना एक अलग अंदाज था। उनका यही अंदाज लोगों को प्रभावित करता था और कई बार लोगों के लिए मनोरंजन का कारण भी बनता था। अगर उन्हें कुछ पढ़ने के लिए



दिया जाता, तो वे उसे अपने ही अंदाज में पढ़ते। उनके बोलने और पढ़ने का तरीका इतना अलग था कि लोग उन्हें सुनने के लिए आसपास जमा हो जाते थे। धीरे-धीरे यही अंदाज उनकी पहचान बन गया और गांव में हर कोई उन्हें प्यार से 'पीतम कका' कहकर बुलाने लगा।

पीतम का स्वभाव भी बेहद सरल और सहयोगी बताया जाता है। वह हमेशा लोगों की मदद के लिए आगे रहते थे। किसी को किसी काम में सहाय्य की जरूरत हो तो पीतम अपनी क्षमता के अनुसार मदद करने में पीछे नहीं रहते थे। खास बात यह थी कि मदद करने के बदले वह किसी से कुछ मांगते नहीं थे।

अचानक गायब हुए और 15 साल तक नहीं मिला कोई सुराग -

करीब 15 साल से अधिक समय पहले पीतम अचानक गांव से गायब हो गए। उनके इस तरह चले जाने के बाद परिवार और ग्रामीणों ने उनकी काफी तलाश की। आसपास के इलाकों से लेकर दूसरे संभावित स्थानों तक उनकी खोज की गई, लेकिन कोई ठोस सुराग नहीं मिला। समय गुजरता गया और पीतम की वापसी की उम्मीद धीरे-धीरे

धुंधली होती गई। हालांकि गांव के लोगों के मन में उनके लिए अपनापन और उन्हें फिर से देखने की इच्छा हमेशा बनी रही।

सोशल मीडिया के एक वीडियो ने जगाई उम्मीद - कई वर्षों बाद सोशल मीडिया पर दक्षिण बस्तर क्षेत्र के किसी गांव का एक वीडियो सामने आया। वीडियो में नजर आए व्यक्ति को देखकर लोगों को लगा कि यह कोई और नहीं बल्कि उनका अपना पीतम कका हो सकता है।

वीडियो में पीतम की पहचान होने के बाद उन्हें दोबारा तलाशने की कोशिश शुरू की गई। कुछ समय बाद उनके चित्रकोट में होने की जानकारी सामने आई। इसके बाद नवागांव के प्रमुख लोगों ने उन्हें तलाशने का बीड़ा

उठाया और चित्रकोट पहुंचकर उनकी खोज शुरू की। काफी प्रयास के बाद आखिरकार पीतम एक स्थान पर सोए हुए मिले। उस समय उनकी हालत ठीक नहीं थी। शरीर पर फटे-पुराने कपड़े थे और लंबे समय तक बाहर रहने के कारण उनकी स्थिति काफी खराब हो चुकी थी।

गांव वालों को देखते ही पीतम ने भी पहचान लिया - जब गांव के लोग पीतम के पास पहुंचे तो सबसे भावुक कर देने वाला क्षण वह था, जब पीतम ने भी अपने गांव वालों को पहचान लिया। वर्षों की दूरी के बावजूद उनके बीच का अपनापन खत्म नहीं हुआ था। गांव वालों ने उन्हें वापस गांव चलने के लिए कहा। पीतम ने भी गांव लौटने

के लिए हामी भर दी। इसके बाद उन्हें वापस नवागांव लाया गया।

वर्षों बाद लौटे तो फिर वही पुराना अंदाज - पीतम के गांव लौटने की खबर मिलते ही उनसे मिलने के लिए ग्रामीण पहुंचने लगे। कोई उनका हालचाल जानने पहुंच रहा है तो कोई वर्षों बाद अपने पुराने परिचित को देखकर भावुक हो रहा है।

सबसे खास बात यह है कि पीतम गांव लौटने के बाद धीरे-धीरे अपने पुराने अंदाज में वापस दिखाई देने लगे हैं। बच्चों को स्कूल छोड़ना और उन्हें वापस लाना, ग्रामीणों के छोटे-बड़े कामों में सहयोग करना और फिर उसी अपने अनाखे अंदाज में बोलना—इन सबने गांव के पुराने दिनों की यादें ताजा कर दी हैं।

स्वात्वधिकारी गडबक्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लॉट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड उत्तराखण्ड नगर 30, मीडिया सीटी, हीरापुर रोड, मोहवा बाजार, टाटीबंध रायपुर छत्तीसगढ़ - 492099,स्थानीय कार्यालय **B-87A** गावडी नगर, शंकर नगर जगन्नाथ मंदिर के पास रायपुर छ.ग. 492004 से प्रकाशित, कार्यकारी संपादक: रामप्रसाद दुबे (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी)। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र रायपुर होगा)। मोबाइल 9425509753 ई-मेल: vishwakasari2026@gmail.com,आरएन.आई.नं. CTHIN/26/AG6251